नई दिल्ली से प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

जन-जन की आवाज

द न्यूज फिफ्टीन

RNI NO.- DELHIN/2023/86360 www.thenews15.in

वर्ष :01 | अंक : 172 | नई दिल्ली, सोमवार 19 अगस्त 2024 | मूल्य : 05 | पृष्ठ-12 |

वरुण धवन को कृति सेनन ने कहा धोखेबाज ← पेज-12

एक नजर

मुर्मु ने देशवासियों को रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दी

नयी दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने रक्षाबंधन के पावन पर्व पर देशवासियों को बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। श्रीमती मुर्मु ने रविवार को अपने संदेश में कहा, रक्षा बंधन के पावन अवसर पर, मैं सभी देशवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देती हूं। उन्होंने कहा, रक्षा बंधन भाई-बहन के अनूठे संबंध का उत्सव है जो प्यार और आपसी विश्वास की भावना को मजबूत बनाता है। धार्मिक और सांस्कृतिक सीमाओं से परे यह पर्व हमारे देश की विविधता में एकता का प्रतीक है। यह ऐसा अनुपम पर्व है जो महिलाओं के हितों की रक्षा करने की हमारी इच्छाशक्ति को मजबूत करता है।मेरी कामना है कि यह पर्व हमारे समाज में सद्भाव और प्रेम की भावना को प्रगाढ़ बनाए और समाज में महिलाओं का सम्मान बढ़े।

लोक सेवक भर्ती में फजीवाड़ा संविधान पर हमला: राहुल

नयी दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता एवं कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा है कि मोदी सरकार लोक सेवकों की भर्ती लोक सेवा आयोग की बजाय राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के जरिए कर रही है और यह फजीवाड़ा होने के साथ ही संविधान पर हमला भी है। श्री गांधी ने कहा, श्री नरेंद्र मोदी संघ लोक सेवा आयोग की जगह 'राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ' के जरिए लोक सेवकों की भर्ती कर संविधान पर हमला कर रहे हैं। केंद्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों में महत्वपूर्ण पदों पर लेटरल एंट्री के जरिए भर्ती कर खुलेआम एससी, एसटी और ओबीसी वर्ग का आरक्षण छीना जा रहा है। उन्होंने कहा, मैंने हमेशा कहा है कि टॉप ब्यूरोक्रेसी समेत देश के सभी शीर्ष पदों पर वंचितों का प्रतिनिधित्व नहीं है, उसे सुधारने के बजाय लेटरल एंट्री द्वारा उन्हें शीर्ष पदों से और दूर किया जा रहा है। यह यूपीएससी की तैयारी कर रहे प्रतिभाशाली युवाओं के हक पर डाका और वंचितों के आरक्षण समेत सामाजिक न्याय की परिकल्पना पर चोट है। कांग्रेस नेता ने कहा, 'चंद कॉरपोरेट्स' के प्रतिनिधि निर्णायक सरकारी पदों पर बैठ कर क्या कारनामे करेंगे, इसका ज्वलंत उदाहरण सेबी है, जहां निजी क्षेत्र से आने वाले को पहली बार चेयरपर्सन बनाया गया। प्रशासनिक ढांचे और सामाजिक न्याय दोनों को चोट पहुंचाने वाले इस देश विरोधी कदम का इण्डिया गठबंधन मजबूती से विरोध करेगा। आईएएस का निजीकरण' आरक्षण खत्म करने की 'मोदी की गारंटी' है।

मलेशियाई प्रधानमंत्री आज आएंगे भारत की यात्रा पर

नयी दिल्ली। मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर बिन इब्राहिम सोमवार को भारत की तीन दिन की यात्रा पर नयी दिल्ली आ रहे हैं। विदेश मंत्रालय ने आज यहां बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निमंत्रण पर मलेशिया के प्रधानमंत्री दातो सेरी अनवर बिन इब्राहिम 19 से 21 अगस्त तक भारत की राजकीय यात्रा पर रहेंगे। मलेशिया के प्रधानमंत्री के रूप में दातो सेरी अनवर इब्राहिम की पहली भारत यात्रा होगी। विदेश मंत्रालय के अनुसार 20 अगस्त को, मेहमान प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम का राष्ट्रपति भवन के प्रांगण में परंपरागत ढंग से रस्मी स्वागत किया जाएगा। वह महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि देने के लिए राजघाट जाएंगे, जिसके बाद वह प्रधानमंत्री श्री मोदी के साथ हैदराबाद हाउस में द्विपक्षीय बैठक करेंगे। श्री मोदी उनके सम्मान में दोपहर का भोज आयोजित करेंगे। बाद में श्री इब्राहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात करेंगे।

बुलंदशहर में भीषण सड़क हादसा, पिकअप और बस की भिड़ंत

10 लोगों की मौत, बच्चे समेत 29 घायल

बुलंदशहर, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर जिले में बड़ा सड़क हादसा हुआ है। रक्षाबंधन मनाने घर जा रहे मजदूरों की पिकअप को बस ने टक्कर मार दी। हादसे में 10 लोगों की मौत हो गई है, जबकि कई बच्चों समेत 29 लोग घायल हो गए हैं। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार, गाजियाबाद की एक ब्रेड कंपनी में मजदूरी करने वाले करीब 35 से अधिक मजदूर पिकअप में गाजियाबाद से अलीगढ़ जनपद की तहसील अतरौली के गांव रायपुर में रक्षाबंधन का त्योहार मनाने के लिए जा रहे थे। जैसे ही सलेमपुर थाने के पास पहुंचे तो यहां तेज रफ्तार डग्गामार बस ने ओवरटेक के दौरान पिकअप को टक्कर मार दी। हादसे में 11 लोगों की मौत हो गई, जबकि 29 लोग घायल हुए हैं। घायल आठ लोगों को हायर सेंटर रेफर किया गया है, जबकि शेष 21 लोगों का जिला अस्पताल व निजी अस्पताल में उपचार चल रहा है।

हादसा इतना भयावह था कि बस की टक्कर के बाद पिकअप सवार लोग सड़क पर इधर-उधर जा गिरे। हादसे के दौरान बस चालक भी बस के स्टेयरिंग में फंसकर बुरी तरह से घायल हो गया, जिसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

अलीगढ़ की अतरौली तहसील के गांव अहेरिया नगला के मजदूर गाजियाबाद स्थित एक फैक्ट्री में मजदूरी करते थे। रक्षाबंधन का त्योहार मनाने के लिए सभी मजदूर रविवार सुबह करीब आठ बजे गाजियाबाद से पिकअप में सवार होकर अपने-अपने गांव लौट रहे थे।

करीब 10.15 बजे जब वह सलेमपुर पहुंचे तो एक तेज रफ्तार डग्गामार बस ने साइड से टक्कर मार दी। जिससे पिकअप अनियंत्रित होकर पेड़ से टकराई और फिर बस के पीछा से पिकअप में टकराया। इससे पिकअप सवार लोग उछलकर सड़क पर जा गिरे। हादसे के बाद मौके पर मौजूद स्थानीय लोगों ने सड़क पर गिरे घायलों को उठाया और निजी वाहनों व एंबुलेंस की मदद से निजी अस्पताल के साथ जिला अस्पताल भिजवाया।

जिला अस्पताल में उपचार के लिए पहुंचे घायलों में से नौ घायलों को चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया, जबकि चिट्टा के निजी अस्पताल में एक घायल की मौत हो गई। हादसे के बाद घटना स्थल पर चीख-पुकार मच गई, हर कोई मौके की ओर दौड़ा और घायलों को सड़क से उठाकर एक ओर किया। साथ ही बस में फंसे चालक को भी निकालने का प्रयास किया।

बाद में लोगों ने क्रेन की मदद से बस में फंसे चालक को बाहर निकाला और अस्पताल में भर्ती कराया। प्रत्यक्षदर्शी लोगों के मुताबिक बदायूं से दिल्ली के लिए संचालित होने वाली डग्गामार बस का चालक तेज गति से एक अन्य वाहन को ओवरटेक कर रहा था। जबकि सड़क पर वाहनों की संख्या अधिक होने के चलते पिकअप चालक सड़क किनारे रोड पटरी पर चला रहा था।

> हादसे में 10 लोगों की मौत हुई है और 29 लोग घायल हुए हैं। अस्पताल पहुंचकर घायलों का बेहतर उपचार कराने के निर्देश अधिकारियों को दिए हैं। नौ घायलों को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जबकि आठ घायलों को हायर सेंटर रेफ? किया गया है। हादसे की जांच कराई जा रही है। - **सीपी सिंह, डीएम**

इन लोगों की हुई मौत

- मुकुट सिंह निवासी गांव अहेरिया नगला, अलीगढ़
- दीनानाथ निवासी गांव अहेरिया नगला, अलीगढ़
- ब्रजेश निवासी गांव अहेरिया नगला, अलीगढ़
- शिशुपाल निवासी गांव अहेरिया नगला, अलीगढ़
- बाबू सिंह निवासी गांव अहेरिया नगला, अलीगढ़
- गिरिजा सिंह निवासी गांव अहेरिया नगला, अलीगढ़
- ओमकार निवासी ऊंचागांव थाना रामघाट बुलंदशहर
- सुगड़पाल निवासी गांव अहेरिया नगला, अलीगढ़
- दो अज्ञात

लोगों का आरोप, आधा घंटा देरी से पहुंची पुलिस

स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि सुबह करीब 10 .15 बजे हादसा हुआ, इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई, लेकिन करीब आधा घंटा देरी से पुलिस मौके पर पहुंची। राजकुमार, रोहताश, उमेश, सुमित ने आरोप लगाया कि पुलिस की लापरवाही और मिलीभगत से संचालित डग्गामार बसों के कारण आए दिन हादसे हो रहे हैं, लेकिन इसके बाद भी इनके खिलाफ कार्रवाई नहीं की जा रही है। राजवीर, सचिन, अंकित समेत अन्य लोगों ने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र ही अधिकारियों की ओर से कार्रवाई नहीं की गई तो वह खुद ही डंडा लेकर सड़क पर डग्गामार बसों का संचालन बंद कराएंगे।

अंगदान में भारत बने विश्व के लिए मिसाल : धनखड़

जयपुर, एजेंसी। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने अंगदान को समाज की आवश्यकता बताते हुए कहा है कि अंगदान में भारत विश्व के लिए एक मिसाल बनना चाहिए। श्री धनखड़ रविवार को यहां बिरला सभागार में देहदानियों के परिजनों को सम्मानित समारोह में बोल रहे थे।

श्री धनखड़ और विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी में दीप प्रज्ज्वलित कर समारोह का शुभारंभ किया। समारोह में श्री धनखड़ ने कहा कि अंगदान का कार्य समाज की प्रतिभा को बल देने वाला है। उन्होंने कहा कि हमारी सांस्कृतिक ऐतिहासिक विरासत में बलिदानों का उल्लेख है। देहदानी अपनी आने वाली पीढ़ियों का सिर ऊंचा रखने वाला कार्य कर जाता है। उन्होंने कहा कि अंगदान में भारत विश्व के लिए एक मिसाल बनना चाहिए। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि अंगदान जीवनदान है। यह गौरवमयी और अद्भुत समारोह भारत की प्राचीन संस्कृति, आदर्श और मूल्यों से जुड़ा हुआ है। पहले लोगों में अंगदान के प्रति भ्रांति थी लेकिन अब लोग अंगदान के महत्व को समझ रहे हैं और उसके लिए प्रेरित हो रहे हैं। श्री देवनानी ने कहा कि एक शरीर से आठ अंगों का दान किया जा सकता है।

उन्होंने लोगों से अपील की कि वह अंगदान जैसे महत्वपूर्ण कार्य की प्रक्रिया से जुड़े और आवश्यकता होने पर अंगदान अवश्य करें। उन्होंने अंगदान के प्रति जागरूकता का समाज में प्रसार करने की जरूरत बताते हुए कहा कि यह मानवता के लिए प्रेरणादायी कार्य है। प्रत्येक व्यक्ति दृढ़ निश्चय के साथ अंगदान करके और देहदान का प्रण लेकर समाज के लिए प्रेरणा बन सकता है। इस अवसर पर श्री देवनानी ने प्रोफेसर स्मृति शर्मा भाटिया की नव प्रकाशित पुस्तक ऑर्गन एंड बॉडी डोनेशन का विमोचन भी किया। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री हर्ष मल्होत्रा, उपमुख्यमंत्री डा प्रेमचंद बैरवा भी मौजूद थे।

हेमंत सोरेन की सरकार को तोड़ने की हो रही कोशिश : संजय राउत

नागपुर, एजेंसी। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और जेएमएम नेता चंपई सोरेन के भाजपा में शामिल होने की अटकलों पर शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने भाजपा पर झारखंड सरकार को तोड़ने की कोशिश का आरोप लगाया है। शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने सवालिया लहजे में पूछा, झारखंड से जो खबरें आ रही है, वहां क्या हो रहा है? फिर बोले, हेमंत सोरेन को तकलीफ में लाने के लिए एक बार फिर से वहां पर कोशिश की जा रही है।

उनकी एक मजबूत सरकार है, लेकिन उसमें से कुछ लोगों को तोड़ने की कोशिश की जा रही है। अगर चुनाव घोषित कर देते तो मॉडल कोर्ड ऑफ कंडक्ट लागू हो जाता। संजय राउत ने भाजपा पर हमला बोलते हुए कहा, महाराष्ट्र में जो त्रिकुट बैठा है, उन्हें यहां खेला करने और सरकारी तिजोरी खाली करने के लिए और समय चाहिए। इसलिए चुनाव की तारीखों का ऐलान नहीं किया गया। आप वन नेशन और वन इलेक्शन की बात करते हैं, लेकिन चार राज्यों में चुनाव की तारीखों का एक साथ ऐलान नहीं कर सकते!

बता दें कि झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन के भाजपा में शामिल होने की अटकलें लगाई जा रही हैं।

24 घंटे के भीतर ही ममता सरकार ने बदल दिया फैसला!

42 डॉक्टरों के तबादले का आदेश रद्द

कोलकाता, एजेंसी। आरजी कर अस्पताल की घटना के बाद पैदा हुए विवाद के बीच पश्चिम बंगाल के स्वास्थ्य विभाग ने 42 डॉक्टरों के तबादले के आदेश को 24 घंटे के भीतर ही रद्द करने का फैसला किया है। शनिवार को राज्य के स्वास्थ्य सचिव नारायणस्वरूप निगम ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में इस फैसले की जानकारी दी। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस तबादले के पीछे कोई और कारण नहीं था और यह पूरी तरह से रूटीन प्रक्रिया का हिस्सा था।

स्वास्थ्य सचिव नारायणस्वरूप निगम ने बताया कि यह तबादला प्रक्रिया आरजी कर अस्पताल में नौ अगस्त को हुई घटना से लगभग दो महीने पहले शुरू हुई थी। उन्होंने कहा, 'तबादले की प्रक्रिया काफी पहले शुरू हो गई थी, लेकिन नामों की स्पेलिंग और अन्य महत्वपूर्ण चीजों में सुधार करने के कारण आदेश जारी करने में देरी हुई। हालांकि, अब हमने इस आदेश को रद्द करने का निर्णय लिया है। तबादले के आदेश को रद्द करने का कारण बताते हुए स्वास्थ्य सचिव ने कहा कि जिन डॉक्टरों का तबादला किया जा रहा था, वे विभिन्न स्थानों पर सेवाएं दे रहे हैं। उनके तबादले से स्वास्थ्य सेवाओं पर असर पड़ सकता है, इसलिए इस फैसले को

फिलहाल रद्द कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि इस फैसले में कोई विवाद नहीं है और इसे अस्थायी रूप से रद्द किया गया है। इस मामले पर अगला फैसला कुछ दिनों में लिया जाएगा।

गौरतलब है कि शुक्रवार को राज्य स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग ने इस तबादले का आदेश जारी किया था। इस आदेश में 'राज्यपाल की इच्छानुसार' जिम्मेदारी सौंपने का संदेश भी था। लेकिन इस आदेश के जारी होते ही विवाद खड़ा हो गया। भाजपा ने आरोप लगाया कि ये डॉक्टर आरजी कर अस्पताल की घटना के विरोध में आवाज उठा रहे थे, इसी कारण ममता बनर्जी सरकार ने यह 'बदले की कार्रवाई' की है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने इसे 'दंडात्मक कदम' बताया।

दूसरी ओर, 'यूनाइटेड डॉक्टर्स फ्रंट एसोसिएशन' ने भी इस तबादले का विरोध किया है। संगठन ने एक बयान में कहा, 'बंगाल के राज्यपाल ने हमारे विरोध का समर्थन करने वाले सदस्यों का अन्यायपूर्ण रूप से तबादला किया है। इस दंडात्मक कदम से हमारे न्याय और सुरक्षा के लिए की जा रही मांग को दबाया नहीं जा सकता। हम अपनी लड़ाई में एकजुट और दृढ़ हैं। वहीं, 'एसोसिएशन ऑफ हेल्थ सर्विस डॉक्टर्स' ने भी इस तबादले का विरोध किया। स्वास्थ्य विभाग ने इस विरोध के बीच अपने फैसले में बदलाव का ऐलान किया है।

कोई भी 35 साल तक बीजेपी को सत्ता से नहीं हटा सकता है: अमित शाह

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में बीजेपी के पदाधिकारियों की बैठक में बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी पहुंचे थे। बैठक के बाद अमित शाह ने कहा कि बीजेपी अभी 35 साल और सत्ता में रहेगी। कोई भी 35 साल तक बीजेपी को सत्ता से नहीं हटा सकता है। शाह ने कहा कि बीजेपी की जड़ें मजबूत हैं, संगठन मजबूत हैं। बीजेपी जहां सत्ता में है। वहां से जाती नहीं। उन्होंने कहा कांग्रेस जहां जाती है फिर वहां आती नहीं।

बता दें कि चुनाव आयोग ने शुक्रवार को हरियाणा और जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनावों की घोषणा कर दी है। चुनाव की घोषणा के बाद बीजेपी में बैठकों का दौर शुरू हो गया है। शाह ने भविष्य में मजबूत चुनावी संभावनाओं का भरोसा जताते हुए पार्टी नेताओं से पार्टी की विचारधारा को देश के कोने-कोने तक ले जाने का आह्वान किया।

सूत्रों के मुताबिक अमित शाह ने कहा कि लोगों ने बार-बार राज्यों और केंद्र में बीजेपी सरकारों में अपना भरोसा जताया है और कांग्रेस को नकारा है। बीजेपी प्रवक्ता संबित पात्रा ने एक कहा कि पार्टी का लक्ष्य इस अभियान में 10 करोड़ से ज्यादा सदस्य बनाने का है जिसमें वह राज्य शामिल नहीं होंगे जहां आने वाले महीनों में चुनाव होना हैं। आधे राज्यों में अभियान खत्म होने के बाद पार्टी को नए अध्यक्ष का चुनाव होने की उम्मीद है। शनिवार को हुई बैठक में पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा, संगठन से जुड़े प्रमुख नेताओं और राष्ट्रीय पदाधिकारियों ने भाग लिया।

गृहमंत्री शाह ने अपने संबोधन में कहा बीजेपी एक कार्यकर्ता-आधारित पार्टी है जो एक मजबूत विचारधारा से प्रेरित है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि विस्तार के लिए इसकी निरंतर कड़ी मेहनत ने इसे 1984 में जीती गई केवल दो लोकसभा सीटों से राष्ट्रीय राजनीति में वर्तमान में प्रमुख स्थान पर पहुंचाया है। उन्होंने कहा कि सत्ता बरकरार रखने में कांग्रेस का ट्रैक रिकॉर्ड खराब है और उसके विपरीत केंद्र और राज्यों में बीजेपी सरकार फिर चुन कर आती है।

सूत्रों के मुताबिक शाह ने कहा कि कांग्रेस अब कई राज्यों में एक गंभीर राजनीतिक ताकत के रूप में मौजूद नहीं है। पात्रा ने कहा कि नए सदस्य चार तरीकों-जल्द ही घोषित होने वाले मोबाइल नंबर पर कॉल करने, क्यूआर कोड स्कैन करने, नमो ऐप और बीजेपी की वेबसाइट के जरिए बनाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि हालांकि, दूरदराज के इलाकों में पार्टी नए सदस्यों को नामांकित करने के लिए पारंपरिक कागजी पद्धति का उपयोग करेगी।

मोदी 3.0 में बिहार ही नहीं बल्कि बिहार के आईएएस अफसरों का भी बढ़ रहा दबदबा

दीपक कुमार तिवारी

पटना/नई दिल्ली। मोदी सरकार अपने तीसरे कार्यकाल में बिहार के आईएएस अधिकारियों को अहम पदों पर नियुक्त कर रही है, जिससे केंद्रीय ब्यूरोक्रेसी में बिहार का दबदबा बढ़ता दिख रहा है। इसी कड़ी में बिहार के राजेश कुमार सिंह (आरके सिंह) को देश का नया रक्षा सचिव नियुक्त किया गया है। इससे पहले, बिहार के ही रहने वाले आईआरएस अधिकारी राहुल नवीन को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) का नया निदेशक बनाया गया था। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को आम बजट के दौरान बिहार के प्रति कुछ ज्यादा उदारता दिखने के आरोप झेलने पड़े थे। अब केंद्रीय नौकरशाही में भी बिहार के आईएएस अधिकारियों का दबदबा बढ़ता दिख रहा है।

मोदी 3.0 में बिहार ही नहीं बल्कि बिहार के क्अर अधिकारियों का भी दबदबा देखने को मिल रहा है। आम बजट के दौरान केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण पर आरोप लगे थे कि उन्होंने बिहार पर कुछ ज्यादा ही मेहरबानी दिखाई। अब केंद्रीय ब्यूरॉक्रेसी में बिहार का दबदबा देखने को मिल रहा है। केंद्र की मोदी सरकार अपने अहम पदों पर बिहार के रहने वाले आईएएस अधिकारियों को तवज्जो दे रही है। बिहार के रहने वाले राजेश कुमार सिंह (आरके सिंह) को नए रक्षा सचिव बनाया गया है। इससे पहले केंद्र सरकार ने क्फर अधिकारी राहुल नवीन को ईडी के नए डायरेक्टर का जिम्मा सौंपा है। राहुल नवीन बिहार के बेतिया के रहने वाले हैं।क्अर राजेश कुमार सिंह (आरके सिंह) 1989 बैच के केरल कैडर के आईएएस अधिकारी हैं। वे वर्तमान रक्षा सचिव अरमानी गिरधर के 31 अक्टूबर को सेवानिवृत्त होने के बाद नए रक्षा सचिव का पदभार ग्रहण करेंगे। आरके सिंह का कार्यकाल दो साल का होगा। इससे पहले, आरके सिंह वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के उद्योग और आंतरिक व्यापार विभाग में तैनात थे।

बताया जा रहा है कि मोदी सरकार अपने तीसरे कार्यकाल में अपने प्रदर्शन को लेकर काफी सतर्क दिख रही है। सरकार अपने विभागों में तेज-तर्रार और अनुभवी अधिकारियों को नियुक्त कर रही है ताकि कामकाज में तेजी और पारदर्शिता बनी रहे। माना जा रहा है कि सरकार आगामी विधानसभा चुनावों और लोकसभा चुनावों को ध्यान में रखते हुए अपना रिपोर्ट कार्ड बेहतर बनाने पर ध्यान केंद्रित कर रही है।

सेंट्रल प्रोटेक्शन एक्ट सहित अन्य मांगों को लेकर जारी रहेगी रेजिडेंट डॉक्टरों की हड़ताल

नई दिल्ली, एजेंसी। कोलकाता के सरकारी मेडिकल कॉलेज में ट्रेनी डॉक्टर की रेप के बाद हत्या के मामले में डॉक्टरों का विरोध प्रदर्शन पिछले एक सप्ताह से जारी है। इसी क्रम में सेंट्रल प्रोटेक्शन एक्ट एक्शन कमेटी ने आज फिर सभी आरडीए के साथ बैठक करके मांगें माने जाने तक प्रदर्शन जारी रखने का निर्णय लिया है। साथ ही आज शाम सभी डॉक्टरों से राजीव चौक मेट्रो स्टेशन से जागरूकता मार्च निकालने के लिए जुटने की अपील की है। सेंट्रल प्रोटेक्शन एक्ट एक्शन कमेटी का गठन दिल्ली के सभी सरकारी अस्पतालों के रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन के प्रतिनिधियों ने मिलकर किया है। रेजिडेंट डॉक्टर्स का कहना है कि सेंट्रल प्रोटेक्शन एक्ट की लड़ाई को वे इस एक्शन कमेटी के बैनर तले लड़ रहे हैं। सरकार द्वारा मांगें माने जाने तक उनकी लड़ाई जारी रहेगी। बता दें कि 12 अगस्त से दिल्ली के सभी

सरकारी अस्पतालों के रेजीडेंट डॉक्टर्स हड़ताल पर हैं। इस दौरान अस्पतालों में ओपीडी, इलेक्टिव सर्जरी और लैब की सेवाएं बंद चल रही हैं। जिसकी वजह से मरीजों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। मरीज अस्पताल पहुंचकर बिना इलाज के घर वापस लौट रहे हैं। हालांकि, इमरजेंसी सेवाएं अस्पताल में चालू रखी गई हैं लेकिन इमरजेंसी सेवाएं भी पूरी क्षमता के साथ काम नहीं कर रही हैं। शनिवार को इंडियन मेडिकल एसोसिएशन और दिल्ली मेडिकल एसोसिएशन ने भी सभी प्राइवेट अस्पतालों से भी हड़ताल में शामिल होने की अपील की थी। कल सभी सरकारी और प्राइवेट अस्पतालों के डॉक्टर भी हड़ताल पर रहे। बता दें कि दिल्ली के सभी सरकारी अस्पतालों के आरडीए कोलकाता की घटना के विरोध और सेंट्रल प्रोटेक्शन एक्ट की मांग को लेकर लगातार मार्च निकाल रहे हैं। दिल्ली एम्स ने अपने रेजिडेंट डॉक्टर्स को काम पर वापस लौटने के लिए मेमोरेंडम भी जारी किया है। जीटीबी अस्पताल ने भी रेजिडेंट डॉक्टरों को काम पर लौटने के लिए मेमोरेंडम जारी किया था। लेकिन इनकी परवाह न करते हुए रेजिडेंट डॉक्टर लगातार हड़ताल पर डटे हुए हैं। इससे मरीजों की परेशानियां बढ़ती जा रही हैं। बता दें कि दिल्ली के सरकारी अस्पतालों में प्रतिदिन 40000 से ज्यादा मरीज ओपीडी में इलाज कराने के लिए आते हैं। लेकिन, अस्पतालों में एक सप्ताह से चल रही हड़ताल के कारण मरीजों को दर दर की ठोकरें खानी पड़ रही हैं। उन्हें सरकारी अस्पतालों की ओपीडी में इलाज नहीं मिल रहा है।

कांग्रेस ने की थी वक्फ की भूमि पर कब्जे की शुरूआत

भाजपा भी उसी राह पर : मौलाना कल्बे जव्वाद

नई दिल्ली, एजेंसी। जोरबाग में रविवार को वक्फ बिल 2024 का विरोध करते हुए उलमा मौलाना कल्बे जव्वाद ने इसे केंद्र सरकार की बड़ी साजिश बताया। मौलाना ने कहा कि यह बिल वक्फ की संपत्ति पर कब्जे के लिए लाया जा रहा है। वक्फ संपत्ति मुसलमानों की संपत्ति है। इसे मुसलमानों ने अल्लाह की राह में दान दिया है। वक्फ बोर्ड इसका मालिक नहीं, बल्कि हिफाजत करने वाला एक चौकीदार है। उन्होंने कहा, "वक्फ जमीन पर कब्जे की शुरूआत कांग्रेस ने की थी। अब भाजपा भी उसी की राह पर चल पड़ी है। वक्फ की आठ लाख एकड़ जमीन बताई जा रही है, लेकिन इसमें से चौथाई भी बोर्ड के पास नहीं है। ज्यादातर जमीनों पर सरकार का कब्जा है।" शिया धर्मगुरु मौलाना सैयद कल्बे जवाद ने कहा, "वक्फ अधिनियम बनाते समय सरकार ने हमसे मिलने की कोशिश क्यों नहीं की। उन्हें मौलाना और उलेमा से बात करनी चाहिए थी। उन्होंने हमसे बात क्यों नहीं की? हमसे सलाह किए बिना उन्होंने इसे पेश कर दिया।" उन्होंने आगे कि अब सरकार कह रही है कि हम क्यों नहीं मिल रहे हैं। शिया धर्मगुरु मौलाना सैयद कल्बे जवाद ने आगे कहा कि वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 पर केंद्र सरकार को जागरूकता फैलाने की जरूरत है। क्योंकि लोगों को इसके नुकसान के बारे में कुछ भी पता ही नहीं है। इसके लागू होने से 95 वक्फ खुद पर खुद खत्म हो जाएंगे और जो 5 रहेगें वो जिले के डीएम के अधीन रहेंगे। उन्होंने आगे कहा कि अगर वे ऐसा करते हैं तो उन्हें क्या नुकसान उठाना पड़ेगा। मौलाना सैयद कल्बे जवाद ने कहा कि वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 मुसलमानों को नुकसान पहुंचाने का बहुत बड़ा षड़यंत्र है। हालांकि, हम इसके लिए सरकार से बात करेंगे। उन्होंने आगे कहा कि इस मुद्दे के लिए हम खासतौर पर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू से बात करेंगे। इस सिलसिले में हमारी मदद करें और इस बिल को संसद में पास न होने दें।

बाजारों में रही भीड़, जमकर राखियों की हुई खरीदारी

नई दिल्ली, एजेंसी। रक्षाबंधन का त्योहार सोमवार को धूमधाम से मनाया जाएगा। इस खास त्योहार के लिए दिल्ली के बाजार 10 दिन पहले से ही सज गए थे, लेकिन सबसे ज्यादा खरीदारी रविवार को हुई। सदर बाजार, चांदनी चौक, कमला नगर मार्केट, सरोजनी नगर बाजार समेत दिल्ली के सभी बाजारों में रविवार को खरीदारों की जबरदस्त भीड़ लगी रही। राखियों के साथ-साथ मिठाइयों की भी जमकर खरीदारी हुई। इस बार पश्चिम बंगाल और गुजरात की राखियों की एक हजार से ज्यादा वेरायटियां बाजार में मौजूद हैं। 20 से लेकर एक हजार रुपये तक की राखियां बाजार में मौजूद हैं। इनमें बच्चों के लिए कार्टून वाली राखियां भी खूब पसंद की जा रही हैं। सदर बाजार में राखी के थोक कारोबारी अनिल कुमार ने बताया कि बीते कुछ वर्षों में राखियों के डिजाइन में काफी बदलाव आया है। पूर्व में जहां धागे वाली या बड़ी-बड़ी राखियां पसंद की जाती थी, अब जरी और मेटल वाली राखियां पसंद की जा रही हैं। उन्होंने बताया कि दिल्ली में भी राखी बनाने का काम किया जाता है, लेकिन कोलकाता और गुजरात से भी बड़ी मात्रा में दिल्ली के थोक बाजारों में राखियां पहुंच रही हैं। कोलकाता में जरी वाली राखी और गुजरात में मेटल वाली राखियां बड़े स्तर पर बनाई जाती है। उन्होंने बताया कि एक महीना पहले ही बाजार में राखियों का स्टॉक शुरू हो गया था। पहले जहां थोक बिक्री हो रही थी, वहीं अब दो दिन पहले से खुदरा बाजार में भी बिक्री बढ़ गई। एक दिन पहले ही बसों में भीड़ बढ़ गई इस बार रक्षाबंधन का पर्व सोमवार को है। ऐसे में एक दिन पहले रविवार को भी लोगों को अवकाश मिल गया। लगातार दो दिन की छुट्टी मिलने की वजह से बड़ी संख्या में लोग एक दिन पहले ही बहनों के पास या बहन अपने भाइयों के पास जाने लगी थीं। आमतौर पर जहां रक्षाबंधन के दिन बसों में भीड़ रहती है, वहीं रविवार को अवकाश के कारण लोगों ने एक दिन पहले ही सफर करना बेहतर समझा। हर उम्र के लोगों के लिए अलग हैं राखियों के डिजाइन कमला नगर मार्केट एसोसिएशन के अध्यक्ष नितिन गुप्ता ने बताया कि बाजार में हर उम्र के लोगों के लिए अलग-अलग राखियां हैं। बच्चों के लिए कार्टून की राखियां मौजूद हैं। इनमें डोरेमोन, शिनचैन, नोबिता, छोटा भीम, मोटू-पतलू, स्पाइडर मैन के आकार वाली राखियां पसंद की जा रही हैं। बहुत छोटे बच्चों के लिए छोटे-छोटे आकार की राखियां मौजूद हैं।

भाजपा नेताओं ने 291 झुग्गी एवं सेवा बस्तियों में मनाया रक्षा बंधन पर्व

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा के साथ ही पार्टी सांसदों, विधायकों, पार्षदों, प्रदेश, जिला एवं मंडल पदाधिकारियों, वरिष्ठ नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने आज दिल्ली की 291 झुग्गी एवं सेवा बस्तियों में हर्षोल्लास के साथ रक्षा बंधन का पर्व मनाया।

दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने पूर्वी दिल्ली में एन.एच. 24 पर स्थित विनोद नगर की सेवा बस्ती नेहरु कैम्प की बहनों के साथ रक्षा बंधन का पर्व मनाया। इस मौके पर श्री सचदेवा ने बहनों को मिठाई खिलाई और सांकेतिक उपहार दिये। वीरेन्द्र सचदेवा ने कहा कि रक्षा बंधन के अवसर पर हर बार की तरह इस बार भी दिल्ली भाजपा के नेता कार्यकर्ता दिल्ली की झुग्गी बस्तियों में रहने वाले भाई-बहनों के बीच पहुंचकर उनके साथ रक्षा बंधन का पर्व मना रहे हैं। झुग्गी वालों का पहले से ही हमें प्यार मिलता रहा है और हम रिश्तों को और सुदृढ करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि रक्षा बंधन का त्योहार भाई बहनों का त्योहार है और दिल्ली की झुग्गी एवं पुनर्वास बस्तियों में रहने वाले भाई-बहनों के जीवन को सुधारने के लिए भाजपा पहले भी आवाज उठाती रही है और आगे भी उठाती रहेगी। सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी ने जे.जे. कैम्प प्रसाद नगर, बदरपुर में झुग्गी क्लस्टर की बहनों के साथ सामूहिक रक्षा बंधन पर्व मनाया।

सांसद एवं प्रदेश महामंत्री योगेन्द्र चंदोलिया ने संजय कैम्प समयपुर बादली में झुग्गी क्लस्टर की बहनों के साथ सामूहिक रक्षा बंधन पर्व मनाया। नई दिल्ली से सांसद बांसुरी स्वराज ने आज अर्जुन दास कैम्प लक्ष्मीबाई नगर में झुग्गी क्लस्टर के भाई बहनों के साथ सामूहिक रक्षा बंधन पर्व मनाया। सांसद प्रवीन खंडेलवाल ने पश्चिम विहार डेरीवाला बाग झुग्गी झोंपड़ी क्लस्टर की बहनों के साथ रक्षा बंधन पर्व आज मनाया। विधान सभा में नेता प्रतिपक्ष विजेन्द्र गुप्ता ने आज सूरज पार्क वार्ड रोहिणी डी में सामूहिक रक्षा बंधन मनाया। दिल्ली नगर निगम में नेता प्रतिपक्ष सरदार राजा इकबाल सिंह ने किंग्सवे कैम्प झुग्गी क्लस्टर की बहनों के साथ रक्षा बंधन पर्व मनाया। एन.डी.एम.सी. उपाध्यक्ष सतीश उपाध्याय ने पहाड़ी बस्ती, ग्रीन पार्क की महिलाओं के साथ रक्षा बंधन उत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया।

एक नजर

शिक्षकों के पदों को भरने की मांग

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली विश्वविद्यालय में आरक्षित वर्ग के शिक्षकों के खाली पदों को भरने के लिए विशेष अभियान चलाने की मांग कुलपति से की गई है। शिक्षक संगठन फोरम ऑफ एकेडमिक्स फॉर सोशल जस्टिस ने कहा कि प्रोफेसर काले कमेटी की उपेक्षा कर-के कॉलेजों में प्रिंसिपल पदों पर नियुक्ति हो रही है। दिल्ली विश्वविद्यालय ने प्रिंसिपल पदों पर रोस्टर नहीं बनाया है। फोरम के चेयरमैन डॉ. हंसराज सुमन और महासचिव प्रोफेसर केपी सिंह ने दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति को लिखे पत्र में कहा है कि जिन कॉलेजों ने अपने यहां शिक्षक पदों की भर्ती प्रक्रिया पूर्ण कर ली है वहां के प्रधानाचार्यों को एक सर्कुलर जारी करके सख्त निर्देश दिए जाएं कि वे प्रिंसपल पदों पर आरक्षण और रोस्टर रजिस्टर तैयार कर-के उन्हें भरें।

आईपी यूनिवर्सिटी में फार्मा के लिए 27 अगस्त तक आवेदन का अवसर

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपी यूनिवर्सिटी के एम॰ फार्मा, डी. फार्मा और लैटरल एंट्री टू बी. फार्मा प्रोग्राम में दाखिले के लिए 27 अगस्त तक आवेदन किया जा सकता है। यह प्रोग्राम द्वारका कैम्पस स्थित सेंटर औफ एक्सलेन्स इन फार्मसूटिकल साइयन्स(सीईपीएस) में उपलब्ध है। ये तीनों प्रोग्राम पहली बार यूनिवर्सिटी द्वारा शुरू किए जा रहे हैं। इन तीनों प्रोग्राम के लिए ऑफलाइन आवेदन पत्र यूनिवर्सिटी की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं। इन आवेदन पत्र के साथ कुलसचिंव के पक्ष में निर्गत 2, 500 रुपए का बैंक ड्राफ़्ट विश्वविद्यालय सुविधा केंद्र में 27 अगस्त 4 बजे तक जमा कराने हैं। इस सेंटर के प्रमुख प्रो. ए.के. नरूला के अनुसार फार्मा इंडस्ट्री जिस तरह से ग्रोथ कर रही है इन प्रोग्राम की डिमांड हमेशा बनी रहेगी।

जामिया के शोधार्थी प्रखर श्रीवास्तव को फ्रांस की प्रतिष्ठित साइंस लैब में मिली नियुक्ति

नई दिल्ली, एजेंसी। जामिया मिल्लिया इस्लामिया के मनोविज्ञान विभाग के वरिष्ठ रिसर्च फेलो प्रखर श्रीवास्तव को फ्रांस की एनेसी बिहेवियरल साइंस लैब में रिसर्च कॉन्ट्रैक्टर के रूप में नियुक्त किया गया है। प्रो. समीना बानो के मार्गदर्शन में शोध कर रहे प्रखर ग्लोबल इंडेक्स ऑफ सोशल कनेक्शन के विकास में योगदान देंगे। वह अपने परिवार के साथ ग्रेटर नोएडा वेस्ट में रहते हैं। डॉ. हंस रोचा इजरमैन एवं मिगुएल सिलान के नेतृत्व में इस महत्वपूर्ण परियोजना का उद्देश्य संस्कृतियों में सामाजिक संबंध तथा एकाकीपन को बेहतर ढंग से समझना है, जिसमें वैश्विक दृष्टिकोणों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। भारत में इस परियोजना की शोध गतिविधियों हेतु प्रखर श्रीवास्तव जिम्मेदार होंगे। इस परियोजना के निष्कर्षों का उपयोग विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) तथा आर्थिक सहयोग एवं विकास संगठन (ओईसीडी) जैसे प्रमुख अंतरराष्ट्रीय संगठनों सहित व्यापक शोध समुदाय एवं हितधारकों हेतु एक पैमाना बनाने के उद्देश्य से किया जाएगा। विश्व भर में सामाजिक जुड़ाव से संबंधित वैश्विक नीतियों तथा प्रथाओं को प्रभावित करने की क्षमता इस पहल में है।

जलभराव के चलते कई जगह रेंगते रहे वाहन

नई दिल्ली, एजेंसी। रविवार को राजधानी के कई हिस्सों में हल्की बारिश के चलते जलभराव की समस्या देखने को मिली। पानी भरने के चलते इन जगहों से वाहन चालकों के लिए निकलना काफी मुश्किल हो गया और उन्हें जाम का सामना करना पड़ा। उत्तरी दिल्ली के आधा दर्जन से ज्यादा इलाकों में यह समस्या रही। जानकारी के अनुसार रविवार दोपहर हुई बारिश की वजह से मजनू का टीला स्थित चौधरी फतेह सिंह मार्ग पर पानी भर गया। इस वजह से ट्रैफिक पुलिस ने इस रास्ते को बंद कर दिया और उसकी जगह वैकल्पिक मार्गों पर वाहनों को भेजा गया। मजनू का टीला के पास भी सड़क के दोनों तरफ पानी भर गया, जिसे देर शाम तक पंप की मदद से निकालने का काम किया गया। आईटीओ के समीप भी बारिश की वजह से वाहनों की रफ्तार बेहद धीमी रही। रोहतक रोड पर मुंडका के पास सड़क के दोनों तरफ जल?भराव होने की वजह से यहां से वाहन चालकों के लिए निकलना बेहद मुश्किल भरा रहा। इस दौरान एक बाइक सवार भी गड्ढे में गिर गया। नजफगढ़-नांगलोई रोड पर भी जाम लगा रहा।

पटेल नगर के पास मालगाड़ी दुर्घटनाग्रस्त, छह घंटे तक रेल परिचालन बाधित

नई दिल्ली, एजेंसी। पटेल नगर रेलवे स्टेशन के पास रविवार तड़के मालगाड़ी का एक वैगन पटरी से उतर गया। किसी तरह का कोई जानी नुकसान नहीं हुआ, लेकिन लगभग छह घंटे तक इस लाइन पर रेल परिचालन बाधित रहा। रेलवे प्रशासन दुर्घटना के कारण की जांच कर रहा है। रविवार तड़के लगभग सवा तीन बजे पंजाब के लेहरा मुहब्बत से तुगलकाबाद जा रही खाली मालगाड़ी पटेल नगर के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इसका एक वैगन पटरी से उतर गया। वैगन के टकराने से ओएचई (ओवर हेड इलेक्टिसिटी इक्यूपमेंट) का खंभा क्षतिग्रस्त हो गया, जिससे इस रूट पर रेल परिचालन बाधित हो गया। दुर्घटना की सूचना मिलते ही रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। सुबह लगभग सवा नौ बजे दुर्घटनाग्रस्त वैगन को हटाने के साथ ही क्षतिग्रस्त ओएचई के खंभे को ठीक किया गया।

आईआईएम अहमदाबाद से ट्रेनिंग लेकर लौटे 48 एमसीडी स्कूल प्रिंसिपलों से शिक्षा मंत्री ने किया संवाद

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली सरकार के स्कूल की तरह ही अब दिल्ली नगर निगम के स्कूलों में भी शिक्षा क्रांति की शुरूआत हो चुकी है। इस दिशा में आईआईएम अहमदाबाद से पांच दिवसीय ट्रेनिंग लेकर लौटे एमसीडी स्कूलों के 48 प्रिंसिपलों से शिक्षा मंत्री आतिशी व मेयर शैली ओबरॉय ने संवाद किया। इस अवसर पर प्रिंसिपलों ने आईआईएम की अपनी लीडरशिप ट्रेनिंग, बच्चों को अच्छी शिक्षा देने और पैरेंट्स को शिक्षा में भागीदार बनाने समेत ट्रेनिंग में सीखे हर पहलुओं से जुड़े अनुभव साझा किए।

आतिशी ने कहा कि जब भी सरकारी स्कूल, वहां के टीचर्स-प्रिंसिपल्स की बात आती है तो पूरे देश की अवधारणा है कि वो उदासीन होते हैं। लेकिन मुझे खुशी है कि हमारे प्रिंसिपलों ने इस अवधारणा को तोड़ने का काम किया है। हमारे प्रिंसिपल अपने जोश, उत्साह और सकारात्मकता को अपने स्कूल के टीचर्स और बच्चों में भी फैलायेंगे। उन्होंने कहा

कि अरविंद केजरीवाल का मानना है कि जब तक शिक्षकों को वर्ल्ड क्लास एक्सपोजर नहीं मिलेगा तब तक वो बच्चों को वर्ल्ड क्लास शिक्षा नहीं दे सकते

इसलिए हमने एमसीडी स्कूलों के प्रिंसिपलों को आईआईएम में ट्रेनिंग के लिए भेजा है। ताकि वो वर्ल्ड क्लास ट्रेनिंग लें और फिर उसका इस्तेमाल अपने स्कूलों को बेहतर बनाने के लिए करें। उन्होंने कहा कि जिस तरह से शिक्षक-प्रिंसिपल हमारे लिए महत्वपूर्ण है और हम उनके लिए दुनिया की सबसे शानदार ट्रेनिंग का प्रबंध कर रहे हैं, ठीक उसी तरह हम चाहते हैं कि शिक्षक-प्रिंसिपल हमारे स्कूली बच्चों को भी शानदार शिक्षा दें। स्कूल में पढ़ने वाला हर बच्चा ये महसूस करे कि वो आपके लिए महत्वपूर्ण है और वो स्कूल आकर डरे नहीं बल्कि स्पेशल महसूस करें। आतिशी ने कहा कि जो बच्चे सरकारी स्कूलों में आ रहे हैं, उन्हें उनके शिक्षकों-प्रिंसिपलों के अलावा गाइड करने, आगे बढ़ने का मौका देने वाला कोई और नहीं है।

नरेला के युवाओं के लिए नशा विरोधी जागरुकता अभियान

नई दिल्ली, एजेंसी। नरेला विधानसभा के शाहपुर गढ़ी गांव में रविवार सुबह युवाओं को नशे से दूर रहने को प्रेरित करने के लिए एक विशेष मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया।

यह आयोजन नरेला के समाजसेवी सौरभ खत्री द्वारा आयोजित किया गया। आयोजन में दिल्ली भाजपा के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा और नवनिर्वाचित सांसद योगेंद्र चंदोलिया, बॉलीवुड के प्रसिद्ध अभिनेता विद्युत जामवाल सहित कई गणमान्य व्यक्तियों की विशेष उपस्थिति रही। नशे के विरोध में सौरभ खत्री ने सभी क्षेत्रवासियों का आभार प्रकट करते हुए कहा कि दो चरणों में आयोजित इस मैराथन के सात किलोमीटर की दौड़ में 11. हजार, सात हजार एवं पांच हजार रुपये की धनराशि क्रमशः पहला दूसरा एवं तीसरे स्थान पर रहे प्रतिभागियों को दी गयी। इसके साथ ही तीन किलोमीटर की दौड़ में भाग ले रहे प्रतिभागियों को भी सांत्वना पुरुस्कार दिया गया। यह मैराथन दौड़ भारत के

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'खेलो इंडिया' और 'फिट इंडिया' अभियान के अंतर्गत नरेला के समाजसेवी सौरभ खत्री का एक सराहनीय प्रयास है। इस आयोजन के माध्यम से नरेला के युवाओं को स्वस्थ और फिट रहने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

बिधूड़ी ने किया दक्षिण दिल्ली में 8 करोड़ के विकास कार्यों का उद्घाटन

नई दिल्ली, एजेंसी। दक्षिण दिल्ली से भाजपा सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी ने आज अपने संसदीय क्षेत्र की विभिन्न कॉलोनियों और गांवों में 8 करोड़ रुपए से अधिक की लागत के विकास कार्यों का शुभारंभ किया। उन्होंने क्षेत्र को अगले छह महीने में मिलने वाली विश्वस्तरीय सुविधाओं की भी घोषणा की।

बिधूड़ी ने बदरपुर विधानसभा क्षेत्र में बीआईडब्ल्यू कैंप की गलियों में निर्माण कार्यों का उद्घाटन किया। उन्होंने ताजपुर गांव की डिस्पेंसरी वाले बारातघर के सौंदर्यीकरण के कार्य की भी शुरूआत की। इस अवसर पर आरडब्ल्यूए के प्रतिनिधि भी मौजूद थे। ताजपुर गांव की सड़कों और नालियों के निर्माण कार्य की भी बिधूड़ी ने शुरूआत की जिससे इलाके के लोगों को बड़ी राहत मिलेगी। इसके अलावा उन्होंने मोलड़बंद गांव की सड़कों व नालियों और मीठापुर गांव की सड़कों व नालियों के निर्माण कार्यों की भी शुरूआत की। गगन विहार बारातघर के लिए रोड की जरूरत महसूस की जा रही थी। इस रोड के निर्माण कार्य का भी उन्होंने उद्घाटन किया। हरीनगर गांव की सड़क और नालियों के निर्माण कार्य की भी शुरूआत रविवार से हो गई। इसके अलावा उन्होंने प्रसाद नगर जेजे कैंप में जनसुविधा परिसर के निर्माण कार्य को भी शुरू किया। इस अवसर पर बिधूड़ी ने बताया कि बदरपुर विधानसभा क्षेत्र के मीठापुर चौक से 6 लेन के नेशनल हाईवे, फ्लाई ओवर, आगरा-गुड़गांव केनाल रोड के फ्लाई ओवर और दुनिया के सबसे बड़े इको पार्क का निर्माण कार्य अंतिम चरणों में है।

संगीतमय कार्यक्रम आप आए बहार आई" का आयोजन लाजपत भवन ओडिटोरिम में हुआ

नई दिल्ली, एजेंसी। मधुर म्यूजिक ग्रुप द्वारा प्रस्तुत और नीरज गुप्ता द्वारा आयोजित संगीतमय कार्यक्रम आप आए बहार आई का आयोजन मूलचंद स्थित लाजपत भवन के ओडिटोरिम में किया गया, जिसमे दिल्ली और एनसीआर के अनेक सुरीले गायक-गायिकाओं ने हिस्सा लिया और अपनी मधुर गायकी से संगीत प्रेमियों को मत्रमुग्ध किया। इस लाइव संगीतमय कार्यक्रम में जिन गायक-गायिकाओं ने भाग लिया उनमें अरुण गोयल, प्रदीप प्रभाकरन, भुवना, जय कुमार, अरविंद, अनन्त त्रिपाठी, शंकर लाल, सुभाष गुप्ता, राजन अय्यर, अर्जुन महर्षि, खुशी सिंह, अतुल, अनिमेष भट्टाचार्य, सुजाता, एम के कामरा आदि के नाम शामिल है। शो की एंकरिंग मंजू त्रिपाठी ने की और म्यूजिक डिजाइनर नीरज गोस्वामी थे। अनिल बंसल, मनोज भल्ला, राजेश जैन, विमल मानुजा, के एस सेठी, डॉ विनोद आनंद, सुभाष भाटिया,आदि उपस्थित थे।

एम्स के न्यूरो सर्जन ने की खुदकुशी, छह महीने पहले ही पूरी की थी पढ़ाई

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के न्यूरो सर्जन ने खुदकुशी कर ली है। जानकारी के मुताबिक न्यूरो सर्जन ने पारवारिक कलह की वजह से यह कदम उठाया। वह दिल्ली के गौतम नगर इलाके में रहते थे। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, मृतक की पहचान डॉक्टर राज घोनिया के तौर पर हुई है। उन्होंने छह महीने पहले एम्स से न्यूरो सर्जरी (एमसीएच) की पढ़ाई पूरी की थी। घटना के बाद घोनिया को एम्स के इमरजेंसी में लाया गया, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। जानकारी के मुताबिक, डॉ. राज घोनिया की पत्नी सर गंगाराम अस्पताल में माइक्रोबायोलोजिकल विभाग में कार्यरत हैं। वह 16 जुलाई को राजपुर गुजरात गई थीं। जब उन्होंने पति को फोन किया तो उन्होंने रिसीव नहीं किया। इसके बाद उन्होंने सेकेंड फ्लोर पर रहने वाली डॉक्टर आकांक्षा को फोन कर बताया कि उनके पति फोन नहीं उठा रहे हैं। तब जाकर हादसे की सूचना मिली। सुसाइड नोट में लिखा- यह मेरी इच्छा थी डॉक्टर राज 15 दिन पहले ही यूएस से ट्रेनिंग करके लौटे थे। उन्होंने सुसाइड नोट चिपकाया था। इसमें लिखा था- "यह मेरी इच्छा थी। मैं इस गलती के लिए किसी को दोषी नहीं मानता हूं। कृपया इसके लिए किसी को प्रताड़ित नहीं किया जाना चाहिए। कृपया मेरी इच्छा का सम्मान करें। खुश रहें। राज घोनिया।" फ्लैट से मिला सुसाइड नोट दिल्ली पुलिस ने बताया कि एम्स में काम करने वाले एक डॉक्टर ने दवा के ओवरडोज लेकर आत्महत्या कर ली।

सांसद डॉ. महेश शर्मा ने किया नोएडा मीडिया क्लब की पत्रकार फोटो प्रदर्शनी का उद्घाटन

ऋषि तिवारी

नोएडा। नोएडा मीडिया क्लब द्वारा आयोजित पत्रकार फोटो प्रदर्शनी का आज सांसद डॉ. महेश शर्मा द्वारा भव्य उद्घाटन किया गया। इस विशेष अवसर पर डॉ. महेश शर्मा ने विभिन्न पत्रकारों द्वारा खींची गई तस्वीरों का अवलोकन किया और उनकी कला की प्रशंसा की। इस प्रदर्शनी में नोएडा दिल्ली एनसीआर के 24 फोटो जर्नलिस्ट द्वारा कैद किए गए समाज, राजनीति, और संस्कृति के विविध पहलुओं को उजागर करने वाली छवियों को प्रदर्शित किया गया है। डॉ. महेश शर्मा ने पत्रकारों की इस अभूतपूर्व रचनात्मकता और समाज के प्रति उनकी प्रतिबद्धता की सराहना की।

डॉ. महेश शर्मा ने अपने संबोधन में कहा, "पत्रकारिता लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है, और इस प्रदर्शनी के माध्यम से हमें समाज के विभिन्न पहलुओं को देखने का अवसर मिलता है। इन तस्वीरों में न केवल खबरें हैं, बल्कि समाज का प्रतिबिंब भी है।" भाग लेंगे दिल्ली एनसीआर के 24 फोटोजर्नलिस्ट नाम सौरभ राय, ईश्वर चन्द, सुनील घोष,मनोहर त्यागी, सुशील अग्रवाल, प्रमोद शर्मा, रमेश शर्मा,रवि यादव, अमित शुक्ला,लाल सिंह, राजन राय,अभिनव चौधरी, वीरेंद्र सिंह,नीरज कुमार, विजय पांडे,सतीश कौशिक,राउल ईरानी, राजवंत रावत,हिमांशु सिंह,श्रीकांत सिंह,हरीश त्यागी,एन के दास,चंद्रदीप कुमार के आसिफ प्रदर्शनी में उपस्थित वरिष्ठ पत्रकारों ने की इस कला और दृष्टिकोण की भरपूर प्रशंसा की।

पूर्व फोटो एडिटर एसएन सिन्हा पूर्व फोटो एडिटर संदीप शंकर, विजुअल डायरेक्टर इंडिया टुडे निलंजन दास,पूर्व फोटो एडिटर जगदीश यादव,पूर्व फोटो एडिटर रवि बत्रा,ने फोटो प्रदर्शन का अवलोकन करते हुए सभी फोटो की भरपूर प्रशंसा की साथ ही उन्होंने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम होते रहना चाहिए। इस अवसर पर विनोद शर्मा (वरिष्ठ पत्रकार), अनिल चौधरी (वरिष्ठ पत्रकार), मोहम्मद आजाद(वरिष्ठ पत्रकार), पंकज पाराशर (वरिष्ठ पत्रकार) रिंकू यादव (कार्यालय अध्यक्ष नोएडा मीडिया क्लब) इकबाल चौधरी (वरिष्ठ पत्रकार), जेपी सिंह (वरिष्ठ पत्रकार), हरवीर चौहान (वरिष्ठ पत्रकार), मोहम्मद बिलाल, अरुण सिन्हा, मुकेश शर्मा वरिष्ठ पत्रकार भी उपस्थित थे।

विधानसभा के चलते आदर्श आचार संहिता हुई लागू : जिलाधीश

फरीदाबाद, एजेंसी। जिलाधीश विक्रम सिंह ने कहा कि हरियाणा विधानसभा के आगामी आम चुनाव 2024 के मद्देनजर आदर्श आचार संहिता लागू की गई है। कोई भी ऐसी ताकत जो फरीदाबाद जिले के भीतर शांति को अस्थिर करेगी और अनधिकृत रैलियों, धरनों के आयोजन की योजना बनाकर और अन्य आंदोलन विधियों का सहारा लेकर आदर्श आचार संहिता के दिशानिर्देशों/निदेशों का उल्लंघन करने की कोशिश करेगी, ऐसी परिस्थिति उत्पन्न होने से रोकने तथा कानून एवं व्यवस्था बनाए रखने के लिए जिला फरीदाबाद की सीमा में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 के तहत निहित शक्तियों का प्रयोग करते हुए आदेश जारी किए जाते हैं कि सभी राजनीतिक दल और उम्मीदवार या व्यक्ति प्रशासन द्वारा जारी नियमों व शर्तों का पालन करेंगे। फरीदाबाद जिले की सीमा के भीतर यह आदेश 16.08.2024 को शून्य काल से 06.10.2024 तक की अवधि के लिए लागू रहेंगे। नियमों की अवहेलना किए जाने पर नियमानुसार सख्त कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने कहा कि हरियाणा विधान सभा के आम चुनाव 2024 के दौरान और वैध रूप से नियोजित व्यक्तियों को किसी भी बाधा, परेशानी या चोट से बचने के लिए और मानव जीवन और संपत्ति को खतरे में डालने, सार्वजनिक शांति और सौहार्द को भंग करने और दंगों और झगड़े का कारण बनने से रोकने तथा भारत के चुनाव आयोग द्वारा जारी आदर्श आचार संहिता के निदेशों के उल्लंघन करने को रोकने के लिए सभी राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों और सभी व्यक्तियों को नियमों और शर्तों की पालन सुनिश्चित करनी होगी। जैसे कि कोई भी पार्टी या उम्मीदवार या व्यक्ति किसी भी ऐसी गतिविधि में शामिल नहीं होगा जो मतभेदों को बढ़ाए या आपसी नफरत पैदा करे या विभिन्न जातियों और समुदायों, धार्मिक या भाषाई के बीच तनाव पैदा करे। अन्य राजनीतिक दलों की आलोचना, जब की जाती है, तो उनकी नीतियों और कार्यक्रम, पिछले रिकॉर्ड और काम तक ही सीमित होगी। पार्टियां और उम्मीदवार किसी भी व्यक्ति के निजी जीवन के सभी पहलुओं की आलोचना से परहेज करेंगे, जो अन्य दलों के नेताओं या कार्यकताओं की गतिविधियों से जुड़े नहीं हैं। असत्यापित आरोपों या विरूपण के आधार पर अन्य दलों या उनके कार्यकताओं की आलोचना से बचा जाएगा। वोट हासिल करने के लिए जाति या सांप्रदायिक भावनाओं का सहारा नहीं लिया जाएगा। मस्जिद, चर्च, मंदिर या अन्य पूजा स्थलों का इस्तेमाल चुनाव प्रचार के लिए मंच के रूप में नहीं किया जाएगा। सभी दल और उम्मीदवार उन सभी गतिविधियों से पूरी ईमानदारी से दूर रहेंगे जो चुनाव कानून के तहत भ्रष्ट आचरण और अपराध हैं, जैसे मतदाताओं को रिश्वत देना, मतदाताओं को डराना, मतदाताओं का प्रतिरूपण करना, मतदान केंद्रों के 100 मीटर के भीतर प्रचार करना, मतदान समाप्ति के लिए निर्धारित समय के साथ समाप्त होने वाली 48 घंटों की अवधि के दौरान सार्वजनिक

विश्व हिन्दू परिषद ने मनाया अखंड भारत संकल्प दिवस

ऋषि तिवारी

नोएडा। सेक्टर 12 नोएडा के 18 अगस्त रविवार को विश्व हिन्दू परिषद, बजरंग दल नोएडा महानगर ने अखंड भारत संकल्प दिवस के शुभ अवसर पर भव्य कार्यक्रम का भाऊराव देवरस विद्या मन्दिर में आयोजन किया गया है जिसमें नोएडा महानगर में रहने वाले सभी पदाधिकारी और कार्यकताओं ने बहुत जोश के साथ भाग लिया, इस कार्यक्रम में विश्व हिंदू परिषद के प्रांत मंत्री राजकुमार डूंगर मुख्य वक्ता रहे, उन्होंने सभी कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा आज समय की मांग को देखते हुए हिन्दुओं को संगठित रहना होगा और भारत को अखंड भारत बनाने के लिए निरंतर कार्य करना होगा, भारत और सनातन के दुश्मनों ने पूर्व में हमारे भारत के जो टुकड़े किए थे, अब उनको वापस भारत से जोड़ कर अखंड भारत बनाना होगा. सभी कार्यकताओं ने जय श्री राम के लगातार नारे लगाते हुए अखंड भारत बनाने का संकल्प लिया। इस कार्यक्रम का मंच संचालन महानगर संयोजक सुमित यादव ने किया, कार्यक्रम में विभाग संयोजक ललित भारद्वाज, महानगर मंत्री दिनेश महावर, सह मंत्री राजीव शर्मा, प्रवेश द्विवेदी, उपाध्यक्ष सत्य वीर सिंह, अनुराधा सक्सेना, धर्म प्रसार प्रमुख जितेन्द्र कुमार, मातृशक्ति संयोजिका अल्पना तोमर, सह संयोजिका रूबी चौहान सहित अन्य अधिकारी विभाग और महानगर के अधिकारियों के साथ सैकड़ों कार्यकताओं ने भाग लिया और कार्यक्रम के दौरान हर हर महादेव, जय श्री राम के नारे लगाते हुए कार्यकताओं का जोश देखते ही बनता था और ऐसा साफ प्रतीत हो रहा था कि हिंदू अब अखंड भारत बनाने को जाग्रत हो गया है।

डीएम एवं अतिरिक्त पुलिस आयुक्त की संयुक्त अध्यक्षता में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

गाजियाबाद, एजेंसी। जी.जी.आई.सी विजयनगर में डीएम इन्द्र विक्रम सिंह एवं अतिरिक्त पुलिस आयुक्त श्रीमती कल्पना सक्सेना की संयुक्त अध्यक्षता में आरक्षी नागरिक पुलिस के पदों पर सीधी भर्ती-2023 की लिखित पुर्न परीक्षा के सम्बंध में सैक्टर मजिस्ट्रेटों और सैटिक मजिस्ट्रेटों का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण के दौरान बताया कि आरक्षी नागरिक पुलिस के पदों पर सीधी भर्ती-2023 की लिखित पुनर्परीक्षा 23, 24, 25, 30 व 31 अगस्त 2024 को होनी प्रस्तावित है, जिन्हें पूर्ण पारदर्शिता, नकलविहीन, सकुशल सम्पन्न कराने के क्रम में तैयारियां की जा रही हैं।अतिरिक्त पुलिस आयुक्त श्रीमती कल्पना सक्सेना ने कहा कि परीक्षा से सम्बंधित सभी अधिकारी अपने दायित्वों के सम्बंध में निर्देश पुस्तिका को ध्यानपूर्वक सही से पढ़ लीजिए, यदि कोई बात समझ में नहीं आ रही हो तो सम्बंधित अधिकारी से सम्पर्क कर पूछ लीजिएगा।

इसके साथ ही अपने-अपने दायित्वों को सकुशल सम्पन्न करने हेतु एक बार रिहर्सल (पूर्वाभ्यास) जरूर करें। डीएम इन्द्र विक्रम सिंह ने कहा कि परीक्षा से सम्बंधित कोई भी कार्य निर्देश पुस्तिका के अनुसार ही करना है, उसमें किसी भी प्रकार का कोई बदलाव नहीं हैं।

इसलिए सम्बंधित अधिकारियों को निर्देश पुस्तिका में दिये अपने दायित्वों को ध्यान से पढ़ना है, समझना है, याद रखना है और उसका स्थलीय पूर्वाभ्यास करते हुए पालन करना है, जिससे कि उक्त परीक्षाएं पूर्ण पारदर्शिता, नकलविहीन सकुशल सम्पन्न की जा सके,कार्यक्रम में मुख्य रूप से एडीएम ई रणविजय सिंह, पुलिस आयुक्त नगर राजेश कुमार, केन्द्रीय आब्र्जवर अमित कुमार, एसडीएम अरूण दीक्षित, सहायक पुलिस आयुक्त प्रिया श्रीपाल, सहायक पुलिस आयुक्त सलोनी अग्रवाल, जिला विद्यालय निरीक्षक धमेन्द्र शर्मा, शम्भू दयाल इन्टर कॉलेज प्रधानाचार्य देवेन्द्र कुमार, जी.जी.आई.सी. प्रधानाचार्या डॉ. विभा चौहान, सम्बंधित अधिकारी/कर्मचारीगणों सहित सैक्टर मजिस्ट्रेट और सैटिक मजिस्ट्रेट उपस्थित रहे।

एक नजर

पीसीएल के ब्रांड एंबेसडर नियुक्त हुए जोंटी रोड्स

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। प्रो क्रिकेट लीग (पीसीएल) के पहले संस्करण के लिए दक्षिण अफ्रीका के पूर्व बल्लेबाज और दिग्गज फील्डर जोंटी रोड्स को ब्रांड एंबेसडर नियुक्त किया गया है। पीसीएल का पहला सत्र ग्रेटर नोएडा के शहीद विजय सिंह पथिक स्पोर्ट्स कांप्लेक्स के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैदान पर 20 सितंबर से 12 अक्तूबर के बीच खेला जाएगा। पीसीएल के प्रबंध निदेशक और संस्थापक सचिन गुप्ता ने कहा कि हम जोंटी रोड्स को पीसीएल का ब्रांड एंबेसडर बनाकर काफी रोमांचित हैं। रोड्स के जुड़ने से क्रिकेट के माहौल को मजबूती मिलेगी।

फरीदाबाद में अस्पताल में लापरवाही से नवजात बच्ची की मौत

फरीदाबाद, एजेंसी। फरीदाबाद के तीन नंबर स्थित निजी प्राची अस्पताल में डिलीवरी के बाद नवजात बच्ची की अस्पताल में हुई लापरवाही के चलते मौत हो गई। शिवानी की डिलीवरी कराने के लिए प्राची अस्पताल गई थी, जहां शनिवार को शिवानी ने ऑपरेशन के बाद एक स्वस्थ बच्ची को जन्म दिया। बच्ची का वजन लगभग 3.30 किलो था। वह सही से हाथ पांव चला रही थी, देखने में बिल्कुल स्वस्थ लग रही थी। शिवानी की सास ने बताया कि डिलीवरी होने के बाद उन्होंने ऑपरेशन के 40 हजार रुपए जमा कराए, लेकिन डॉक्टर ने ऑपरेशन होने की बात कह कर उन्हें कहा कि एक-दो दिन अभी बच्ची को आईसीयू में रखना पड़ेगा।

इसके बाद उसे छुट्टी दे दी जाएगी। शिवानी की सास जब शनिवार को कई बार बच्ची को देखने के लिए गई, तो अस्पताल के स्टाफ ने उन्हें बच्ची को देखने नहीं दिया। बच्ची रो रही थी,उन्होंने कहा कि बच्ची भूखी हो सकती है, उसे दूध पिलाया जाए लेकिन अस्पताल के स्टाफ ने यह कहकर उन्हें डांट दिया कि ये उनकी जिम्मेदारी है। आज सुबह जब बच्ची को देखने के लिए गए तो उन्हें बताया गया कि उनकी बच्ची की मौत हो चुकी है। शिवानी की सास चाहती हैं कि इस मामले में पुलिस बच्ची के इलाज में लापरवाही बरतने वाले स्टाफ और डॉक्टर के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई करे।

आईटीआई में 20 अगस्त तक होंगे दाखिले

नोएडा, एजेंसी। औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) में 20 अगस्त तक दाखिले होंगे। चयनित छात्र निर्धारित समय में दाखिला सुनिश्चित करा सकते हैं। जिला आईटीआई के नोडल व सेक्टर- 31 स्थित राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान के प्रधानाचार्य यज्ञ देव सिंह ने बताया कि राज्य व्यावसायिक प्रशिक्षण परिषद ने प्रथम चरण में प्रवेश के लिए परिणाम जारी किए हैं। इसके जरिये ही सरकारी व निजी आईटीआई में दाखिले होंगे।

गाजियाबाद में पिंकी चौधरी को राखी बांधने जेल पहुंचीं महिलाएं, पुलिस ने रास्ते में रोका

गाजियाबाद, एजेंसी। डासना जेल में बंद हिन्दू रक्षा दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष पिंकी चौधरी को राखी बांधने के लिए देश के कोने-कोने से महिलाएं जिला कारागार पहुंची। लेकिन कारागार की सीमा में घुसने से पहले ही पुलिस ने इन महिलाओं को रोक दिया। डिप्टी जेलर निखिल त्रिपाठी को राखी बांधी। बीते दिनों गाजियाबाद में झुग्गी-झोपड़ी डालकर रह रहे शाहजहांपुर के मजदूरों को बांग्लादेशी बताकर पीटने वाले हिन्दू रक्षा दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष पिंकी चौधरी को देशभर से आई महिलाएं जेल राखी बांधने पहुंचीं। लेकिन उससे पहले ही पुलिस ने इन सैकड़ों महिलाओं को बीच रास्त में रोक दिया। मसूरी स्थित डासना जिला कारागार पर सैकड़ों महिलाएं जेल में बंद पिंकी चौधरी को राखी बांधने पहुंचे। मगर पुलिस ने सभी को जेल की सीमा पर रोक दिया। इसमें कुछ पुरूष भी शामिल थे। डिप्टी जेलर को बाहर बुलाकर पिंकी चौधरी की पत्नी और दो बेटियों के साथ प्राची सक्सेना जिलाध्यक्ष महिला मोर्चा ने डिप्टी जेलर निखिल त्रिपाठी को राखी बांधी।

फरीदाबाद में रहस्यमय परिस्थितियों में हुई सिक्योरिटी गार्ड की मौत

फरीदाबाद, एजेंसी। फरीदाबाद जिला में संदिग्ध परिस्थितियों में 60 वर्षीय व्यक्ति की डीएसवाई फोर्स में सिक्योरिटी गार्ड की मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने पर मौके में पहुंची पुलिस ने व्यक्ति के शव को पोस्टमॉर्टम करवाने के लिए सिविल अस्पताल भिजवा दिया। झाड़सेतली के पास सेक्टर 59 स्थित डीएसवाई फोर्स कंपनी में काम कर रहे 60 वर्षीय व्यक्ति की रविवार को संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। करीब 2 घंटे बाद कंपनी में दूसरे मजदूरों ने उसे मृत अवस्था में देखकर पुलिस को सूचित किया। इसके बाद सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए सिविल अस्पताल भिजवा दिया है। मृतक व्यक्ति कपूर चंद गुप्ता के बेटा राहुल ने बताया कि बल्लभगढ़ के सेक्टर 3 के रहने वाले है। उसके पिता शनिवार रात 8 बजे घर से अपनी सिक्योरिटी गार्ड की नाईट ड्यूटी के लिए सेक्टर 59 स्थित कंपनी में गए हुए थे। सुबह 8 बजे उनकी छुट्टी हो जाती है, लेकिन जब रविवार सुबह 9 बजे तक घर नहीं पहुंचे, तो उन्हें फोन किया गया, लेकिन फोन नहीं उठाया। बाद में जब दूसरे किसी व्यक्ति को फोन करके वहां चेक करने के लिए बोला, तो पता चला कि उनकी कंपनी के गार्ड रूम में मौत हो चुकी है।

अपना घर आश्रम में रक्षाबंधन का पर्व बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया

ऋषि तिवारी

नोएडा। रविवार को युवा क्रांति सेना और विद्या फाउंडेशन के तत्वावधान में सेक्टर 34 स्थित अपना घर आश्रम में रक्षाबंधन का पर्व बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया जिसमें नोएडा के एडीसीपी मनीष मिश्रा, एचआरडी ग्रुप के अध्यक्ष हर्ष राज द्विवेदी, युवा क्रांति सेना के अध्यक्ष अविनाश सिंह ने राखी बंधवाकर वहां रह रही महिलाओं को उनके घर तक पहुंचाने के लिए हर संभव प्रयास करने का आश्वासन भी दिया। एडीसीपी मनीष मिश्रा ने कहा कि नोएडा पुलिस महिलाओं

को उनके परिवार से मिलवाने और उनके पुनर्वास की मुहिम में युवा क्रांति सेना, विद्या फाउंडेशन और अपना घर आश्रम का हर संभव सहयोग करेंगे। हर्षराज द्विवेदी ने कहा कि यह सभी महिलाएं भी हमारे समाज का हिस्सा हैं जिनकी सुरक्षा और देखभाल हम सभी की जिम्मेदारी हैं। यह सभी महिलाएं हर विपरीत परिस्थिति में खुशी से जीवन जीने की प्रेरणा देती हैं। युवा क्रांति सेना के अध्यक्ष अविनाश सिंह ने कहा कि यह सिर्फ एक आयोजन ही नहीं बल्कि उन महिलाओं के जीवन में खुशियां लाने का एक प्रयास था, जो विभिन्न कारणों से अपने परिवारों से दूर हैं। इस पहल ने उनके जीवन में एक नई उम्मीद की किरण जगाई है। इस अवसर पर अपना घर आश्रम के बलराज गोयल, विद्या फाउंडेशन की अध्यक्षा आयशा चौहान, शालू गोयल, निरंजन, मयंक सिंह, हिमांशु सिंह आदि मौजूद थे।

हत्या के मामले में आरोपियों की गिरफ्तारी न होने से नाराज ग्रामीणों ने किया सड़क जाम

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। ग्रेटर नोएडा के कासना थाना क्षेत्र के लुकसर गांव में शनिवार शाम हुई युवक की हत्या के मामले में गिरफ्तारी न होने से नाराज ग्रामीणों ने शव को लेकर कासना में रोड जाम कर दिया। हत्या के कई घंटे बीत जाने के बाद भी आरोपियों की गिरफ्तारी न होने से ग्रामीण नाराज थे। जिम्स हॉस्पिटल से जब वह शव को लेकर चले तो उन्होंने कासना में ही शव को सड़क पर रख दिया और आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर जाम लगा दिया। मौके पर पहुंचे पुलिस अधिकारियों ने ग्रामीणों को आश्वासन देते हुए बताया कि जल्द आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। इसके बाद ग्रामीणों शव को लेकर लुकसर गांव चले गए। दरअसल, लुकसर गांव के रहने वाले नितिन को शनिवार शाम विनय ने फोन करके गांव के बाहर बुलाया जहां पर नितिन और विनय में किसी बात को लेकर विवाद हो गया। इसके बाद नितिन ने अपने साथियों के साथ मिलकर विनय को कई गोलियां मारी, जिसकी अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। जांच में पता चला कि दो दिन पहले नितिन और विनय की किसी बात को लेकर आपस में बहस हो गई थी। इसका बदला लेने के लिए नितिन ने अपने साथियों के साथ मिलकर इस हत्याकांड को अंजाम दिया और मौके से फरार हो गए। इस घटना के बाद परिजनों ने नितिन सहित पांच लोगों के खिलाफ शिकायत दी। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस दबिश दे रही है। ग्रामीणों का कहना है कि इतना समय बीत जाने के बाद भी पुलिस आरोपियों को गिरफ्तार नहीं कर पाई। जिसके चलते नाराज ग्रामीणों ने विनय के शव को कासना में रखकर आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग करते हुए रोड जाम कर दिया। इसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने परिजनों को समझने का प्रयास किया, लेकिन परिजन आरोपियों की गिरफ्तारी पर अड़े रहे।

इसके बाद डीसीपी ग्रेटर नोएडा साद मियां खान सहित अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे और उन्होंने परिजनों को आश्वासन दिया है कि जल्द आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

डीसीपी ने बताया कि पांच लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। उनकी गिरफ्तारी के लिए 7 टीमों का गठन किया गया है।

अपना घर आश्रम में एडीसीपी मनीष मिश्रा ने बंधवाई राखी, सुरक्षा का दिया भरोसा

नोएडा, एजेंसी। युवा क्रांति सेना और विद्या फाउंडेशन के तत्वावधान में सेक्टर-34 स्थित अपना घर आश्रम में रक्षाबंधन का पर्व बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया। जिसमें नोएडा के एडीसीपी मनीष मिश्रा, एचआरडी ग्रुप के अध्यक्ष हर्ष राज द्विवेदी, युवा क्रांति सेना के अध्यक्ष अविनाश सिंह ने राखी बंधवाकर महिलाओं को उनके घर तक पहुंचाने के लिए हर संभव प्रयास करने का आश्वासन भी दिया। अपना घर आश्रम का करेंगे सहयोग : एडीसीपी एडीसीपी मनीष मिश्रा ने कहा कि नोएडा पुलिस महिलाओं को उनके परिवार से मिलवाने और उनके पुनर्वास की मुहिम में युवा क्रांति सेना, विद्या फाउंडेशन और अपना घर आश्रम का हर संभव सहयोग करेंगे। हर्षराज द्विवेदी ने कहा कि यह सभी महिलाएं भी हमारे समाज का हिस्सा हैं, जिनकी सुरक्षा और देखभाल सभी की जिम्मेदारी हैं। यह सभी महिलाएं हर विपरीत परिस्थिति में खुशी से जीवन जीने की प्रेरणा देती हैं। उम्मीद की किरण युवा क्रांति सेना के अध्यक्ष अविनाश सिंह ने कहा कि यह सिर्फ एक आयोजन ही नहीं बल्कि उन महिलाओं के जीवन में खुशियां लाने का एक प्रयास था, जो विभिन्न कारणों से अपने परिवारों से दूर हैं। इस पहल ने उनके जीवन में एक नई उम्मीद की किरण जगाई है।

रक्षाबंधन पर भाइयों की कलाई में सजेगी सोने-चांदी से बनी राखियां, बढ़ी बाजार की रौनक

गाजियाबाद, एजेंसी। गाजियाबाद में रक्षाबंधन को लेकर बाजार सजे हुए हैं। गाजियाबाद के सभी प्रमुख बाजारों में राखियों की दुकानें सजीं हुईं हैं। इसी के साथ इस बार बहनों को सोने और चांदी की राखियां खूब पसंद आ रहीं हैं। सोने-चांदी की लाइट वेट राखियां बहनों के बजट में भी है। इसी कारण से बहने सोने-चांदी की राखी खरीदने से परहेज नहीं कर रही हैं। गाजियाबाद के सराफ नकुल वर्मा बताते हैं कि इस बार बाजार में चांदी की राखियों की कीमत 400 रुपये से लेकर 2000 रुपये तक हैं। वहीं सोने की राखियों का दाम 20 हजार से लेकर 25 हजार रुपये तक है। उन्होंने बताया कि इससे ऊपर अगर कोई अपनी मनपसंद राखी बनवाना चाहता है तो उसका भी इंतजाम किया हुआ है। उन्होंने कहा कि बहनों के बजट में होने के कारण सोने-चांदी के राखियों की मांग बढ़ गई है। सोने की राखी की लाइट वेट में होने के कारण कम दाम में हैं। सोने के धागे की भी राखियां बाजार में उपलब्ध हैं। गाजियाबाद में ज्वेलरी शोरूम में आधा ग्राम से लेकर चार ग्राम तक में सोने की राखी उपलब्ध हैं। जिसकी कीमत 7000 हजार से 25 हजार रुपये तक

चांदी की राखी भी इस बार अच्छी डिजाइनों में बाजार में उपलब्ध है। चांदी की राखी ब्रासलेट के डिजाइन में है। सोने-चांदी राखी खरीद रहीं बहनें नकुल वर्मा ने बताया कि साल दर साल सोने-चांदी की राखियों की मांग बढ़ती जा रही है।

उन्होंने बताया कि चांदी की राखी बांधना शुभ मानते है।

नोएडा में यूपी रोडवेज की बस ने स्कूटी में मारी टक्कर, चार घायल, ड्राइवर फरार

नोएडा, एजेंसी। रविवार सुबह थाना सेक्टर-58 क्षेत्र के सेक्टर- 62 में एक बड़ा हादसा हो गया। यूपी रोडवेज की बस ने स्कूटी में जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में स्कूटी पर सवार चार युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जिसमें एक की हालत स्थिति गंभीर बनी हुई है। हादसे के चलते काफी समय तक यातायात बाधित हो गया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर बस और स्कूटी को हटाकर यातायात को सुचारू रूप से चालू कर दिया है। घटना के बाद से आरोपी बस ड्राइवर फरार है। पुलिस उसकी तलाश कर रही है। पुलिस आयुक्त के मीडिया प्रभारी ने बताया कि यह हादसा रविवार सुबह 5:45 बजे उसे समय हुआ जब एक स्कूटी पर जा रहे युवकों को रोडवेज की बस में पीछे से टक्कर मार दी और स्कूटी को कुछ दूर तक खींचती ले गई।

फर्जी समिति बनाकर हड़प लिए लाखों रुपये, रिपोर्ट दर्ज

गाजियाबाद, एजेंसी। विजयनगर क्षेत्र में रेल नगर कल्याण समिति की 4.7 हेक्टेयर जमीन और मुआवजा हड़पने के लिए प्रवीण कुमार शर्मा नाम के व्यक्ति ने रेल नगर कल्याण सहकारी आवास समिति लिमिटेड के नाम से फर्जी समिति बना ली। इसी नाम का इस्तेमाल कर असली समिति की अधिग्रहित की गई जमीन को अपने नाम दर्ज करा ली और बैंक खाते में अपनी समिति का नाम शामिल करके 74 लाख रुपये का गबन कर लिया। असली समिति के अध्यक्ष मिथिलेश सिंह को इसकी जानकारी हुई तो उन्होंने पुलिस से शिकायत कर विजयनगर थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। प्रयागराज के रहने वाले रेल नगर कल्याण समिति के अध्यक्ष मिथिलेश सिंह ने बताया कि 1989 को उनकी समिति पंजीकृत हुई। विजयनगर के सिद्धार्थ विहार में समिति के सदस्यों के आवास के लिए 4.7 हेक्टेयर जमीन ली गई जो 1998 में आवास विकास के द्वारा अधिग्रहित कर ली गई। 1999 में प्रवीण कुमार शर्मा नाम के व्यक्ति ने उनकी समिति के नाम से मिलती जुलती रेल नगर कल्याण सहकारी आवास समिति लिमिटेड समिति बना ली। प्रवीण शर्मा इस समिति में सचिव बने और उन्होंने अधिग्रहण की गई जमीन को फर्जी तरीके से प्रशासन में जाकर अपनी समिति के नाम दर्ज करा लिया। उन्हें इसकी जानकारी हुई तो उन्होंने वर्ष 2000 में आपत्ति दर्ज की। प्रशासन ने इसकी जांच की तो 2014 में प्रशासन ने इसे फर्जी व गलत तरीका माना। मिथिलेश सिंह ने बताया कि समिति के नाम से नवयुग मार्केट स्थित इंडियन ओवरसीज बैंक में जो खाता है उसमें 80 लाख रुपये थे। आरोप है कि प्रवीण ने उसमें अपनी समिति के नाम बदलाव होने की बात कहकर बैंक में खाते में अपनी समिति को शामिल करा लिया और 74 लाख रुपये निकाल लिए। इसकी जानकारी हुई तो उन्होंने पुलिस से शिकायत की। मामले में एंटीफ्रॉड सेल की जांच के बाद मुकदमा दर्ज हुआ। उन्होंने बताया कि 2022 में उनकी समिति को नौ करोड़ रुपये मुआवजा मिला लेकिन मामला कोर्ट में चल रहा है कि जमीन 1998 में अधिग्रहण की गई और मुआवजा 2022 उस समय के दामों के हिसाब से दिया गया है। डीसीपी नगर राजेश कुमार ने बताया कि मामले में जांच की जा रही है।

संक्षिप्त खबरें

कांच फैक्टरी में लगी भीषण आग, जान बचाकर भागे मजदूर; लाखों का सामान जलकर राख

फिरोजाबाद । उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद में कांच की फैक्टरी में भीषण आग लग गई। आग लगते ही वहां पर काम कर रहे मजदूर जान बचाकर भाग निकले। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की छह गाड़ियों ने आग पर काबू पाया। आग लगने से लाखों रुपये का सामान जलकर राख हो गया।

घटना टूंडला थाना क्षेत्र के राजा का ताल की है। यहां के निवासी प्रदीप अग्रवाल की पंकज ग्लास के नाम से कांच की फैक्टरी है। इसमें कांच बोतल बनाई जाती हैं। रविवार दोपहर को मजदूर काम कर रहे थे। तभी अचानक फैक्टरी में आग लग गई। आग की घटना होते ही वहां काम कर रहे मजदूरों में हड़कंप मच गया। वह जान बचाकर बाहर की तरफ भाग निकले। आग लगने की घटना होते ही फैक्टरी स्वामी भी मौके पर पहुंच गए। उन्होंने फायर ब्रिगेड और पुलिस को घटना की जानकारी दी। मौके पर फिरोजाबाद शिकोहाबाद और टूंडला की फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर पहुंची और आग बुझाने का काम शुरू किया गया। करीब सवा घंटे तक के प्रयास के बाद आग पर काबू पाया जा सका। लेकिन, जब तक लाखों रुपये का सामान जलकर राख हो गया।

फैक्टरी स्वामी के मुताबिक आग शॉर्ट सर्किट की वजह से लगी है। घटना की सूचना पर विधायक मनीष असीजा भी मौके पर पहुंचे। चीफ फायर ऑफिसर सतेंद्र पांडेय ने बताया कि आग पर समय पर काबू पाया गया है। कोई हताहत नहीं हुआ है। जांच की जा रही है।

ट्रैक्टर की चपेट में आने से युवक की मौत, बाजार से घर लौटते समय रास्ते में हुआ हादसा

मैनपुरी। उत्तर प्रदेश के मैनपुरी में शनिवार की रात बाजार से वापस लौटते समय युवक ट्रैक्टर की चपेट में आ गया। हादसे में उसकी मौत हो गई। घटना की जानकारी पर पहुंची पुलिस ने घटना की जानकारी ली। खबर मिली तो घर में चीख पुकार मच गई। शोर सुनकर गांव के लोग एकत्र हो गए। ग्रामीण परेशान परिजन को ढांढस बंधाते रहे।

घटना बिछवां थाना क्षेत्र के गांव धारापुर की है। गांव निवासी योगराज उर्फ मुनीम (22) शनिवार को कस्बा बाजार खरीदारी के लिए गए थे। देर शाम को वह बाइक से वापस घर लौट रहे थे। बाइक जब गांव के पास पहुंची। तभी मार्ग से गुजर रहे ट्रैक्टर ट्राली की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद घटनास्थल पर लोग एकत्र हो गए।

धर्म परिवर्तन कराकर फंसे पंडित केके शंखधार, युवती ने लगाए गंभीर आरोप, एसएसपी से शिकायत

बरेली बरेली में पंडित केके शंखधार पर मारपीट कर जबरन धर्म परिवर्तन व शादी कराने के आरोप लगाए गए हैं। एक युवती ने आईएमसी के पदाधिकारियों के साथ एसएसपी आवास पहुंचकर शिकायत की। एसएसपी ने जांच का आश्वासन दिया है।

युवक ने कई बार युवती से संबंध बनाए। आरोपी 10 जुलाई को उसे बरेली लाया और रिश्तेदारी में ले जाने की बात कहकर अगस्त्य मुनि आश्रम में ले गया। वहां पंडित केके शंखधार और उनके साथी थे।

कमरे में बंद कर पीटने का आरोप

आरोप लगाया कि शंखधार ने उसकी पिटाई की और कमरे में बंद कर दिया। आरोपियों ने जबरन शादी कराई। किसी से कुछ कहने पर परिवार सहित जान से मारने की धमकी दी है।

अगस्त्य मुनि आश्रम के महंत पंडित केके शंखधार ने बताया कि हमारे पास वीडियो और सभी साक्ष्य मौजूद हैं। शादी कराने को वह लोग हमारे पास स्वयं आए थे, हम उन्हें जानते भी नहीं थे। बालिग होने के प्रमाणपत्र देखने के बाद विधिवत संस्कार कराए गए। पुलिस जांच करेगी तो साक्ष्य उपलब्ध करा देंगे।

आभूषण व्यापारी को गोली मारने वाले दो बदमाश मुठभेड़ में घायल, वारदात के 18 घंटे बाद धराए

वाराणसी। वाराणसी के करौंदी स्थित औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) के समीप आभूषण व्यापारी को लूट की नीयत से गोली मारने वाले दो बदमाश 18 घंटे बाद शनिवार की शाम पुलिस मुठभेड़ में डाफी टोल प्लाजा के पास से गिरफ्तार किए गए। दोनों के पैर में गोली लगी है और उपचार के लिए बीएचयू ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया है।

बदमाशों की पहचान चंदौली जिले के सैयदराजा थाना के पंचदेवरा गांव निवासी रुद्र प्रताप सिंह उर्फ चंदन सिंह और डोमरी गांव के मूल निवासी व पंचदेवरा स्थित ननिहाल में रहने वाले अंशू खरवार के रूप में हुई है। दोनों के पास से नाइन एमएम व .32 बोर की दो पिस्टल, चार कारतूस और वारदात में प्रयुक्त बाइक बरामद की गई है।नरायणपुर डाफी निवासी मनोज सेठ की आभूषण की दुकान सुसुवाही क्षेत्र में है। रोजाना की भांति मनोज शुक्रवार की रात 9:30 बजे अपनी दुकान बंद किए। इसके बाद वह बाइक से बटुकभैरव मंदिर में दर्शन-पूजन करने जा रहे थे। करौंदी स्थित आईटीआई के समीप पीछे से आए बाइक सवार दो बदमाशों ने मनोज को लक्ष्य कर तीन राउंड फायरिंग की। बदमाशों के असलहे से निकली गोली मनोज की बायीं बाह पर लगी थी।

डीसीपी काशी जोन गौरव बंशवाल ने बताया कि मनोज की दुकान से लेकर घटनास्थल के बीच के सीसी कैमरों की फुटेज खंगाली गई तो बदमाश अंशू और चंदन चिह्नित हुए। पुलिस दोनों की तलाश में जुटी थी। इसी बीच शाम के समय चितईपुर से लंका की तरफ जा रहे दोनों बदमाशों की सूचना पर लंका थानाध्यक्ष शिवाकांत मिश्र ने डाफी टोल प्लाजा के समीप घेराबंदी की। इस बीच बदमाशों का पीछा करते हुए चितईपुर थानाध्यक्ष संजय मिश्र व चौकी प्रभारी पंकज पांडेय और काशी जोन की क्राइम टीम के दरोगा शैलेंद्र सिंह भी पहुंचे। पुलिस से घिरते देख बदमाशों ने फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में अंशू के बाएं और चंदन के दाएं पैर में गोली लगी।

69000 शिक्षक भर्ती: डिप्टी सीएम केशव के बयान को अखिलेश ने बताया साजिश, एक्स पर हुए आमने-सामने

लखनऊ। 69000 शिक्षक भर्ती मामले में हाईकोर्ट के दिए गए निर्णय को अभ्यर्थियों के संघर्ष की जीत बताने वाले उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के बयान को सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने आड़े हाथों लिया है जिसके बाद उन्होंने सोशल साइट एक्स पर लिखा कि दर्द देने वाले, दवा देने का दावा न करें। इस पर केशव प्रसाद ने भी पलटवार किया है।

बता दें कि हाईकोर्ट ने शिक्षक भर्ती में आरक्षण नियमावली का पालन न करने पर सरकार द्वारा बनाई गई चयन सूची रद्द कर दी थी जिसके बाद से अखिलेश यादव यूपी सरकार पर लगातार हमलावर हैं। रविवार को अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया पर उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद पर तंज कसते हुए लिखा कि दर्द देनेवाले, दवा देने का दावा न करें !69000 शिक्षक भर्ती मामले में उत्तर प्रदेश के एक कृपा-प्राप्त उप मुख्यमंत्री जी का बयान भी साज़िशाना है। पहले तो आरक्षण की हकमारी में खुद भी सरकार के साथ संलिप्त रहे और जब युवाओं ने उन्हीं के खिलाफ लड़कर, लंबे संघर्ष के बाद इंसाफ पाया, तो अपने को हमदर्द साबित करने के लिए आगे आकर खड़े हो गये।

दरअसल ये कृपा-प्राप्त उप मुख्यमंत्री जी शिक्षक भर्ती के अभ्यर्थियों के साथ नहीं हैं, वो तो ऐसा करके भाजपा के अंदर अपनी राजनीतिक गोटी खेल रहे हैं। वो इस मामले में अप्रत्यक्ष रूप से जिनके ऊपर उँगली उठा रहे हैं, वो ह्यमाननीयह्न भी अंदरूनी राजनीति के इस खेल को समझ रहे हैं।

शिक्षा और युवाओं को भाजपा अपनी आपसी लड़ाई और नकारात्मक राजनीति से दूर ही रखे क्योंकि भाजपा की ऐसी ही सत्ता लोलुप सियासत से उत्तर प्रदेश कई साल पीछे चला गया है।

इस पर उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने जवाब दिया कि सपा बहादुर कांग्रेस मोहरा अखिलेश यादव का पीडीए बहुत बड़ा धोखा है। झूठ बोलने की आटोमैटिक मशीन बनी सपा लोकसभा चुनाव में जैसे संविधान खत्म हो जाएगा का दुष्प्रचार किया, उसी प्रकार पीडीए का झूठ फैला रहे हैं।

भाजपा ही वर्तमान भाजपा ही भविष्य, 2027 में 2017 दोहरायेंगे।...बता दें कि शिक्षक भर्ती में अभ्यर्थी लंबे समय से आरक्षण नियमों का पालन न करने का आरोप लगा रहे थे। इस मुद्दे पर कई याचिकाएं कोर्ट में दी गई थीं। शुक्रवार को इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने चयन सूची रद्द कर सरकार को नई सूची जारी करने के लिए तीन महीने का समय दिया है।

सोनभद्र में एनसीएल मुख्यालय में सीबीआई का छापा

सोनभद्र । एनसीएल मुख्यालय में रविवार को सीबीआई की टीम ने छापा मारा। जांच की जद में एनसीएल के दो बड़े अधिकारी व एक ठेकेदार आया है। सीबीआई की धमक से कोयला क्षेत्र में एक बार फिर हलचल बढ़ गई है। बताया जा रहा है कि जबलपुर से आई सीबीआई टीम द्वारा एनसीएल के दो उच्च अधिकारियों समेत एक ठेकेदार को लक्ष्य कर सुबह कार्रवाई शुरू की गई। अधिकारियों के आवास व कार्यालयों में मौजूद सीबीआई टीम ने दस्तावेज खंगालने का काम किया। अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो सका है टीम ने किस इनपुट पर कार्रवाई शुरू की है। एनसीएल मुखिया के सचिव व सुरक्षा विभाग में पदस्थ जिन अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई शुरू हुई है उनको लेकर कई तरह की चचाएं हैं। एनसीएल में सीबीआई की कार्रवाई कोई नई बात नहीं है, इसके पहले भी जबलपुर व लखनऊ टीम कई बार छापा मार चुकी है। लेकिन यह किसी को भी नहीं पता कि पहले की कार्रवाई में अंतिम परिणाम क्या आया।

जिस ठेकेदार के यहां कार्रवाई हुई है, उसका नाता एनसीएल की खदानों में संचालित विदेशी व देशी मशीनों के स्पेयर पार्ट्स सप्लाई से है। भरोसे के सूत्रों के दावों को खारिज नहीं करें तो कार्रवाई एनसीएल सीएमडी कार्यालय से कुछ अहम जानकारियां लीक करने के मामले को संज्ञान लेते हुए सीबीआई की टीम पहुंची है।

सीएम योगी, बोले- अयोध्या को बदनाम करने वाले दुष्कर्मियों के साथ खड़े

अयोध्या। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जिन्हें अयोध्या का विकास अच्छा नहीं लग रहा और जो इस नगरी से नफरत करते हैं, वे सोशल मीडिया पर दुष्प्रचार कर रहे हैं। इसके लिए फेक न्यूज चलाई जा रही है। सीएम योगी आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में आयोजित वृहद रोजगार मेले को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि अभी हाल ही में ऐसे लोगों ने ही यह दुष्प्रचार किया कि अयोध्या की 13000 एकड़ भूमि तीन लोगों को आवंटित कर दी गई जबकि ऐसा कोई आवंटन नहीं किया गया। इसी तरह धर्मपथ और रामपथ पर 3800 स्ट्रीट लाइट चोरी होने की सूचना प्रसारित की गई जबकि इन लाइटों को वेंडर ने लगाया ही नहीं था और पैसा निकालने के लिए साजिश रची थी। अब वेंडर शिकंजे में आ गया है। जल्द ही उसके आकाओं को भी शिकंजे में लिया जाएगा।अयोध्या को कटघरे में खड़ा करने के साथ ही साजिश के तहत बदनाम किया जा रहा है। यह वही लोग हैं जो दुष्कर्मियों के समर्थन में खड़े होते हैं। इन्हीं लोगों ने अयोध्या में निहत्थे लोगों पर गोलियां चलवाई थी। हर दुष्कर्मी और अपराधी को निर्दोष साबित करना इन लोगों ने अपना लक्ष्य बना लिया है। इन लोगों के साथ सद्भाव से नहीं सख्ती से पेश आया जाएगा। इस दौरान मुख्यमंत्री ने अपने हाथों से 13 छात्र-छात्राओं को टैबलेट और स्मार्टफोन का वितरण किया इसी कड़ी में 12 युवाओं को अपने हाथों से नियुक्ति पत्र प्रदान किया। सीएम योगी ने 78 करोड़ की परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास भी किया। समारोह में कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, व्यावसायिक शिक्षा मंत्री कपिल देव अग्रवाल, स्वास्थ्य मंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह, खेल मंत्री गिरीश यादव, खाद्य रसद राज्य मंत्री सतीश शर्मा और प्रमुख सचिव कार्मिक एम देवराज मौजूद रहे।

गांव का अस्तित्व मिटाने के लिए बेताब राप्ती नदी खुद अपना आशियाना तोड़कर जा रहे ग्रामीण

श्रावस्ती। राप्ती नदी श्रावस्ती जिले के नक्शे से जगरावलगढ़ी के मजरा टेंडवा गांव का नामोनिशान मिटाने के लिए बेताब है। गांव के निकट नदी के 90 डिग्री पर मुड़ी होने के कारण नदी की धारा सीधे गांव से टकरा रही है। गांव को कटान से बचाने के लिए विगत दिनों स्थानीय विधायक के साथ पहुंचे डीएम ने आश्वासन भी दिया था। इसके बावजूद उस पर अमल नहीं हुआ। ऐसे में ग्रामीण अपने हाथ अपना आशियाना तोड़ रहे हैं। इकौना के ग्राम जगरावल गढ़ी के मजरा टड़वा में बीते एक माह से राप्ती नदी कटान कर रही है। यहां करीब एक दर्जन मकान नदी की धारा में समाहित हो चुके हैं। वहीं, गांव के मुहाने पर मुड़ी राप्ती नदी की धारा गांव के बचे अस्तित्व को मिटाने में जुटी है। नदी अपने स्वभाव के अनुरूप टंडवा गांव के पास सीधे नब्बे डिग्री पर मुड़ गई है। इससे नदी की ठोकर से सैकड़ों बीघे कृषि भूमि को अपनी धारा में मिलाते हुए तेजी से गांव की ओर बढ़ रही है। ऐसे में लोगों के मकान नदी की

कटान के मुहाने पर आ गए हैं।इससे बचने के लिए लोग स्वयं अपने हाथ अपना आशियाना तोड़ कर ईंट व अन्य गृहस्थी का सामान निकालने में जुटे हैं। ग्रामीण संतोष कुमार ने बताया कि उसने तीन माह पूर्व ही पैसा एकत्र कर मकान बनवाया था। जिसे खुद ही अपने हाथों से तोडना पड़ रहा है। विगत दिनों विधायक रामफेरन पांडेय के साथ गांव आए डीएम अजय कुमार द्विवेदी ने कटान प्रभावितों को दूसरी जगह बसाने व सहूलियत देने का आश्वासन दिया था। जिस पर अब तक अमल नहीं हुआ।

इनके घर हैं कटान के मुहाने पर

टेंड़वा निवासी संदीप पुत्र राजकिशोर, रामगोपाल पुत्र सत्यनारायण, विनय पुत्र रामगोपाल, राजेंद्र व गोबरे पुत्रगण साधू, पवन पुत्र पृथ्वीनाथ, बबलू पुत्र राधिका, त्रिलोकी पुत्र केशव, अनूप पुत्र त्रिलोकी, अनिरुद्ध व गोविंद पुत्रगण गोपाल, मुंशी पुत्र मनोहर, महेश पुत्र छांगुर, विन्देश्वरी, अखिलेश, राजू व सचिन पुत्रगण राम नरेश, शिवकुमार पुत्र राम बुझारत सहित दो दर्जन मकान कटान के मुहाने पर है। जिसे तोड़कर ग्रामीण सामान समेटने में जुटे हैं। ग्राम प्रधान प्रतिनिधि महेश कुमार मिश्र ने बताया कि पैमाइश ना हो पाने से कटान प्रभावितों को जमीन उपलब्ध नहीं कराई जा सकी है। लोगों के रहने के लिए पंचायत भवन में व्यवस्था कराई गई है, जो पर्याप्त नहीं है। यदि बाढ़ आई तो समस्या बढ़ जाएगी।

शाहजहांपुर में सड़क हादसा: हाईवे पर गोवंश आने से पलटा पिकअप वाहन

शाहजहांपुर। शाहजहांपुर में लखनऊ-दिल्ली नेशनल हाईवे पर टोल प्लाजा के पास रविवार की सुबह सत्संगियों से भरा पिकअप वाहन गोवंश को बचाने के प्रयास में डिवाइडर पर चढ़कर पलट गया। हादसे में 20 सत्संगी घायल हो गए। इनमें तीन सत्संगियों की उपचार के दौरान मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक मुजफ्फरनगर से सीतापुर के नैमिषारण्य में होने वाले बाबा जयगुरु देव के सत्संग में शामिल होने के लिए सत्संगी पिकअप में सवार होकर जा रहे थे। मुजफ्फरनगर से पिकअप रात नौ बजे चली थी। सुबह करीब छह बजे टोल प्लाजा के पास गोवंश को बचाने के चक्कर में पिकअप अनियंत्रित होकर डिवाइडर पर चढ़कर पलट गया। उपचार के दौरान तीन घायलों की मौत

हादसा होते ही चीख-पुकार मच गई। हादसे में 20 सत्संगी घायल हो गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को राजकीय मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया। गंभीर रूप से घायल मुजफ्फरनगर जिले के थाना भोरप्पा के बिहारगढ़ निवासी राधेश्याम (50) ने दम तोड़ दिया।

इनके साथी लक्सर के गोविंदगढ़ निवासी विष्णु (80) और कलसिया गांव निवासी नेत्रपाल को बरेली रेफर किया गया। इन दोनों की भी उपचार के दौरान मौत हो गई। अस्पताल में बिहारगढ़ के मोरहना गांव निवासी मंगल का उपचार चल रहा है। बाकी को मामूली चोटें आने के चलते छुट्टी दे दी गई है।

मेडिकल स्टोर की आड़ में नशे का कारोबार पुलिस ने मारा छापा तो हुआ बड़ा खुलासा

बदायूं । बदायूं में शहर समेत देहात क्षेत्र तक के मेडिकल स्टारों पर नशे का कारोबार हो रहा है। इसकी शिकायत पुलिस को लगातार मिल रही थी। शहर में एसपी सिटी, सीओ सिटी ने शनिवार शाम सात बजे से छापामार कार्रवाई शुरू की। इस दौरान एक मेडिकल स्टोर संचालक विनोद युवाओं को नशे का इंजेक्शन लगाता मौके पर पकड़ा गया। पुलिस उसको थाने ले आई। जांच में सामने आया कि एक ही लाइसेंस से तीन मेडिकल स्टोर संचालित हो रहे हैं। कार्रवाई के दौरान बड़ी मात्रा में बरामद हुए नशे के इंजेक्शन व नशीली दवाओं सील कर दिया गया, लेकिन मेडिकल स्टोरों को सील नहीं किया जो शहर में चर्चा का विषय बना हुआ है।

सीओ सिटी आलोक मिश्रा ने बताया कि सिविल लाइंस थाना क्षेत्र में ओवरब्रिज के पास लक्ष्मी मेडिकल स्टोर पर नशे के इंजेक्शन बेचे जाने की सूचना मिली थी। एक

दिन पहले सादा वर्दी में पुलिसकर्मी को भेजकर इंजेक्शन मंगवाया भी गया। इसके बाद सिटी मजिस्ट्रेट समेत पुलिस बल लेकर वहां छापामारी की गई। भारी मात्रा में नशे के इंजेक्शन मिले। मेडिकल स्टोर के पास ही एक नाला है, जिसमें इस्तेमाल हो चुके इंजेक्शन भी पुलिस ने बरामद किए हैं।

मेडिकल संचालक विनोद को पुलिस ने हिरासत में लिया और उसे थाने ले आई। वहीं ड्रग विभाग की टीम को बुलाया गया। औषधि निरीक्षक लवकुश प्रसाद पुलिस अधिकारियों को तीन घंटे तक चकमा देते रहे। जब लगा कि अब मामला बहुत बढ़ गया। डीएम व सिटी मजिस्ट्रेट के संज्ञान में मामला पहुंच गया है तो रात करीब 10 बजे शहर के मिशन स्कूल के पास लक्ष्मी मेडिकल स्टोर पर पहुंचे। टीम ने मेडिकल का निरीक्षण किया तो वहां प्रतिबंधित दवाएं भी भारी तादाद में मिली हैं।

युवाओं को बेचता था इंजेक्शन...बताया जाता है कि मेडिकल स्टोर संचालक इलाके के तमाम युवाओं को नशे के इंजेक्शन बेचता था। पास में ही गर्ल्स कॉलेज भी है। इसके बावजूद उसने इसकी परवाह नहीं की। ये इंजेक्शन बाजार में पूरी तरह प्रतिबंधित बताए जा रहे हैं। एसएचओ सिविल लाइंस संजय कुमार ने बताया कि आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस के तहत एफआईआर लिखी गई है।

मेडिकल स्टोर सील नहीं किए...पुलिस ने तो इंजेक्शन व दवाओं को सील कर संचालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली। आरोपी को जेल भेजा गया है। वहीं औषधि विभाग ने मेडिकल स्टोर को सील करने की जहमत नहीं की है। औषधि निरीक्षक लवकुश प्रसाद का कहना है कि वह बाहर थे जैसे ही सूचना मिली वैसे से वह मुख्यालय के लिए रवाना हो गए थे। आने में करीब तीन घंटे लग गए। प्रतिबंधित दवाएं बरामद हुई हैं। कठोर कार्रवाई कराई जा रही है। दवाओं को सील किया गया है। जांच पूरी होने के बाद स्टोर को भी सील कराने की प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

भीषण सड़क हादसा: बुलंदशहर में बस ने पिकअप को मारी टक्कर, 11 की मौत और 25 घायल

बुलंदशहर। बुलंदशहर जिले में बड़ा सड़क हादसा हुआ है। रक्षाबंधन मनाने घर जा रहे मजदूरों की पिकअप को बस ने टक्कर मार दी। हादसे में 11 लोगों की मौत हो गई है, जबकि कई बच्चों समेत 28 लोग घायल हो गए हैं। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, गाजियाबाद की एक ब्रेड कंपनी में मजदूरी करने वाले करीब 35 से अधिक मजदूर पिकअप में गाजियाबाद से अलीगढ़ जनपद की तहसील अतरौली के गांव रायपुर में रक्षाबंधन का त्योहार मनाने के लिए जा रहे थे। जैसे ही सलेमपुर थाने के पास पहुंचे तो यहां तेज रफ्तार डग्गामार बस ने ओवरटेक के दौरान पिकअप को टक्कर मार दी। हादसे में 11 लोगों की मौत हो गई, जबकि 29 लोग घायल हुए हैं। घायल आठ लोगों को हायर सेंटर रेफर किया गया है, जबकि शेष 21 लोगों का जिला अस्पताल व निजी अस्पताल में उपचार चल रहा

है।हादसा इतना भयावह था कि बस की टक्कर के बाद पिकअप सवार लोग सड़क पर इधर-उधर जा गिरे। हादसे के दौरान बस चालक भी बस के स्टेयरिंग में फंसकर बुरी तरह से घायल हो गया, जिसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अलीगढ़ की अतरौली तहसील के गांव अहेरिया नगला के मजदूर गाजियाबाद स्थित एक फैक्ट्री में मजदूरी करते थे।

रक्षाबंधन का त्योहार मनाने के लिए सभी मजदूर रविवार सुबह करीब आठ बजे गाजियाबाद से पिकअप में सवार होकर अपने-अपने गांव लौट रहे थे। करीब 10.15 बजे जब वह सलेमपुर पहुंचे तो एक तेज रफ्तार डग्गामार बस ने साइड से टक्कर मार दी। जिससे पिकअप अनियंत्रित होकर पेड़ से टकराई और फिर बस के पीछा से पिकअप में टकराया। इससे पिकअप सवार लोग उछलकर सड़क पर जा गिरे। हादसे के बाद मौके पर मौजूद स्थानीय लोगों ने सड़क पर गिरे घायलों को उठाया और निजी वाहनों व एंबुलेंस की मदद से निजी अस्पताल के साथ जिला अस्पताल भिजवाया।

जिला अस्पताल में उपचार के लिए पहुंचे घायलों में से नौ घायलों को चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया, जबकि चिट्टा के निजी अस्पताल में एक घायल की मौत हो गई। हादसे के बाद घटना स्थल पर चीख-पुकार मच गई, हर कोई मौके की ओर दौड़ा और घायलों को सड़क से उठाकर एक ओर किया। साथ ही बस में फंसे चालक को भी निकालने का प्रयास किया।

प्रत्यक्षदर्शी लोगों के मुताबिक बदायूं से दिल्ली के लिए संचालित होने वाली डग्गामार बस का चालक तेज गति से एक अन्य वाहन को ओवरटेक कर रहा था। जबकि सड़क पर वाहनों की संख्या अधिक होने के चलते पिकअप चालक सड़क किनारे रोड पटरी पर चला रहा था।

लोगों का आरोप, आधा घंटा देरी से पहुंची पुलिस...स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि सुबह करीब 10.15 बजे हादसा हुआ, इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई, लेकिन करीब आधा घंटा देरी से पुलिस मौके पर पहुंची। राजकुमार, रोहताश, उमेश, सुमित ने आरोप लगाया कि पुलिस की लापरवाही और मिलीभगत से संचालित डग्गामार बसों के कारण आए दिन हादसे हो रहे हैं, लेकिन इसके बाद भी इनके खिलाफ कार्रवाई नहीं की जा रही है।

बीच बाजार दुकानदार ने युवक को पीट-पीटकर मार डाला

महोबा। महोबा में शहर के ऊदल चौक स्थित बीच बाजार में रविवार की दोपहर दो युवकों के बीच मजाक को लेकर हुए विवाद में बड़ी घटना हो गई। घड़ी दुकानदार ने इलेक्ट्रॉनिक दुकान में काम करने वाले युवक को पीट-पीटकर मार डाला। घटना से आक्रोशित परिजनों और रिश्तेदारों ने जिला अस्पताल में कार्रवाई की मांग को लेकर जमकर हंगामा किया। सूचना मिलते ही अपर एसपी सत्यम व सीओ दीपक दुबे ने आक्रोशित परिजनों को कार्रवाई का भरोसा देकर शांत कराया। शहर के जकरियापीर निवासी उवेश अहमद का बेटा अरबाज उर्फ हनी शेख (18) ऊदल चौक स्थित एक इलेक्ट्रॉनिक दुकान में काम करता था। पास में ही एक युवक घड़ी की दुकान किए है। दोनों के बीच अक्सर मजाक होता रहता था।

दोपहर करीब 12 बजे अरबाज और घड़ी दुकानदार के बीच मजाक को लेकर कहासुनी हो गई। जिस पर दोनों ने हाथापाई शुरू हो गई। घड़ी दुकानदार ने अरबाज को लात-घूसों से पीटना शुरू कर दी। इससे वह अचेत होकर गिर गया। गंभीर हालत में दुकानदार व आरोपी उसे जिला अस्पताल लाए। जहां डॉक्टर ने अरबाज को मृत घोषित कर दिया।घटना की सूचना पर परिजनों और रिश्तेदार अस्पताल पहुंच गए और कार्रवाई की मांग को लेकर जाम लगाने का प्रयास किया।

अपर एसपी, सीओ व कोतवाल नरेंद्र प्रताप सिंह ने लोगों को कार्रवाई का भरोसा देकर शांत कराया। बाद में शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर पूछतांछ शुरू कर दी है। अपर एसपी ने बताया कि घटना की जांच कराई जा रही है। तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

बिहार की बल्ले-बल्ले,मोदी सरकार ने बिहटा के लिए खोला खजाना, पटना वाले बम बम करेंगे

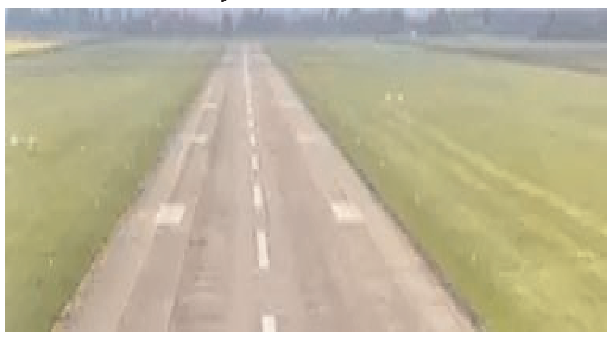

दीपक कुमार तिवारी।

पटना। बिहार की राजधानी पटना में अब दो-दो एयरपोर्ट होंगे। पटना के बाद अब बिहटा में एयरपोर्ट का निर्माण होगा। इसको लेकर नरेंद्र मोदी की कैबिनेट ने लेकर मुहर भी लगा दिया है। अगर सब ठीक रहा तो नवंबर-दिसंबर में काम भी शुरू हो जाएगा। जानकारी के अनुसार, बिहटा एयरपोर्ट पर बनने वाले सिविल एनक्लेव का निर्माण नवंबर में शुरू होगा। राज्य सरकार अक्टूबर तक आठ एकड़ अतिरिक्त जमीन उपलब्ध कराएगी। पिछले शुक्रवार को केंद्रीय कैबिनेट से मिली मंजूरी के बाद टेंडर प्रक्रिया शुरू हो गई है। रनवे को बढ़ाने के लिए 191 एकड़ और जमीन की जरूरत है।

बता दें कि बिहटा एयरपोर्ट के लिए पहले 108 एकड़ जमीन दी गई थी। लेकिन बाद में पता चला कि इतनी जमीन में पार्किंग नहीं बन पाएगी। इसलिए एयरपोर्ट अथॉरिटी ने 8 एकड़ जमीन और मांगी। इस देरी के कारण प्रोजेक्ट की लागत भी बढ़कर 1413 करोड़ रुपये हो गई है। पहले इसकी लागत 800 करोड़ रुपये आंकी गई थी। केंद्रीय कैबिनेट ने इस प्रोजेक्ट को मंजूरी दे दी है और अब टेंडर की प्रक्रिया शुरू हो गई है। नवंबर से काम शुरू होने के बाद उम्मीद है कि 2027 तक एयरपोर्ट का काम पूरा हो जाएगा।

इस प्रोजेक्ट के लिए अभी तक 108 एकड़ जमीन पर 7 करोड़ रुपये की लागत से चारदीवारी का निर्माण किया जा चुका है। यह चारदीवारी आठ फुट ऊंची और 10 इंच मोटी है। बाकी बची हुई जमीन मिलने के बाद चारदीवारी का काम पूरा कर लिया जाएगा।

गौरतलब है कि बिहटा एयरफोर्स बेस स्टेशन पर सिविल एनक्लेव बनाने की जब योजना 2018 में बनी थी। उस समय राज्य सरकार ने इसके लिए 108 एकड़ जमीन देने की बता कही थी। लेकिन जब 50 लाख सालाना यात्री क्षमता के सिविल एनक्लेव का डीपीआर बना तो यह जगह अपर्याप्त साबित हुई और नये टर्मिनल भवन में आने जाने वाले हवाई यात्रियों के वाहनों को पार्क करने की जगह यहां नहीं निकल पा रही थी। इसके बाद यहां पार्किंग निर्माण के लिए पहले दी गयी जमीन के समीप ही आठ एकड़ और जमीन देने की मांग एयरपोर्ट अथॉरिटी ने राज्य सरकार से की।

बताया जा रहा है कि राज्य सरकार ने जमीन अधिग्रहण में आने वाली व्यावहारिक समस्याओं के कारण मामले में निर्णय लेने में लंबा समय लगाया, जिस कारण 2019 में शुरू होकर 2022 तक बिहटा एयरपोर्ट के सिविल एनक्लेव का निर्माण पूरा हो जाना था, यह शुरू भी नहीं हो सका। 2023 में राज्य सरकार ने आठ एकड़ अतिरिक्त जमीन देने की स्वीकृति प्रदान की। उसके बाद फिर से प्रोजेक्ट की राशि का मूल्यांकन किया गया, जिसमें यह 800 करोड़ बढ़कर 1413 करोड़ हो गयी। इसे केंद्रीय कैबिनेट ने मंजूरी दी है।

केंद्रीय कैबिनेट से मंजूरी मिलते ही बिहटा एयरपोर्ट के निर्माण के लिए टेंडर निकालने की प्रक्रिया भी शुरू हो गई है। बताया जा रहा है कि अगले माह यह जारी कर दिया जायेगा और अक्तूबर में इसे ओपन कर टेंडर आवंटित कर दिया जाएगा। नवंबर अंत तक निर्माण की प्रक्रिया शुरू कर दी जायेगी और और अगले तीन वर्षों में वर्ष 2027 के अंत इसे पूरा भी कर लिया जाएगा।

बता दें कि बिहटा एयरपोर्ट का रनवे वर्तमान में 2700 मीटर है। इसके कारण यहां बड़े जंबो जेट नहीं उतर सकते हैं। इसके लिए रनवे 3500 मीटर या उससे अधिक होना चाहिए। बिहटा एयरपोर्ट के रनवे को एक हजार मीटर और बढ़ाने के लिए एयरपोर्ट अथॉरिटी ने 191 एकड़ अतिरिक्त जमीन की मांग भी की है। इससे यहां का रनवे बढ़कर 3700 मीटर हो जायेगा और यहां बड़े कार्गो प्लेन और जंबो जेट भी आसानी से उतर सकेंगे।

मुजफ्फरपुर दुष्कर्म के बाद नृशंस हत्या मामले में सांसद पप्पू यादव ने जताई कड़ी नाराजगी

■ पीड़ित परिजनों से मिलकर कहा - स्पीडी ट्रायल से हो अपराधी को हर हाल में सजा

■ पप्पू यादव ने पीड़ित परिजनों को रोजगार के लिए दी 50 हजार की आर्थिक मदद

दीपक कुमार तिवारी।

पटना/मुजफ्फरपुर। पूर्णिया के सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव ने आज मुजफ्फरपुर जिले के पारु थाना अंतर्गत लाल छपरा पंचायत स्थित गोपालपुर गांव में गोनर राम एवं उनके परिजनों से मुलाकात की जिनकी बेटी की नृशंस हत्या विगत दिनों अपराधियों ने दुष्कर्म के बाद कर दी थी। इस घटना में मृतक के शरीर के अंगों को काटने की बात सामने आई थी। पूर्णिया के सांसद पप्पू यादव ने पीड़ित परिजनों से मुलाकात कर आज अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की और कहा कि वह इस पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। साथ ही पप्पू यादव ने पीड़ित परिवार को ?500000 की आर्थिक मदद की घोषणा की और ?50000 की आर्थिक मदद तत्काल उन्हें दी ताकि उनके परिजन को रोजगार करने में मदद मिल सके।

मौके पर सांसद पप्पू यादव ने कहा, "कोलकाता में डॉक्टर की हत्या पर देश हाय-तौबा कर रहा है, लेकिन बिहार की इस बेटी के लिए कोई क्यों नहीं बोल रहा है?" उन्होंने प्रशासन पर कड़ा सवाल उठाते हुए कहा कि जब कोलकाता की घटना में 12 घंटे में पोस्टमार्टम रिपोर्ट आ सकती है, तो मुजफ्फरपुर की इस बेटी का पोस्टमार्टम रिपोर्ट अब तक क्यों नहीं आया? यह प्रशासन के लचर रवैये को दशार्ता है।

ग्रामीणों से घटना के बारे में विस्तृत जानकारी लेते हुए पप्पू यादव ने कहा कि किसी बेटी के अंगों को काट कर उसकी हत्या कर देना बलात्कार से कम खतरनाक अपराध है क्या ? मुजफ्फरपुर पुलिस प्रशासन को इस सवाल का जवाब देना चाहिए।

सांसद यादव ने बताया कि नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो के 2022 के आंकड़ों के अनुसार, देश में दर्ज बलात्कार के मामलों में 90% मामले दलितों के हैं। उन्होंने चिंता व्यक्त की कि देश में हर दिन 86 दुष्कर्म के मामले सामने आ रहे हैं, और दलित महिलाओं के खिलाफ अपराधों में तेजी से वृद्धि हो रही है।

वहीं, उन्होंने पीड़ित परिवार की मदद के सवाल पर कहा, "यह राशि बेटी के जीवन के सामने कुछ भी नहीं है, लेकिन इस कठिन समय में यह परिवार के लिए एक छोटी सी मदद है।" उन्होंने यह भी कहा कि वह इस मामले में आर-पार की लड़ाई लड़ेंगे और अपराधियों को सजा दिलाने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। सांसद यादव ने मामले में स्पीडी ट्रायल की मांग की और अपराधी को फांसी की सजा देने की भी अपील की।

यह घटना बिहार में कानून व्यवस्था की स्थिति पर गंभीर सवाल खड़े करती है, और पप्पू यादव ने इस पर जोर देकर कहा कि इस तरह के अपराधों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं न हों।

बिहटा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे का सीएम नीतीश ने किया स्पॉट विजिट

हाल ही में केंद्र से मिला है 1413 करोड़

दीपक कुमार तिवारी।

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बिहटा में बनाए जानेवाले अन्तर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट का स्पॉट विजिट किया। इस दौरान बिहटा एयरफोर्स स्टेशन के पदाधिकारी ने मुख्यमंत्री को नक्शा के माध्यम से वहां शुरू कराए जानेवाले निर्माण कार्यों के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ये अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा आधुनिक सुविधाओं से लैश होगी। हवाई यातायात को बेहतर बनाने के लिए यहां आधुनिकतम व्यवस्थाएं की जाएंगी।

निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि हमलोग चाहते हैं कि जल्द से जल्द इस एयरपोर्ट का निर्माण कार्य शुरू हो ताकि लोगों को हवाई यात्रा में और सहूलियत हो। इससे विभिन्न जगहों से लोगों को विमान से आने-जाने के लिए सुविधा मिलेगी। इस एयरपोर्ट के निर्माण से और कनेक्टिविटी बढ़ेगी। पटना एयरपोर्ट पर पड़ने वाला भार भी कम होगा। साथ ही रोजगार और कारोबार के अवसर भी बढ़ेंगे।

बिहटा एयरफोर्स बेस स्टेशन पर सिविल एनक्लेव बनाने की जब योजना बनाई गई तो राज्य सरकार ने 108 एकड़ भूमि की स्वीकृति दी और उसकी चहारदीवारी भी कराई गई। 8 एकड़ और जमीन देने की मांग एयर अथॉरिटी ने राज्य सरकार से की थी, जिसकी भी स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। बिहटा एयरपोर्ट के लिए केंद्र सरकार ने 1413 करोड़ रुपए की राशि जारी कर दी है। सीएम जब स्पॉट विजिट कर रहे थे तब उनके साथ मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव अनुपम कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव कुमार रवि, पटना के जिलाधिकारी चन्द्रशेखर सिंह, वरीय पुलिस अधीक्षक राजीव मिश्रा, बिहटा एयरफोर्स स्टेशन के पदाधिकारी और एयरपोर्ट अथॉरिटी के अफसर भी मौजूद थे।

बच्चों के कौतूहल और आकर्षण का केंद्र बनेगा चिल्ड्रन पार्क का सतरंगी फव्वारा: गरिमा

अगले बाल दिवस पर नगर निगम अपने चिल्ड्रेन पार्क में निगम प्रशासन करेगा बाल मेले का आयोजन

बिट्टू कुमार

पश्चिम चम्पारण/बेतिया। नगर निगम के वार्ड चार में अवस्थित उत्तरवारी पोखरा के पास चिल्ड्रन पार्क का सौंदर्यीकरण के साथ विस्तारित सुविधाओं का निर्माण कार्य का महापौर गरिमा देवी सिकारिया ने औचक निरीक्षण किया। इस क्रम में उन्हें पूरे पार्क के लिए एक सरसेबुल बोरिंग पंप से संबद्ध पाइप से पानी की आपूर्ति के साथ आकर्षक स्वरूप में बने पांच डिजाइनर बेंच के निर्माण में बारीकियों के लिए साइट इंचार्ज अभियंता सुजय सुमन की प्रसंशा की। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि उत्तरवारी पोखरा चिल्ड्रन पार्क में बना सतरंगी फव्वारा यहां आने वाले बच्चों के विशेष कौतूहल और आकर्षण का केंद्र बनेगा। महापौर श्रीमती सिकारिया ने चिल्ड्रन पार्क के सौंदर्यीकरण और आवश्यक सुविधाओं के विस्तार से संबंधित गार्ड रूम, टिकट घर और सौंदर्यीकरण के अन्य कार्यों के साथ पाथवे की रंगाई आदि का कार्य शीघ्र पूरा करने का निर्देश दिया। इसके साथ ही महापौर ने बताया कि आगामी बाल दिवस पर उत्तरवारी पोखरा के इस चिल्ड्रेन पार्क में नगर निगम प्रशासन की ओर से सालाना "बाल मेला" का आयोजन करने पर सशक्त समिति या नगर निगम बोर्ड में भी विचार किया जाएगा। उन्होंने बताया कि उत्तरवारी पोखरा के पश्चिमी तट पर निर्मित यह चिल्ड्रन पार्क जल्दी ही पूरे नगर निगम के साथ जिलाभर के बच्चों के आकर्षण का केंद्र बनेगा। श्रीमती सिकारिया ने मौके पर मौजूद कर्मचारियों, स्थानीय लोगों एवं उपस्थित सुदामा साह से पार्क की साफ सफाई में दिख रहीं कोताही पर नजर रखने का अनुरोध किया।

मुजफ्फरपुर में भीम आर्मी सदस्यों का तांडव,गिरफ्तार

संवाददाता।

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर जिले के पारु थाना क्षेत्र में भीम आर्मी के सदस्यों का तांडव देखा गया।रविवार को दर्जनों घर को निशाना बनाया गया।जमकर तोड़ फोड़ की गई। पुलिस पर भी पथराव किये गए। स्थिति तनावपूर्ण हुई तो भारी संख्या में पुलिस बल के साथ जिलाधिकारी एवं अन्य अधिकारी घटनास्थल के लिए रवाना हुए। भीम आर्मी का एक वांटेड नेता गिरफ्तार किया गया।

बताया जाता है कि बिहार के कई जिलों के साथ साथ अन्य राज्य में करीब डेढ़ दर्जन से जायदा केस गोल्डन दास पर दर्ज है। करीब आधा दर्जन केस में वांटेड है. आज मुजफ्फरपुर में पारु के गोपालपुर में अपने साथी संग गांव में घुसकर दर्जन भर से अधिक घरों पर हमला कर दिया। तोड़फोड एवं लूटपाट, पुलिस पर हमला, सड़क जाम और जातीय उन्माद फैलाने की कोशिश की गई।इस जुर्म में गिरफ्तार किया गया है। पे फोन पर बहुत सारे लोगों से पैसा लेकर मुजफ्फरपुर आया था। न्याय दिलाने के नाम पर सभी जगह यह इस तरीके से ही कार्यक्रम का आगाज करता है।सीनियर पुलिस अधिकारी द्वारा मामले में आवश्यक कार्यवाई की जा रही है।

पूसा : सीओ ने सुनी दुकानदारों की समस्या

संवाददाता।

समस्तीपुर/पूसा। पूसा रोड बाजार के दुकानदारों की शिकायत पर पूसा सीओ पल्लवी कुमारी ने वैनी के पूसा रोड बाजार 'पहुँचकर दुकानदारों की समस्या से अवगत हुईं। दुकानदारों ने सीओ को बताया कि खादी ग्रामोद्योग समिति के मंत्री ने अतिक्रमण के नाम पर पैंतालीस दुकानदारों को बुलडोजर चलवाकर उजाड़ दिया। जबकि दुकान के किराए का रसीद 2023 तक का कटा हुआ था, तय समय सीमा से पूर्व ही 45 दुकानदारों के दुकान को उजाड़ दिया गया। सीओ ने कहा कि वरीय अधिकारियों को इस मामले को लेकर अवगत करवाएंगी। मौके पर वैनी ओपी अध्यक्ष शकील अहमद, भाकपा-माले प्रखंड सचिव अमित कुमार आदि मौजूद थे।

आल इंडिया स्टुडेंट्स फेडरेशन एवं आल इंडिया यूथ फेडरेशन ने कोलकाता एवं मुजफ्फरपुर मे घटना करने वाला दोषियों को अविलंब सार्वजनिक तौर पर फांसी की सजा का मांग की

बिट्टू कुमार

पश्चिम चम्पारण बेतिया। आल इंडिया स्टुडेंट्स फेडरेशन एवं आल इंडिया यूथ फेडरेशन के संयुक्त तत्वावधान में कोलकाता एवं मुजफ्फरपुर की घटना तीव्र भर्त्सना करते हुए दोषियों को अविलंब सार्वजनिक तौर पर फांसी की सजा देने तथा महिलाओं, के सुरक्षा की गारंटी करने की मांग की गई। छात्र नेत्री लक्की कुमारी ने बताई कि आज हमारे देश में महिलाओं के जान माल इज्जत की कोई सुरक्षा की गारंटी नहीं है, आये दिन महिलाओं के साथ अमानवीय व्यवहार हो रहें हैं और निर्दोष महिलाओं को अपने जान से हाथ धोना पड़ रहा है। आगे उन्होंने कहा कोलकाता एवं मुजफ्फरपुर की घटना ने दिल दहला कर रख दिया है, सरकार का नारा बेटी पढ़ाओ बेटी बचाओ खोखला बन चुका है, दुर्भाग्य तो यह है कि जिस देश में महिलाओं को देवी का दर्जा प्राप्त है, उस देश में इस तरह का कुकृत्य दुनिया भर में शर्मशार कर रहा है, ऐसी महिलाओं को न्याय दिलाने के लिए ए आई एस एफ हमेशा लडा.है और आगे भी लड़ता रहेगा। ए आई वाई एफ के जिला सचिव तारिक ने इस तरह की घटना का विरोध करते हुए समाज के महिलाओं के मान सम्मान एवं ऐसी घटना को अंजाम देने वालों को कड़ी से कड़ी सजा मिलने तक आंदोलन जारी रखने का आह्वान किया। मौके पर महिला नेत्री गायत्री, अंजारूल, संजय, ज्वाला कान्त, नरेंद्र सिंह, साफेसर, कैलाश, आदि उपस्थित रहे।

पेड़ से बांधकर व्यक्ति की पिटाई का वीडियो वायरल, राजद नेता सहित 7 पर पुलिस ने किया एफआईआर

पीयर थाना क्षेत्र का मामला, पुलिस कार्यवाई शुरू

संवाददाता।

मुजफ्फरपुर। जिले के पीयर थाना क्षेत्र में एक व्यक्ति को पेड़ से बांधकर पिटाई करने का एक वीडियो इन दिनों सोशल मीडिया पर बड़ी तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में साफ तौर पर देखा जा सकता है कि एक व्यक्ति को पेड़ में बांधकर कुछ लोगों के द्वारा बड़ी बेरहमी से पिटाई की जा रही है और पीड़ित व्यक्ति उन लोगों से अपने आप को बचाने की कोशिश कर रहा है। इतना ही नहीं अचानक इस बीच पहुंची एक महिला पर भी लोगों ने महिला पर जमकर लाठी डंडे बरसा दिए।इस मामले में पियर थाना अध्यक्ष पंकज यादव ने रविवार को बताया कि पेड़ में बांधकर मारपीट का वीडियो वायरल होने के मामले में प्राथमिकी दर्ज की गई है। जिसमें राजद नेता मो. निजामुद्दीन सहित 7 लोगों को नामजद किया गया है।घटना के पीड़ित मो मुस्तुफा के द्वारा दिए गए आवेदन पर मामले की प्राथमिकी दर्ज की गई है। जिसमें नामजदों के द्वारा पीड़ित मो.मुस्तुफा एवं उसकी पत्नी तरन्नुम जहां के साथ मारपीट की बात कही गयी है।थानाध्यक्ष ने बताया कि अभियुक्त की बेटी पीड़ित मो. मुस्तुफा के बेटे के साथ 9 अगस्त को भाग गई।इस मामले से नाराज अभियुक्तों के द्वारा मारपीट की इस घटना को अंजाम दिया।थानाध्यक्ष ने बताया कि मामले की प्राथमिकी दर्ज कर आवश्यक कार्यवाई की जा रही है।

समस्तीपुर में ग्रामीणों ने शांति नदी पर बनाया 250 फुट लंबा चचरी पुल, हर साल बारिश में बह जाता है

समस्तीपुर। समस्तीपुर जिले के कल्याणपुर प्रखंड से गुजरने वाली शांति नदी पर बघला गांव के लोगों ने जज्बे का चचरी पुल बनाया है। मानसून शुरू होते ही शांति नदी में आई बाढ़ के कारण चकमहेसी और बघला गांव को जोड़ने वाले डायवर्जन के बह जाने से बघला के प्रखंड मुख्यालय से संपर्क भंग हो गया था। इसी स्थल पर नए पुल का भी निर्माण कार्य चल रहा है, लेकिन नदी में पानी आ जाने के बाद निर्माण कार्य को रोक दिया गया है। लोगों के समक्ष आवागमन के लिए नाव ही एकमात्र सहारा बचा था, जिस कारण ग्रामीणों का कामकाज काफी प्रभावित हो रहा था।

बघला गांव निवासी पंकज कुमार ने बताया कि परेशानी को देखते हुए लोगों ने पंचायत प्रशासन से लेकर प्रखंड प्रशासन को भी मदद की गुहार लगाई। प्रखंड प्रशासन की ओर से नाव की व्यवस्था की गई। इसके बाद लोगों ने आपसी सहयोग कर चचरी का पुल बनाने का निर्णय लिया। ग्रामीणों द्वारा आपसी सहयोग से तीन लाख रुपये चंदे की वसूली की गई। फिर ग्रामीणों ने पुल बनाने में खुद मजदूर की भूमिका निभाई और करीब 20 दिनों की कड़ी मेहनत के बाद पुल का निर्माण कर लिया। अब लोगों ने बाइक और तीन चक्का ऑटो लेकर आवाजाही करनी शुरू कर दी है।शांति नदी का डायवर्जन के बहने से इस इलाके के बघला, भरजा कनौजर, पड़ाव, कल्याणनगर, हत्था और माधोपुर आदि गांव की करीब 25 हजार से अधिक आबादी को आने-जाने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। अब इस चचरी पुल के बन जाने से लोगों को बड़ी राहत मिली है। लोग बाइक और तीन चक्का वाहन से पुल पार कर ले रहे हैं। चचरी पुल मजबूत रहे, इसके लिए निमार्णाधीन पुल के पाये का भी सहारा लिया गया है। ग्रामीणों ने बताया कि करीब 250 फुट लंबे इस पुल को बनाने में 20 दिनों का समय लगा। गांव के ग्रामीणों ने ही इसके लिए दिन रात मेहनत की। पुल के निर्माण पर करीब तीन लाख रुपये खर्च हुए हैं। उक्त राशि की ग्रामीणों ने अपने स्तर से व्यवस्था की।

वहीं, अनुमंडल पदाधिकारी दिलीप कुमार ने कहा कि डायवर्जन के बह जाने से लोगों को दिक्कत हो रही थी। सरकारी स्तर पर नाव की व्यवस्था की गई थी, क्योंकि उक्त स्थल पर पुल का निर्माण कार्य चल रहा है। पानी घटने के बाद पुनः निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा।

पटना में दिनदहाड़े युवक की हत्या, अपराधियों ने युवक को मारी गोली; पुलिस ने चार खोखा बरामद

पटना। पटनासिटी के सुल्तानगंज में अपराधियो ने रविवार को दहाड़े युवक को गोलियों से भून डाला। आननफानन में युवक को इलाज के लिए निजी अस्पताल मे भर्ती कराया गया था। यहां डाक्टरों ने युवक को मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच कर मामले की छानबीन शुरू कर दी है। सुल्तानगंज थाना प्रभारी ने बताया कि मृतक की पहचान रानी घाट निवासी शंकर वर्मा के रूप में हुई। पुलिस ने मौके से चार खोखा भी बरामद किया है। इधर, पटनासिटी के पुलिस अनुमंडल पदाधिकारी ने बताया कि मौके पर एसएफएल टीम और डॉग स्क्वायड को बुलाया गया है। कुछ लोगों से पूछताछ चल रही है। मामले में आगे की कार्रवाई चल रही है।

मीटिंग में भाग लेने के लिए अपने घर से निकले थे... बताया जा रहा है कि शंकर वर्मा दुर्गा पूजा कमेटी की मीटिंग में भाग लेने के लिए अपने घर से निकले थे। पूजा कमेटी के कुछ लोगों ने बताया कि दुर्गा पूजा के आयोजन को लेकर रविवार को एक बैठक का आयोजन किया गया था। जिसमें यह निर्णय लेने का कार्यक्रम था कि दुर्गा पूजा इस वर्ष हरसोलाशपूर्वक कैसे मनाया जाए। इसे लेकर शंकर वर्मा को भी मीटिंग की बैठक में शामिल होने के लिए बुलाया गया था। बताया जा रहा है कि इस बीच शंकर वर्मा अपने गली से निकलकर रानी घाट की तरफ आ रहे थे। इसी क्रम में पैदल आए चार युवकों ने शंकर वर्मा पर ताबड़तोड़ गोलियां बरसानी शुरू कर दी। घटना को अंजाम देने के बाद सभी अपराधी पैदल तेजी से रास्ते से फरार हो गए। गोलीबारी की आवाज सुनते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और खून से लतपत शंकर वर्मा को पास के एक निजी नर्सिंग होम में भर्ती कराया, जहां डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

सीसीटीवी में दिखे हत्यारे...इधर इस मामले को लेकर पटना सिटी के पुलिस अनुमंडल पदाधिकारी ने बताया कि शंकर वर्मा पर पूर्व के 18 अपराधिक मामले दर्ज हैं। वहीं आसपास के लोगों ने बताया कि पिछले लगभग 10 वर्षों से शंकर वर्मा का कोई आपराधिक इतिहास नहीं रहा है। पूर्व में कई घटनाओं में उनकी संलिप्त शामिल थी लेकिन पिछले लगभग 10 वर्षों से शंकर वर्मा अपनी सभी गलत गतिविधियों को छोड़कर समाज सेवा से जुड़ गए थे। घटना का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है। जिसमें साफ देखा जा सकता है गली में टहलते हुए अपराधी पैदल शंकर वर्मा के घर के नजदीक पहुंचे और गोली मारकर फरार हो गए।

अकेली बहनों की सुरक्षा पर संकट...वो आज भी सड़क पर निकलने से डरती है!

संवाददाता।

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर शहर के अघोरिआ बाजार चौक पर एक अकेला बहनों की आवाज उठाते हुए युवक दिखा। हाथ में हस्तलिखित कार्ड बोर्ड लेकर युवक शहर की सड़कों पर चलते से अपील करता दिखा।जिसमें अकेली बहनों की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई गई थी।

चरण सिंह

विचार

नहीं तो नेताजी ही खदेड़ देते अंग्रेजों को

यदि महात्मा गांधी नेताजी सुभाषचंद्र बोस की बात मान लेते तो आजाद हिंद फौज ही देश को आजाद करा लेती। दरअसल नेताजी सुभाष चंद्र चाहते थे कि द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान अंग्रेजों पर आक्रमण किया जाए और उन्हें खदेड़ा जाए। गांधी जी अहिंसा के दम आजादी चाहते थे। रंगून से रेडियो से संबोधित करते हुए नेताजी ने महात्मा गांधी को राष्ट्रपिता कहकर संबोधित किया था और अंग्रेजों के खिलाफ लड़ाई में सहयोग मांगा था।

दरअसल सुभाष चंद्र बोस ऐसे नायक हुए हैं जिन्होंने विदेश में जाकर आजाद हिंद फौज का गठन किया और अंग्रेजों के खिलाफ मोर्चा खोला। महात्मा गांधी को राष्ट्रपिता की उपाधि सुभाष चंद्र बोस ने ही दी थी। दरअसल नेताजी ने जब 6 जुलाई 1944 को रंगून से रेडियो से महात्मा गांधी से सहयोग मांगा तो उन्होंने महात्मा गांधी को राष्ट्रपिता कहकर संबोधित किया था। सुभाष चंद्र बोस चाहते थे कि द्वितीय विश्व युद्ध में अंग्रेजों के कमजोर होने पर अंग्रेजों पर आक्रमण के पक्ष में थे।

दिल्ली चलो, जय हिंद और तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आजादी दूंगा। ये सब नारे नेताजी के दिए हुए हैं। नेताजी के निधन पर देश में कई धारणाएं हैं। कुछ लोग मानते हैं 18 अगस्त 1945 को जब नेताजी का विमान दुर्घटनाग्रस्त हुआ तो रूस ने नेताजी को नजरबंद कर लिया था। हालांकि देश नेताजी की शहादत 18 अगस्त 1945 को मानता है। जापान भी आज के दिन शहीद दिवस मनाता है। नेताजी कांग्रेस के अध्यक्ष भी रहे। नेताजी आजाद हिंद फौज के दम पर लालकिले पर कब्जा करना चाहते थे। हिटलर जैसे तानाशाह को भी नेताजी जी ने साध लिया था। सुभाष चंद्र कितने महान थे इसका अंदाजा इस बात से निकाला जा सकता है कि नेताजी की फौज में ऐसे बहुत सैनिक थे जिन्हें जर्मनी ने बंधन बना लिया था। नेताजी ने उन सैनिकों को छुड़ाया और आजाद हिन्द फौज में शामिल किया था।

बचना है तो सरकार को राखी बांधिए

-राकेश अचल-

मंहगाई की मार हो या करों का आतंकवाद, कोविड का बुखार हो या केसरिया सेक्युलरिज्म इन सबसे बचना है तो 19 अगस्त को शुभ मुहूर्त में आप अपने देश की, अपने सूबे की सरकार को राखी बांधिए और प्रार्थना कीजिये कि सरकार आपके राखी बंधन को निभाए। अब तमाम समस्याओं से बचने का और कोई विकल्प बचा नहीं है, क्योंकि देश के बड़के भैया ने ऐलान कर दिया है कि इस बार भले ही भाजपा की सरकार बैशाखियों पर टिकी है लेकिन भाजपा अगले 35 साल देश पर राज करेगी।

बड़के भैया की भविष्यवाणी सुनकर, पढ़कर मै कल से लगातार प्रार्थना कर रहा हूँ कि भगवान यदि किसी को भाई दे तो बड़के भैया जैसा दे। बड़के के बड़के तो केवल फेंकने के लिए मशहूर (बदनाम) थे, किन्तु बड़के भैया तो डींग मारने में दो कदम आगे निकल गए। बड़के भैया ने और उनकी पार्टी ने 4 जून को लोकसभा के नतीजे आने के बाद नितीश कुमार और चंद्रबाबू नायडू को राखी बांधकर भाई बनाया था, अब बारी आपकी है। क्योंकि अगले 35 साल में मोशा और उनकी पार्टी की सरकार रही तो आपका क्या होगा, आप ही जानें? मै तो कुछ बता नहीं सकता, क्योंकि मुझे अभी तक कोई ऐसा ज्योतिषी नहीं मिला है जो आने वाले 35 साल की सियासत की भविष्यवाणी कर सके।

पिछली 15 तारीख को लाल किले की प्राचीर से भारत भाग्यविधाता ने कहा कि देश की महिलाओं की सुरक्षा बहुत बड़ा मुद्दा है, सचमुच बड़ा मुद्दा है। हमें इसके प्रति संवेदनशील रहना चाहिए, लेकिन ये मुद्दा बड़ा बना बंगाल में एक प्रशिक्षु महिला चिकित्स्क के साथ सामूहिक और नृशंस बलात्कार की घ्रणित वारदात के बाद। इससे पहले इसी देश में वर्ष 2023 में 25 हजार बलात्कार की वारदातें हुईं लेकिन सरकार को ये समस्या बड़ी नहीं लगी, क्योंकि ये सब सियासत के रंग में रंगी नहीं थी। इस वारदात के बाद देश के डाक्टर हड़ताल पर हैं, लगता है जैसे सारे पीड़ित इसी वर्ग से आते हैं। डाक्टरों की हड़ताल मुझे सत्ता प्रतिष्ठान प्रेरित लगती है, आपको लगती है या नहीं ये अलग बात है। हमारे हाईकोर्ट ने तो डाक्टरों की हड़ताल को तत्काल समाप्त करने को कहा है, क्योंकि बंगाल में सामूहिक बलात्कार से एक बदनसीब महिला डाक्टर की मौत हुई थी किन्तु डाक्टरों की हड़ताल की वजह से देश में सैकड़ों लोग चिकित्सा के अभाव में कालकवलित हो गए।

देश में दस साल से मोशा की सरकार है इसलिए देश के किसी भी हिस्से में होने वाला कोई भी महिला उत्पीड़न राज्य की सरकारों के साथ ही देश की सरकार के हिस्से में भी दर्ज किया जाना चाहिये। देश में महिलाओं के साथ ज्यादती के मामलों में निर्भया कांड के बाद लिए गए फैसलों का क्या हुआ? क्यों नहीं शत-प्रतिशत आरोपियों को सजा हुई। क्यों सजा पाने वाले केवल 27-28 फीसदी ही लोग हैं? साफ जाहिर है कि हमारा सिस्टम, हमारी न्यायपालिका, हमारी सरकार इसके लिए दोषी है। अकेली ममता बनर्जी नहीं। मणिपुर में जब महिलाओं के साथ सरेआम ज्यादतियां हो रहीं थीं तब लालकिले की प्राचीर से महिला उत्पीड़न पर टसुए बहाने वाले कहाँ थे?

बहरहाल मै रक्षाबंधन पर वापस आता हूँ। देश की महिलाओं की, खासतौर पर बहनों की रक्षा केवल कलाई पर राखी बाँधने से होने वाली नहीं है। बहनों को चाहिए की वे सरकार की कलाई पर राखी बांधें क्योंकि उनकी सुरक्षा का असल जिम्मा सरकार का है, सरकारों का है। सिस्टम का है। पुलिस का है। अदालतों और वकीलों का है। हमारे यहां कल तक रक्षाबंधन बाजार नहीं था, त्यौहार था। हमने रेशम के धागे की राखियां अपनी कलाई पर खूब बँधवाईं है। हम अपने गुरु के साथ पूरे बाजार में दुकानदारों को राखी बांधकर त्यौहार मानते थे। जात-पात नहीं देखते थे। तब एक रुपए में रेशमी राखी एक दर्जन आतीं थीं। अब एक राखी कम से कम दस रुपए की और ज्यादा से ज्यादा पता नहीं कितने की आती है। अब राखी चाकलेटों, जेवरों, कपड़ों का त्यौहार हो गया है। राखी न जानें कहाँ छिप गयी है। राखी के दुर्दिन हैं शायद। अन्यथा राकाही में तो वो ताकत थी की मुगल शासक तक उसके बंधन में बांध जाते थे। हमने और आपने बचपन में राखी और धर्म बहनों की अनेक कहानियां पढ़ी और सुनीं होंगी।

राखी का किस्सा हमें त्रेता में सुनने को नहीं मिलता लेकिन द्वापर में कहते हैं कि जब कृष्ण की ऊँगली सुदर्शन चक्र से कट गयी थी तब द्रोपदी ने अपनी साडी का सिरा फाड़कर कृष्ण की ऊँगली पर बाँध कर अपने प्रेम का प्रदर्शन किया था और बदले में चीर हरण के समय कृष्ण ने द्रोपदी की रक्षा की थी। किस्सा सनातन है इसलिए भरोसा कीजिये कि रक्षाबंधन का श्रीगणेश इसी घटना से हुआ होगा। अब किलयुग है। कलियुग में सरकार भाई है और रियाया बहनें। प्रधानमंत्री से लेकर मुख्यमंत्री, मंत्री तक जनता से राखियां बंधवाते हैं। हमारे मध्यप्रदेश में तो लाड़ली बहनों को मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने इस बार 500 रुपए का नेग सीधे खाते में डलवा दिया है, फिर भी बहनों को मिटटी में जिंदा दफन करने की वारदातें होतीं हैं। दिल्ली में महिला पहलवानों के साथ बाहुबली नेता ज्यादती कर गुजरते हैं। लेकिन देश का रोम नहीं फड़कता। महिलाओं के साथ ज्यादती तभी मानी जाती है जब वो किसी गैर भाजपा शासित सूबे में हो। राखी है तो राखी की बात करते है। हमारे पंडित जी ने कहा है की कल 19 अगस्त को रक्षाबंधन पर दोपहर 1.30 बजे तक भद्रा रहेगी। इस कारण राखी बांधने का मुहूर्त 1.30 बजे के बाद ही शुरू होगा।

अजीत डोभाल : भारतीय शांति और सुरक्षा के सजग प्रहरी

-प्रो. (डॉ.) जसीम मोहम्मद-

डोभाल की एक प्रमुख विशेषता अंतरराष्ट्रीय सहयोग विकसित करने की सूझबूझ और उनकी अकूत क्षमता है। उन्होंने दुनिया भर के अपने समकक्षों के साथ मजबूत संबंध स्थापित किए हैं। ये गठबंधन एक वैश्वीकृत दुनिया में महत्वपूर्ण हैं, जो साझा खतरों का मुकाबला करने और स्थिरता को बढ़ावा देने में सहायता करते हैं। उनके नेतृत्व की सबसे बड़ी विशेषता परिवेश एवं परिस्थितियों को समझकर उनके प्रति उनकी दृढ़ता और सहानुभूति का मिश्रण है। वह एकनिर्णायक नेतृत्वकर्ता हैं, जो आवश्यकता पड़ने पर कठिन निर्णय ले सकते हैं।

भारतीय राजनीतिक परिदृश्य में देश की शांति और सुरक्षा के लिए अहर्निश सजग एवं तत्पर रहनेवाले अजीत डोभाल एक ऐसे प्रशासक व्यक्तित्व हैं, जिन्होंने भारत की राष्ट्रीय चिंता और समाधान के लिए जितना कार्य किया है, उतना शायद ही कोई करता हो और जिसके विषय में लोग कम ही जानते हैं। वे खामोशी से अपने दायित्वों को पूरी निष्ठा से पूर्ण करने में लगे रहते हैं। उन्हें अक्सर "भारत का जेम्सबॉन्ड" कहा जाता है, लेकिन एक काल्पनिक जासूस के विपरीत, डोभाल चुपचाप काम करना पसंद करते हैं, चुपचाप एक सुरक्षित और मजबूत राष्ट्र के निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका का निर्वाह करने में लगे रहते हैं। अजीत डोभाल ने भारत के लिए जो सबसे महत्वपूर्ण और उल्लेखनीय काम किया है, वह चीन के साथ डोकलाम गतिरोध के समाधान की दृष्टि से किया गया था। स्थिति तनावपूर्ण थी और ऐसा लग रहा था कि संघर्ष अपरिहार्य है, लेकिन डोभाल की शांत और रणनीतिक सोच ने इस विवादित मुद्दे को शांतिपूर्ण तरीके से हल करने में मदद की।

डोभाल की एक प्रमुख विशेषता अंतरराष्ट्रीय सहयोग विकसित करने की सूझबूझ और उनकी अकूत क्षमता है। उन्होंने दुनिया भर के अपने समकक्षों के साथ मजबूत संबंध स्थापित किए हैं। ये गठबंधन एक वैश्वीकृत दुनिया में महत्वपूर्ण हैं, जो साझा खतरों का मुकाबला करने और स्थिरता को बढ़ावा देने में सहायता करते हैं। उनके नेतृत्व की सबसे बड़ी विशेषता परिवेश एवं परिस्थितियों को समझकर उनके प्रति उनकी दृढ़ता और सहानुभूति का मिश्रण है। वह एकनिर्णायक नेतृत्वकर्ता हैं, जो आवश्यकता पड़ने पर कठिन निर्णय ले सकते हैं। बावजूद इसके वह सुरक्षा के मानवीय तत्वों को भी भलीभाँति समझते हैं। कार्यविधि एवं व्यक्तित्व का यह संतुलन उन्हें खुफिया समुदाय में एक प्रभावी और सम्मानित प्रशासक बनाता है। डोभाल के मार्गदर्शन में भारत की खुफिया एजेंसियों ने आधुनिकीकरण के साथ महत्वपूर्ण कार्य किया है। अपने मिशन के लिए उन्होंने उन्नत तकनीक और नवीन माध्यमों को अपनाने का बीड़ा उठाया है। उनका यह दूरदर्शी दृष्टिकोण राष्ट्रीय सुरक्षा के निरंतर विकसित होते परिदृश्य में भारत को आगे रखता है। डोभाल का प्रभाव पारंपरिक सुरक्षा उपायों से परे है। उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा में वित्तीय स्थिरता के महत्व को पहचानते हुए आर्थिक खतरों का मुकाबला करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस क्षेत्र में उनके प्रयासों ने भारत के आर्थिक हितों की रक्षा करने में बहुत सहायता की है, जिससे देश के समग्र लचीलेपन और समावेशी स्वरूप में योगदान मिला है।

एक रणनीतिकार के रूप में, डोभाल की किसी परिधि या सीमित घेरे के बाहर सोचने की क्षमता एक गेम-चेंजर के रूप में रही है। वह अक्सर जटिल समस्याओं को हल करने के लिए अपरंपरागत रणनीति अपनाते हैं। समस्या-समाधान में यह रचनात्मकता उन्हें एक दूरदर्शी प्रशासक और नेतृत्वकर्ता के रूप में अलग प्रतिष्ठित करती है। संकट की स्थितियों में उनका शांत व्यवहार उनके धैर्य और कार्यक्षमता को प्रदर्शित करता है। किसी भी दबाव में सदैव शांत रहने की उनकी क्षमता उनकी टीम में आत्मविश्वास पैदा करती है और प्रभावी एवं ठोस निर्णय लेने को सुनिश्चित करती है। यह विशेषता उच्च-दाँववाले वातावरण में महत्वपूर्ण है, जहाँ स्पष्ट सोच ही सब कुछ बदल सकती है। क्षेत्रीय गतिशीलता की उनकी गहरी समझ भारत की विदेश नीति को आकार देने में महत्वपूर्ण रही है। पड़ोसी देशों के राजनीतिक परिदृश्यों के बारे में डोभाल की अंतर्दृष्टि ने सदैव रणनीतिक निर्णयों को रेखांकित किया है। इस क्षेत्र में उनकी विशेषज्ञता राष्ट्र के नेतृत्व के लिए एक मूल्यवान संपत्ति है।

आतंकवाद की चुनौतियों से निपटने के मामले में डोभाल की विशेषज्ञता बेजोड़ है, अप्रतिम है। इस नजरिए से उन्होंने कई सफल ऑपरेशनों का नेतृत्व किया है, जिससे आतंकवादियों को उनके रास्ते में ही रोका जा सका है और भारत को नुकसान पहुँचानेवाले तत्वों से सुरक्षित रखा जा सका है। शत्रुओं की हर रणनीति के विषय में उनकी गहरी समझ ने उन्हें भारत की सुरक्षा का एक महत्वपूर्ण व्यक्ति बना दिया है। उन्होंने भारत की खुफिया सेवाओं को आधुनिक बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस दिशा में उन्होंने यह सुनिश्चित किया है कि सूचना एकत्र करने और उसका उपयोग करने का तरीका यथासंभव उन्नत हो, जिससे देश के लिए देश के अंदर और बाहर दोनों ही तरह के खतरों से स्वयं को बचाना आसान हो। उनके नेतृत्व में भारत का खुफिया सूचनातंत्र दुनिया में सर्वश्रेष्ठ सूचनातंत्र में से एक बन गया है। सन् 2016 में सर्जिकल स्ट्राइक के दौरान डोभाल के नेतृत्व ने अपनी कार्यशैली की वास्तविक चमक दिखाई थी। यह ऑपरेशन एक स्पष्ट संदेश था कि भारत आक्रामकता को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं करेगा। डोभाल की सावधानीपूर्वक योजना इसकी सफलता का एक बड़ा हिस्सा थी, जो दुनिया को दिखाती है कि आवश्यकता पड़ने पर भारत को अपनी रक्षा बखूबी कर सकता है और करेगा। अजीत डोभाल का प्रभाव केवल सैन्यमामलों तक ही सीमित नहीं है। वह एक कुशल राजनयिक भी हैं, जिन्होंने दुनिया भर के महत्वपूर्ण देशों के साथ मजबूत संबंध बनाए हैं। इन संबंधों ने भारत की स्थिति को वैश्विकस्तर पर बहुत मजबूत बनाया है, जिसने देश को आर्थिक और राजनीतिक रूप से बहुत मदद की है। जम्मू-कश्मीर की स्थिति को बदलनेवाले अनुच्छेद 370 को हटाने में डोभाल की भूमिका उनकी रणनीतिक सोच का एक और बड़ा उदाहरण है। उन्होंने यह अच्छी तरह समझा कि स्थिति कितनी संवेदनशील और जटिल थी। उन्होंने यह सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई कि इस कदम को सुचारु रूप से लागू किया जाए, जिसका उद्देश्य क्षेत्र में शांति और स्थिरता लाना है। देश के भीतर आंतरिक सुरक्षा को बनाए रखने में डोभाल की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उन्होंने उन क्षेत्रों में शांति लाने के लिए कड़ी मेहनत की है, जो लंबे समय से अशांत होकर हिंसा से त्रस्त हैं। डोभाल के सतत प्रयासों से अब कई लोगों के लिए सामान्य जीवन को बहाल करने में बहुत सहायता मिली है। इन क्षेत्रों में उनके प्रयासों ने स्थिरता को सुनिश्चित करने का व्यापक प्रयास किया है।

डोभाल भारत की सुरक्षा एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने के भी प्रबल समर्थक रहे हैं। वह समझते हैं कि खतरों का प्रभावी ढंग से जवाब देने के लिए, सुरक्षा तंत्र के सभी हिस्सों को एक साथ मिलकर काम करने की जरूरत है। इस एकीकृत दृष्टिकोण ने भारत की सुरक्षा को और अधिक मजबूत और लचीला बना दिया है। वामपंथी-चरमपंथी उग्रवाद से निपटने में, डोभाल की रणनीतियाँ अत्यधिक प्रभावी रही हैं। उन्होंने परिवर्तन लाने के लिए बल और विकास परियोजनाओं के मिश्रण का उपयोग करते हुए माओवादी समूहों के प्रभाव को कमजोर करने का काम किया है। इस संतुलित दृष्टिकोण ने उन क्षेत्रों को पुनः प्राप्त करने में मदद की है, जो कभी पूरी तरह विद्रोहियों के नियंत्रण में थे।

हिंसक षडयंत्र से आयोग को रहना होगा बेहद सतर्क

-डॉ. रवीन्द्र अजरारिया-

लोकसभा चुनावों के जनादेश को देखते हुए आईएनडीआईए गठबंधन बेहद उत्साहित है जबकि एनडीए अपने खोयी हुई लोकप्रियता को वापिस लाने के लिए जी-तोड कोशिश कर रहा है। हरियाणा के चुनावों को प्रभावित करने के लिए पंजाब की सत्ताधारी आम आदमी पार्टी पूरी तरह जुट गई है। खालिस्तान समर्थकों की एक बडी जमात सक्रिय हो चुकी है जो किसानों के वेष में नये पैतरे आजमाने हेतु अपने सीमापार के आकाओं के संकेत की प्रतीक्षा में है।

देश के दो राज्यों में चुनावों का बिगुल फूंका जा चुका है। जम्मू-कश्मीर राज्य में निर्वाचन की घोषणा के साथ ही अतीत की यादें ताजा हो जातीं है जब सेना के जवान मतपेटियों के साथ अपने गन्तव्य की ओर प्रस्थान करते थे तब सीमापार के षड़यंत्र को अमली जामा पहनाने वाले मीरजाफरों की फौज ने अपने खास सिपाहसालारों की दम पर न केवल पथराव कराया था बल्कि बेखौफ झूमाझटकी भी करने का दुस्साहस भी किया था। सेना के अधिकारी व्दारा स्वयं की सुरक्षा तथा राष्ट्रीय सम्पत्ति के संरक्षण हेतु जब एक आतंकी को जीप में बांधकर सुनियोजित भीड से निकलने का प्रयास किया तब उसे सरकारी डंडे व्दारा लहूलुहान करने की कोशिशें की गईं। वह मंजर आज भी जम्मू-कश्मीर के तत्कालीन हालातों की दुःखद यादों को ताजा कर देता है। वहां दस वर्षो बाद हुए चुनावी ऐलान में पूरी तस्वीर बदली हुई है। अब विशेष राज्य का दर्जा देने वाला आर्टिकल 370 हट चुका है, लद्दाख को अलग करके जम्मू-कश्मीर को केन्द्र शासित प्रदेश बना दिया गया है। नवीन परिसीमन के बाद 7 सीटें बढ चुकीं हैं। आंकडों के आइने पर नजर डालें तो सन् 2014 में हुए विधानसभा चुनाव में कुल 111 सीटें थी जिनमें से 24 सीटें पाक अधिकृत जम्मू-कश्मीर के लिए आरक्षित रहीं थी जहां चुनाव नहीं हुए, शेष 87 पर चुनाव हुआ था। इन 87 सीटों में लद्दाख की 4 सीटें भी शामिल थीं। तब पीडीपी को 28 सीटें मिलीं थी जिसने बहुमत हेतु भाजपा की 25 सीटों के साथ गठबंधन किया और सरकार बनाई। यह सरकार लगभग 18 माह ही चल सकी। दौनों राजनैतिक दलों की नीतिगत साझेदारी टूटते ही जून 2018 में राष्ट्रपति शासन लागू हो गया। अगले वर्ष 5 अगस्त 2019 को आर्टिकल 370 हटाने के बाद जम्मू-कश्मीर और लद्दाख को अलग-अलग हिस्सों में विभक्त करके उन्हें केन्द्र शासित प्रदेश बना दिया गया। जम्मू-कश्मीर में विधानसभा बनी लेकिन लद्दाख में नहीं बनी। इसी क्रम में परिसीमन आयोग ने 5 मई 2022 को अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की जिसमें जम्मू-कश्मीर की 107 सीटों को बढाकर 114 कर दिया गया। नये परिसीमन में जम्मू के खाते में 43 सीटें तथा कश्मीर के खाते में 47 सीटें आईं हैं। इस बार यहां पर भारतीय जनता पार्टी, कांग्रेस, पीडीपी तथा नेशनल कांफ्रेंस के साथ-साथ जम्मू रिपब्लिक पार्टी, जम्मू कश्मीर पिपुल मूमेन्ट, सीपीआई, सीपीआई(एम) सहित एक दर्जन राजनैतिक दल अपने प्रत्याशी मैदान में उतार सकते हैं। वर्तमान में हिन्दू बाहुल्य जम्मू में भाजपा और कांग्रेस अपने वर्चस्व को बढाने में लगी है जबकि मुस्लिम बाहुल्य कश्मीर में पीडीपी और नेशनल कांफ्रेंस में रस्साकशी चल रही है। ज्ञातव्य है कि तब मार्च 2024 को लोकसभा चुनावों की घोषणा के दौरान मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार ने स्पष्ट किया था कि जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने सुरक्षात्मक कारकों को रेखांकित करते हुए दौनों चुनावों को एक साथ कराने से मनाकर दिया है। इसी श्रंखला में यह भी उल्लेख करना आवश्यक है कि देश के उच्चतम न्यायालय की 5 न्यायाधीशों वाली संविधान पीठ ने दिसम्बर 2023 में आर्टिकल 370 पर फैसला सुनाते हुए कहा था कि संविधान के अनुच्छेद 1 और 370 से स्पष्ट है कि जम्मू और कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है। भारतीय संविधान के सभी प्राविधान वहां लागू हो सकते हैं। इसके साथ ही उच्चतम न्यायालय की उक्त पीठ ने 30 सितम्बर 2024 तक विधानसभा चुनाव कराने के आदेश भी दिये थे जिसके तहत विगत शुक्रवार को मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार ने अपने सहयोगी ज्ञानेश कुमार तथा डा. सुखवीर सिंह संधू की मौजूदगी में जम्मू-कश्मीर सहित हरियाणा विधानसभा के चुनावों की भी घोषणा कर दी। जम्मू-कश्मीर की 90 विधानसभा सीटों पर तीन चरणों में तथा हरियाणा की भी 90 सीटों पर एक चरण में मतदान होगा जबकि दौनों राज्यों के परिणामों की घोषणा 4 अक्टूबर को एक साथ की जायेगी। जम्मू-कश्मीर में 18 सितम्बर को 24 सीटों पर, 25 अक्टूबर को 26 सीटों पर तथा 1 अक्टूबर को 40 सीटों पर मतदान होगा जबकि हरियाणा की सभी 90 सीटों पर 1 अक्टूबर को ही मतदान होगा। हरियाणा के राजनैतिक परिदृश्य में रेखांकित करने योग्य आधारभूत बदलाव नहीं आये हैं। यहां पर भारतीय जनता पार्टी, कांग्रेस, जननायक जनता पार्टी, इंडियन नेशनल लोकदल, जजपा, आम आदमी पार्टी सहित अन्य दल भी अपनी किस्मत आजमाने हेतु प्रत्याशियों को मैदान में उतारने की तैयारी में हैं। लोकसभा चुनावों के जनादेश को देखते हुए आईएनडीआईए गठबंधन बेहद उत्साहित है जबकि एनडीए अपने खोयी हुई लोकप्रियता को वापिस लाने के लिए जी-तोड कोशिश कर रहा है। हरियाणा के चुनावों को प्रभावित करने के लिए पंजाब की सत्ताधारी आम आदमी पार्टी पूरी तरह जुट गई है। खालिस्तान समर्थकों की एक बडी जमात सक्रिय हो चुकी है जो किसानों के वेष में नये पैतरे आजमाने हेतु अपने सीमापार के आकाओं के संकेत की प्रतीक्षा में है। पंजाब से ऐसा ही प्रयास हिमाचल के चुनावों में किया गया था जब दो राज्यों के मध्य अधिकारों की जंग छिड गई थी। दौनों राज्यों के चुनावी काल में पाकिस्तान के रास्ते चीनी और अमेरिकी साजिशें देश के भितरघातियों के माध्यम से अपने करतब दिखाने की पूरी कोशिश करेंगी। जम्मू-कश्मीर में पाकिस्तानी कमांडोज का आतंकियों के लबादे में हमले करना, बंगाल के रास्ते रोहिंग्याओं सहित घुसपैठियों की आपराधिक हरकतें करना, लोकसभा-राज्यसभा में विपक्ष व्दारा अशोभनीय कृत्य करना, खालिस्तान समर्थकों का क्षेत्र में आतंक फैलाना आदि कुछ ऐसे कारक हैं जिनके आधार पर यह कहना अतिशयोक्ति न होगा कि चुनाव काल में आयोग को रहना होगा बेहद सतर्क अन्यथा अप्रिय घटनाओं के लिए कमर कसकर बैठे भितरघातिये अपने आकाओं व्दारा निर्धारित किये गये हिंसक षडयंत्र को मूर्तरूप देने से नहीं चूकेंगे। इस बार बस इतना ही।

अल्पसंख्यकों की सुरक्षा यानी देश का मान सम्मान

-तनवीर जाफरी-

पड़ोसी देश बांग्लादेश में प्रधानमंत्री शेख हसीना की आवामी लीग सरकार के पतन के बाद से बांग्लादेश में व्यापक हिंसा हुई। वहां नौकरियों में विवादित आरक्षण व्यवस्था पर हुये राष्ट्रव्यापी विरोध तथा अपनी सरकार के विरुद्ध हुए व्यापक हिंसक प्रदर्शनों के बाद शेख हसीना प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देकर 5 अगस्त को भारत आ गई थीं। इस हिंसा के दौरान बांग्लादेश में आवामी लीग से जुड़े अनेक नेताओं सहित स्थानीय अल्पसंख्यकों विशेषकर हिंदू समुदाय के लोगों व उनके घरों व व्यवसायिक ठिकानों पर भी अनेक हमले हुए हैं। बांग्लादेश नेशनल हिंदू ग्रैंड अलायंस नाम के एक गैर-राजनीतिक हिन्दू संगठन के दावों के अनुसार पांच अगस्त को शेख हसीना सरकार के पतन के बाद से 48 जिलों में 278 स्थानों पर अल्पसंख्यक समुदाय को या तो हमलों अथवा धमकियों का सामना करना पड़ा है। निश्चित रूप से यह अत्यंत निंदनीय व गहन चिंता का विषय है। बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हुये हमले की गंभीरता को इस बात से भी समझा जा सकता है कि इसकी धमक संयुक्त राष्ट संघ में भी सुनाई दी है। स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15 अगस्त को 78वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर लाल किले से अपने सम्बोधन में कहा कि बांग्लादेश में जो कुछ हुआ है उसको लेकर पड़ोसी देश के नाते हमें चिंता होना स्वाभाविक है। मैं आशा करता हूं कि वहां हालात जल्द सामान्य होंगे। 140 करोड़ देशवासियों की चिंता यह है कि वहां हिंदू, अल्पसंख्यक समुदाय की सुरक्षा सुनिश्चित हो। प्रधानमंत्री मोदी ने यह भी कहा कि भारत हमेशा चाहता है कि हमारे पड़ोसी देश सुख और शांति के मार्ग पर चले। शांति के प्रति हमारी प्रतिबद्धता है, हमारे संस्कार हैं। आने वाले दिनों में बांग्लादेश की विकास यात्रा के लिए हमेशा हमारी शुभेच्छा रहेगी, क्योंकि हम मानव जाति की भलाई के बारे में सोचने वाले लोग हैं।

प्रधानमंत्री मोदी की इस चिंता का ही परिणाम था कि बांग्लादेश में अंतरिम सरकार के प्रमुख प्रो. मोहम्मद यूनुस ने प्रधानमंत्री मोदी से फोन पर बातचीत की और बांग्लादेश में हिंदुओं और सभी अल्पसंख्यकों की सुरक्षा व संरक्षण का आश्वासन दिया। प्रो. मोहम्मद यूनुस हिन्दू समुदाय के साथ एकजुटता दिखाते हुए बांग्लादेश के सबसे प्रमुख हिंदू मंदिर ढाकेश्वरी मंदिर भी गए और हिंदू समुदाय के लोगों को बंगलादेश के परिवार का सदस्य बताते हुये उन्हें पूर्ण सुरक्षा का आश्वासन भी दिया। परन्तु बांग्लादेश की घटनाओं को लेकर हमारे देश में चिंताओं के साथ साथ अफवाहों का बाजार भी बहुत गर्म रहा। केवल सोशल मीडिया ही नहीं बल्कि वाट्सएप जैसे फेक न्यूज फैलाने वाले माध्यम को ही आधार मानकर देश के अनेक गोदी मीडिया चैनल्स ने उन्हीं फेक न्यूज को प्रसारित कर भारत में भी तनाव बढ़ाने की पूरी कोशिश की। ऐसे अनेक टी वी चैनल व अखबार जिनके नेटवर्क बांग्लादेश में नहीं हैं वे सभी वाट्सएप व फेक न्यूज का सहारा लेकर विचलित कर देने वाली झूठी वीडिओ चलाकर अपना एजेंडा थोपने में लगे थे।

भारत में इसी तरह के झूठ को प्रसारित कर यह भ्रम फैलाने की कोशिश की गयी कि बांग्लादेश में हिन्दुओं का नरसंहार हो रहा है तथा वहां हिन्दू महिलाओं के साथ सामूहिक बलात्कार किया जा रहा है। हद तो यह है इस झूठे प्रचार तंत्र ने 2021 के अपने ही देश में बंगलौर में हुये एक सामूहिक बलात्कार के विडिओ क्लिप को बांग्लादेश में हिन्दू महिलाओं के साथ बलात्कार का क्लिप बताकर प्रसारित कर दिया? बांग्लादेश में वहां की क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान मशरफे मुर्तजा के घर में आग लगा दी गयी। मुर्तजा 2 बार आवामी लीग के सांसद चुने गए थे तथा शेख हसीना के करीबी लोगों में थे। इसीलिये प्रदर्शनकारियों ने उन्हें निशाना बनाया परन्तु भारत में यह दिखाया गया कि बांग्लादेश टीम के हिन्दू क्रिकेटर लिटन दास के घर को जला दिया गया। मजे की बात तो यह है कि भारत में अपने घर को जलने की खबर खुद लिटन दास अपने ही घर में भारतीय टीवी चैनल पर देखते नजर आये। क्या यही विश्वसनीयता है हमारे देश के फरेबी बेलगाम पूर्वाग्रही मीडिया की? इसी तरह बांग्लादेश के मशहूर शहर चिटगांव में शेख हसीना के एक करीबी सलमान फजलुर्रहमान की दुकान में आग लग दी गयी देश के एक साम्प्रदायिकता भड़काने वाले टीवी चैनल ने इसे हिन्दू व्यक्ति का घर जलाने के नाम से प्रसारित कर हमारे देश में नफरत फैलाई। वहां का एक प्रसिद्ध राज कॉफी एंड रेस्टूरेंट शॉप को आग लगाई गयी उस रेस्टूरेंट भवन को मंदिर भवन में आग लगना बताया गया।

इसी तरह एक वीडिओ हिन्दू महिला के अपहरण की वीडिओ बताकर चलायी गयी। जबकि यह छ महीने पुराना वीडिओ था जिसमें किसी हिन्दू समुदाय के एक नशेड़ी पति द्वारा अपनी ही पत्नी का अपहरण कराया गया था जो उसे छोड़कर चली गयी थी। एक पूरे मुस्लिम परिवार को मारा गया उसे हिन्दू परिवार बताया गया। एक विडिओ हिन्दू व्यक्ति को तालाब में पत्थर मार मारकर डुबोने की बताकर वायरल की गयी। जबकि यह मौलवी बाजार जिला बांग्लादेश की वीडिओ है जिसमें आवामी लीग का सेक्रेटरी जोकि स्थानीय मेयर भी है, उसे लोग तालाब में पत्थर मार कर उसे डुबोना चाह रहे हैं। ऐसे सैकड़ों झूठे मनगढ़ंत समाचार चलाकर बांग्लादेश के बहाने भारत में नफरत फैलाने की कोशिश उसी वर्ग द्वारा की गयी जो दिन रात अपने इसी एकमात्र उद्देष्य में लगा हुआ है।

सवाल यह भी है कि जब मुख्य मीडिया व आई टी सेल के प्रचारतंत्र द्वारा बार बार बांग्लादेश की हिंसा को हिन्दू विरोधी बताकर वहां 'हिन्दुओं का नरसंहार' व 'महिलाओं का सामूहिक बलात्कार' बताया गया। देश में सैकड़ों जगह प्रदर्शन कर 'बांग्लादेश में नरसंहार' व 'हिन्दू महिलाओं का सामूहिक बलात्कार' जैसे शब्द प्रयोग में लाये गए तो आखिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने भाषण में वह शब्द क्यों नहीं इस्तेमाल किये? विदेश मंत्री जयशंकर ने इन शब्दों का प्रयोग क्यों नहीं किया? उसी बांग्लादेश से ऐसे वीडिओ व चित्र भी आये जहां स्थानीय मुस्लिम समुदाय के लोग दिन रात मंदिरों की रखवाली करते दिखाई दिये? सेना की टुकड़ी मंदिर की रक्षा करते व फौजी सौहार्दपूर्ण वातावरण में पुजारी के हाथों जलपान करते दिखाई दिये।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, **विक्रम राज** द्वारा हाऊस नं. आर-132 ब्लॉक-ए नियर मेन नसीरपुर रोड डाबरी पालम गांव न्यू दिल्ली-110045 से प्रकाशित एवं आर.डी. प्रिंटर्स पब्लिसर प्राइवेट लिमिटेड ए-41 सेक्टर-8 नोएडा-201301 उत्तर प्रदेश से मुद्रित। **सम्पादक : विक्रम राज**
समाचारों के चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदारी। समाचार पत्र में लेखकों द्वारा व्यक्त किए गए विचारों से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। न्यायलय संबंधी सभी मामले दिल्ली न्यायालय में ही निपटाए जाएंगे। RNI NO.- DELHIN/2023/86360. Telephone No.-011-49385179

चंडीगढ़ में खिलाड़ियों का सम्मान: हॉकी खिलाड़ियों को एक-एक करोड़, CM मान बोले- अंतरराष्ट्रीय टूनार्मेंट जल्द

चंडीगढ़। पेरिस ओलंपिक में देश व प्रदेश का नाम रोशन करने वाले पंजाब के खिलाड़ियों को आज चंडीगढ़ में सम्मानित किया गया। पंजाब सरकार की तरफ से रविवार को चंडीगढ़ में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें पेरिस ओलंपिक में हिस्सा लेने वाले प्रदेश के खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया है। इस दौरान सीएम भगवंत मान की तरफ से कांस्य पदक विजेता हॉकी टीम के खिलाड़ियों को एक-एक करोड़ रुपये की इनामी राशि देकर उनको सम्मानित किया है। साथ ही ओलंपिक में हिस्से लेने वाले प्रत्येक खिलाड़ी को 15-15 लाख रुपये की राशि के चेक दिए गए।

खिलाड़ियों को सम्मानित किए जाने के दौरान मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि हॉकी को बढ़ावा देने के लिए काम किया जा रहा है।

जल्द मोहाली में अंतरराष्ट्रीय हॉकी टूनार्मेंट करवाया जाएगा। इसके लिए विदेश की टीमों को बुलाया जाएगा। टूनार्मेंट को लेकर भारतीय हॉकी फेडरेशन के साथ बात चल रही है। बेल्जियम, स्पेन, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड की टीमों को न्योता प्रतियोगिता के लिए न्योता देंगे। सेक्टर-26 में सुबह 11 बजे कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में राज्य सरकार की तरफ से कुल 9.35 करोड़ रुपये की राशि खिलाड़ियों को जारी की गई। कार्यक्रम के दौरान पंजाब के सभी 10 हॉकी खिलाड़ी मुख्यमंत्री भगवंत मान के साथ मंच पर बैठे हुए थे। सीएम मान की कुर्सी खिलाड़ियों के बीचों-बीच लगाई गई थी।

पेरिस ओलंपिक में भारतीय हॉकी के कांस्य पदक विजेता पंजाब के खिलाड़ियों को नशे के खिलाफ ब्रांड अबेंसेडर बनाया जाएगा। खिलाड़ियों पर डॉक्यूमेंट्री बनाई जाएगी। इसके अलावा नशे के खिलाफ ऐड बनाए जाएंगे जिससे पंजाब के युवा नशे की तरफ न जाएं। भारतीय हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा कि पेरिस ओलंपिक में ब्रांज मेडल मुकाबले से पहले सभी खिलाड़ी सोशल मीडिया से दूर रहे। यही वजह रही कि हम सेमीफाइन तक पहुंचे। खिलाड़ियों ने अच्छा प्रदर्शन किया। ब्रांज मेडल मैच में जीत दर्ज की और देश के लिए मेडल जीता।

मुख्यमंत्री मान ने कहा कि पंजाब के खिलाड़ियों ने ओलंपिक में जो प्रदर्शन किया है वह तारीफ के काबिल है। देश की टीम में 10 हॉकी खिलाड़ी पंजाब के हैं। यह प्रदेश के लिए गर्व की बात है। ओलंपिक खिलाड़ियों ने पदक जीतकर पंजाबियों के खून में नया जोश भरा है। इस राज्य के नौजवानों को एक नई दिशा मिली है। कार्यक्रम में कई मंत्री विधायक और अधिकारी मौजूद रहे।

बता दें कि हॉकी टीम में पंजाब के 10 खिलाड़ी शामिल हैं, जिनको सम्मानित किया गया है। इनमें हरमनप्रीत सिंह, जरमनप्रीत सिंह, मनप्रीत सिंह, हार्दिक सिंह, शमशेर सिंह, गुरजंट सिंह, मनदीप सिंह, सुखजीत सिंह, किशन बहादुर पाठक और जुगराज सिंह शामिल हैं। इसके अलावा शूटिंग में छह, शॉटपुट, एथलेटिक्स और गोल्फ में पंजाब के एक-एक खिलाड़ी ने ओलंपिक में हिस्सा लिया था, इनको भी 15-15 लाख रुपये की राशि के साथ सम्मानित किया गया। भारत की हॉकी टीम ने ओलंपिक में लगातार दो बार पदक जीता है। इससे पहले टोक्यो ओलंपिक में भी टीम पदक जीतने में सफल रही थी।

जजपा को एक और झटका, बरवाला विधायक जोगी राम सिहाग ने छोड़ी पार्टी

चंडीगढ़। हरियाणा विधानसभा चुनाव की घोषणा के बाद से जननायक जनता पार्टी (जजपा) के कई विधायक व नेता पार्टी छोड़ चुके हैं। वहीं रविवार को एक और विधायक ने पार्टी को अलविदा कह दिया है। जजपा के बरवाला से विधायक जोगी राम सिहाग ने इस्तीफा दे दिया। इससे पहले जजपा के चार विधायक पार्टी को छोड़ चुके हैं। जोगी राम सिहाग पांचवें विधायक हैं जिन्होंने पार्टी से इस्तीफा दिया है। बरवाला से विधायक जोगी राम सिहाग पर जजपा पहले ही भाजपा के पक्ष में रहने का आरोप लगा चुकी है। जजपा पहले ही जोगी राम सिहाग और राम निवास सुरजाखेड़ा को अयोग्य करार देने का पत्र विधानसभा अध्यक्ष को लिख चुकी है। भाजपा से सिहाग का टिकट तय माना जा रहा है। इससे पूर्व उकलाना से विधायक अनूप

धानक, टोहाना से देवेंद्र बबली, गुहला चीका से ईश्वर सिंह और शाहबाद से रामकरण काला ने इस्तीफा दिया था।सूत्रों के मुताबिक जोगी राम सिहाग का भाजपा की ओर से बरवाला से टिकट पक्की मानी जा रही है। जजपा की हालत और अपनी टिकट पक्की होने के बाद सिहाग ने पार्टी से इस्तीफा दिया है। लोकसभा चुनाव में विधायक जोगी राम सिहाग व राम निवास ने भाजपा के पक्ष में प्रचार किया था। हालांकि पार्टी से इन लोगों ने तब तक इस्तीफा नहीं दिया था, मगर पार्टी इन्हें कार्यक्रमों में नहीं बुलाती थी। अब जोगी राम ने इस्तीफा दे दिया है।

2019 में छोड़ी थी भाजपा...

जोगी राम सिहाग 2019 में बीजेपी से टिकट नहीं मिलने से नाराज होकर जजपा में शामिल हुए थे। 2019 के हरियाणा विधानसभा चुनाव में उन्होंने भाजपा उम्मीदवार सुरेंद्र पुनिया को हराया था। हिसार की बरवाला विधानसभा सीट से जोगी राम सिहाग 45 हजार से ज्यादा वोटों से जीत दर्ज की थी। हरियाणा के हिसार जन्मे जोगी राम सिहाग किसान परिवार से आते हैं, वह 12वीं पास हैं।

पार्टी में बचे तीन विधायक...वहीं, रामकुमार गौतम भी लंबे समय से किनारा किए हुए हैं। ऐसे में 2019 में 10 विधायकों के साथ किंगमेकर बनी जजपा में अब केवल तीन विधायक ही रह गए हैं। इनमें जींद के उचाना कलां से विधायक दुष्यंत चौटाला, उनकी मां बाढड़ा से विधायक नैना चौटाला व जुलाना से विधायक अमरजीत ढांडा है।

रोडवेज प्रशासन ने कसी कमर: रक्षाबंधन पर्व पर महिलाओं के लिए फ्री सफर, हरियाणा के बस अड्डों पर मेले जैसा माहौल

कुरुक्षेत्र। भाइयों की कलाई पर राखी बांधने के लिए महिलाओं का सफर आरामदेह हो सके, इसके लिए रोडवेज विभाग ने कमर कस ली है। इसके लिए कुरुक्षेत्र रोडवेज डिपो की ओर से तैयारियां पूरी कर ली गई है तो वहीं रक्षाबंधन से एक दिन पहले ही यात्रियों की भीड़ बढ़ने लगी है। डिपो की ओर से 15 से ज्यादा कर्मचारियों को नए बस अड्डे, पुराने बस अड्डे, बिरला मंदिर व पिहोवा बस अड्डे पर तैनात किया गया है। इन कर्मचारियों में छह निरीक्षक व सात उप निरीक्षकों सहित कई अन्य कर्मचारी भी शामिल रहेंगे। महिलाओं को सफर के दौरान किसी भी तरह की दिक्कत न हो, इसके लिए आदेश विभाग की ओर से जारी किए गए है। रक्षाबंधन पर्व 19 अगस्त को मनाया जा रहा है,

जिसके चलते रक्षाबंधन पर महिलाओं के साथ 15 साल तक के बच्चे भी बस में निशुल्क सफर कर सकेंगे। रोडवेज के अधिकारियों के मुताबिक महिलाएं 18 अगस्त दोपहर 12 बजे से लेकर 19 अगस्त रात 12 बजे तक फ्री सफर कर सकेंगी। महिलाओं से रोडवेज की साधारण बसों में सफर करने पर किसी भी तरह का भुगतान नहीं करना होगा।

तैनात किए गए 15 से ज्यादा कर्मचारी...डिपो ड्यूटी निरीक्षक बहादुर सिंह का कहना है कि रक्षाबंधन पर्व पर महिलाओं के साथ आए 15 साल तक के बच्चे को सफर के दौरान किसी भी तरह का भुगतान नहीं करना होगा। महिलाओं को किसी भी तरह की दिक्कत न हो, इसके लिए 15 से ज्यादा कर्मचारी बस अड्डों पर तैनात किए गए हैं, इन कर्मचारियों में छह निरीक्षक व सात उप निरीक्षक भी शामिल रहेंगे।

झज्जर में यात्रियों की उमड़ी भीड़....झज्जर में दोपहर 12 बजे के बाद बस अड्डे पर यात्रियों की भीड़ उमड़ पड़ी। बस अड्डे पर मेले जैसा माहौल दिखाई दिया। हालांकि लोगों को बसें समय पर नहीं मिलने के कारण परेशानी का सामना करना पड़ा। झज्जर डिपो में रोडवेज के पास कुल 113 बसें हैं। इसमें से 16 बसें लंबे रूटों पर चलाई गई है जबकि बाकी बसों को लोकल रूटों पर भेजा जा रहा है। इसके लिए सभी चालक-परिचालकों की छुट्टियां रद्द कर दी गई हैं। इसके अलावा अतिरिक्त बसें भी लगाई गई हैं।

सीएम नायब सैनी का कांग्रेस पर तंज: बापू-बेटा हिसाब मांगते घूम रहे, सैलजा लड़ रही बांटने-खाने की लड़ाई

यमुनानगर। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि छछरौली की धरती से तीसरी बार हरियाणा में भाजपा सरकार बनाने का शंखनाद हुआ है। मंत्री कंवरपाल ने इस क्षेत्र में हुए कार्यों का हिसाब आपको दे दिया है। विपक्ष के पास आज बोलने को कुछ नहीं है। जब उनके पास कुछ नहीं बचा तो वह हिसाब मांगने के लिए यात्रा निकालने लगते हैं।आज हुड्डा साहब हिसाब मांगने के लिए पता नहीं कहां से आ गए। हम तो लोगों के बीच में हिसाब देते हैं। नायब सैनी ने कहा कि हमने यमुनानगर के दीन बंधू छोटू राम थर्मल पावर प्लांट की तीसरी यूनिट का शिलान्यास प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से करवाना था, लेकिन अचानक आचार संहिता लग गई। इस कार्यक्रम की सारी तैयारी हो चुकी थी। हुड्डा व दीपेंद्र दोनों बापू-बेटा हिसाब मांगते घूम रहे हैं।

कुमारी सैलजा तो बांटने-खाने की लड़ाई लड़ रही है। भाजपा की 10 साल की सरकार ने भ्रष्टाचार पर कड़ी चोट की है। छछरौली की बाबा बंदा सिंह बहादुर की तपोभूमि है। यह मां सरस्वती की भूमि है।

चार अक्तूबर को भाजपा स्पष्ट बहुमत से सरकार बनाएगी। नायब सैनी ने कहा कि मैंने भूपेंद्र हुड्डा से पांच सवाल पूछे थे। एक महीना हो गया आज तक हुड्डा ने एक भी सवाल का जवाब नहीं दिया। 525 करोड़ की पहली किस्त किसानों के खाते में मैंने व मंत्री कंवरपाल ने डाली। उस दिन भी मैंने पांच सवालों को दोहराया, फिर भी कोई जवाब नहीं दिया।

हुड्डा अकेले घूमते हुए कह रहे हैं कि किसानों की हालत खराब है। हुड्डा उस वक्त कहां थे जब 10 साल उनकी सरकारी थी। हुड्डा झूठ बोलना बंद करे। यह सब जानते हैं कि किसने लोगों के लिए काम किया है। हुड्डा का लड़का दीपेंद्र हुड्डा कहता है कि हरियाणा में बेरोजगारी बहुत हो रही है। दीपेंद्र को एक बार अपने पिता के कार्यकाल के बारे में भी देखना चाहिए। उस वक्त तो दीपेंद्र एसी वाले कमरे में पड़ा रहता था। उसे लोगों की समस्याओं के बारे में क्या पता। युवाओं को बिना खर्ची व पर्ची के नौकरी देने का काम भाजपा सरकार ने किया।

हमने तो एचसीएस अधिकारी भी बिना खर्ची व पर्ची के लगाए हैं। हुड्डा ने 100 गज के प्लाट देने के नाम पर राजनीति की। आज तक किसी को न तो कब्जा दिया और न ही कागज दिए। हमने प्लाटों पर कब्जा और कागज दोनों ही दिए हैं। हमने निर्णय लिया है कि जिन गांवों में 10 हजार से ज्यादा आबादी है वहां पर गरीबों को 50 वर्ग गज का प्लाट लोगों देंगे। इसके लिए पोर्टल को खोल दिया है। भूपेंद्र हुड्डा ने एक बार बिजली रैली की थी। जिसमें हुड्डा ने कहा था कि लोगों को 24 घंटे बिजली देंगे। परंतु किसी को बिजली नहीं मिली।

नायब सैनी ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का नाम लिए बिना कहा कि भूपेंद्र हुड्डा से बड़ा एक और नेता आ गया। जो कहता है कि यदि हरियाणा में उनकी सरकार बनी तो वह बिजली के मीटरों को ही उखाड़ फेंकेंगे। लोगों को 24 घंटें बिजली देंगे। सीएम ने कहा कि पीएम सूर्य घर योजना के तहत 1.80 लाख रुपये आय वालों के 300 यूनिट तक बिल जीरो हो जाएंगे। सारी सब्सिडी केंद्र व हरियाणा सरकार देगी। लोगों का एक पैसा खर्च नहीं होगा। उन्होंने लोगों से आह्वान किया कि वह तीसरी बाद भी अपना आशीर्वाद भाजपा को देकर सरकार बनाने में मदद करें।

बलराज कुंडू महम तो पत्नी लड़ेगी जुलाना से चुनाव

महम। हरियाणा जनसेवक पार्टी सुप्रीमो एवं महम के निवर्तमान विधायक बलराज कुंडू महम तो उनकी पत्नी एवं पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष परमजीत कुंडू जुलाना से विधानसभा चुनाव लड़ेंगी। एक दिन पहले कुंडू ने महम में हुए रक्षाबंधन समारोह में मंच से यह घोषणा की। कुंडू ने कहा कि बाकी टिकटों की घोषणा जल्द की जाएगी। कुंडू ने कहा कि महम, जुलाना, उकलाना व कलायत सीट पर भी पार्टी की कड़ी निगाह है। बता दें कि कुंडू भाजपा के 2014 से 2019 तक के कार्यकाल में भाजपा में न केवल शामिल हुए, बल्कि जिला परिषद के चेयरमैन बने। 2019 में महम से भाजपा की टिकट के प्रबल दावेदार थे, लेकिन पार्टी ने शमशेर खरकड़ा को महम का टिकट दिया। कुंडू ने निर्दलीय चुनाव लड़ा और कांग्रेस प्रत्याशी आनंद सिंह दांगी को हराकर जीत दर्ज की। भाजपा प्रत्याशी तीसरे स्थान पर रहे। 2019 में बनी भाजपा सरकार ने कुंडू की पटरी नहीं बैठी और वे विपक्ष में ही रहे।

राजस्थान से अफीम सप्लाई करने आए दो युवक मोगा में गिरफ्तार

मोगा पंजाब के साथ लगते राज्य राजस्थान से सूबे में नशा तस्करी हो रही है। मोगा धर्मकोट पुलिस ने ऐसे दो तस्करों को गिरफ्तार किया है, जो राजस्थान से नशे की खेप लेकर पंजाब पहुंचे थे। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गश्त के दौरान मोगा धर्मकोट रोड से गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपी युवकों से 2 किलो 700 ग्राम अफीम बरामद हुई है। दोनों आरोपी राजस्थान के रहने वाले हैं। जांच आधिकारी एएसआई परमिंदर सिंह ने बताया कि पुलिस पार्टी शनिवार शाम पांच बजे के करीब मोगा धर्मकोट रोड पर गश्त कर रही थी। इस दौरान पुलिस देखकर दो युवक मौके से भागने लगे। पुलिस को उनपर शक हुआ और उनका पीछा किया गया। दोनों को पकड़ कर उनकी तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान उनके पास से 2 किलो 700 ग्राम अफीम बरामद हुई है। पकड़े गए दोनों आरोपी

जस्सू राम और रावल राम वासी राजस्थान के रहने वाले हैं। दोनों आरोपी से इंस्टाग्राम पर बात हुई थी और मोगा अफीम की डेलवरी देने आए थे। दोनों पर थाना धर्मकोट थाना पुलिस ने एनडीपीएस के अधीन मामला दर्ज कर किया है। रविवार दोनों आरोपियों को अदालत में पेश करके पुलिस एक दिन का रिमांड गया है, ताकि अफीम आगे किसको बेचनी थी और इंस्टाग्राम पर किसके साथ बात हुई है इसकी जानकारी निकालनी है। इसके अलावा आरोपियों के साथ और कौन-कौन शामिल हैं। इस सारे मामले की जांच की जा रही है।

बॉर्डर पर नशा तस्करी की कोशिश नाकाम, पाकिस्तान से भेजी गई हेरोइन BSF ने पकड़ी, तलाशी जारी

फिरोजपुर। फिरोजपुर के साथ लगती पाकिस्तानी सीमा पर बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स (बीएसएफ) ने नशा तस्करों के नापाक इरादों पर पानी फेरा है। बीएसएफ के जवानों ने एक बार फिर से बदमाशों की नशा तस्करी की कोशिश को नाकाम किया है। बीएसएफ ने दोनों देशों की सीमा पर दुश्मन देश से लाई गई हेरोइन को जब्त किया है।

बीएसएफ ने फिरोजपुर के सीमावर्ती गांव माछीवाड़ा ब्लॉक ममदोट में हेरोइन का एक पैकेट

बरामद किया है। उक्त पैकेट में 500 ग्राम हेरोइन पाई गई है। यह पैकेट पाकिस्तान ड्रोन ने शनिवार रात को भारतीय सीमा से लगते गांव माछीवाड़ा के गांव में फेंका गया था। हालांकि अभी तक किसी भी नशा तस्कर ने इस हेरोइन के पैकेट को सीमा से उठाया नहीं था कि इससे पहले ही बीएसएफ ने सर्च ऑपरेशन के दौरान पैकेट को अपने कब्जे में लिया है।

रविवार सुबह बीएसएफ के जवानों ने सीमा पर सर्च अभियान चलाया। इस दौरान उक्त पैकेट को बरामद किया है। पैकेट पीली टेप से लिपटा था और लाल रंग की चमकीली टेप लगाई हुई थी ताकि ड्रोन से आसमान से फेंका गया पैकेट बरामद करने वाले व्यक्ति को इसके बारे में आसानी से पता चल सके। हालांकि अभी भी सीमा पर जवानों की तरफ से तलाशी अभियान चलाया जा रहा है।

पूर्व भारतीय क्रिकेटर हरभजन सिंह बोले- देश की बेटी को जल्द न्याय मिले

चंडीगढ़। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में रेप मर्डर की घटना पर पूर्व भारतीय क्रिकेटर और आम आदमी पार्टी (आप) सांसद हरभजन सिंह ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। हरभजन सिंह ने कहा कि हाल ही में कोलकाता में हमारे देश की बेटी के साथ जो हुआ वह बहुत गलत था। देश की बेटी तो चली गई लेकिन उसे न्याय दिलाना जरूरी है। उसे न्याय दिलाने के लिए हम सभी को एकसाथ आना चाहिए। हरभजन सिंह ने कहा कि राजनीतिक दल इस घटना को पॉलीटिकल मुद्दा न

बनाएं। बल्कि जो बेटी अब इस दुनिया में नहीं है उसे जल्द से जल्द न्याय दिलाना चाहिए। मेरा ममता दीदी, राज्यपाल, पीएम नरेंद्र मोदी, राष्ट्रपति और देश के सभी बड़े नेताओं से अनुरोध करता हूं कि यही समय है जब हम सभी को मिलकर इस घटना के दोषियों के खिलाफ एकजुट होना चाहिए। पूर्व क्रिकेटर भज्जी ने कहा कि मिलकर ऐसा कानून बनाएं कि अगर भविष्य में कोई भी व्यक्ति ऐसा घिनौना कृत्य करेगा तो उसे यह ध्यान रखना होगा कि इसके परिणाम क्या होंगे। अपराधियों को कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए। हम नहीं चाहते कि आने वाले समय में ऐसा कोई भी काम हो कि जिससे हमारा सिर शर्म से झुक जाए। इधर पीजीआई चंडीगढ़ में डॉक्टरों का विरोध जारी है। रविवार सुबह चंडीगढ़ की लाइफ लाइन सुखना लेक पर कोलकाता की घटनाओं को लेकर पीजीआई के डॉक्टरों ने एक वॉकथन का आयोजन किया।

भूना के 5 विद्यार्थी राष्ट्रपति को राखी बांधने जाएंगे दिल्ली, प्रदेश से दो स्कूलों के छात्रों का चयन

फतेहाबाद। फतेहाबाद के भूना राजकीय मॉडल संस्कृति सीनियर सेकेंडरी स्कूल के पांच विद्यार्थियों का रक्षाबंधन पर्व पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को राखी बांधने के लिए चयन हुआ है। इनमें तीन छात्राएं व दो छात्र शामिल हैं। इन पांचों विद्यार्थियों के साथ प्रिंसिपल नरेश कुमार शर्मा को भी विशेष रूप से आमंत्रित किया गया है। विद्यार्थियों का चयन हरियाणा

स्कूल शिक्षा परियोजना परिषद के निदेशालय की ओर से किया गया है। प्रिंसिपल नरेश कुमार शर्मा ने बताया कि पूरे देश से 40 स्कूलों का चयन किया गया है। इसमें हरियाणा से दो स्कूलों का चयन हुआ है। इनमें एक स्कूल जिला महेंद्रगढ़ से जबकि दूसरा स्कूल फतेहाबाद जिले से भूना का राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय चुना गया है। भूना में 11वीं कक्षा से छात्रा परी, 10वीं कक्षा से नीरज, वंदना व हर्षिता तथा कक्षा नौवीं से युग श्योराण रक्षाबंधन का त्योहार राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के साथ मनाएंगे।नीरज गीता जयंती में प्रश्नोत्तरी में राज्य स्तर, हर्षिता पेंटिंग में राज्य स्तर, वंदना स्किट में राज्य स्तर, परी शैक्षणिक गतिविधियों और युग श्योराण कराटे में जिला स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर चयनित हुए हैं। जिले के पांच विद्यार्थियों का चयन होने पर जिला शिक्षा अधिकारी संगीता बिश्नोई, जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी वेद दहिया, खंड शिक्षा अधिकारी नरेंद्र शर्मा ने प्रसन्नता जाहिर की है।

संकट में किंगमेकर जजपा, 90 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ना चुनौती

चंडीगढ़ पिछले विधानसभा चुनाव की किंगमेकर जननायक जनता पार्टी (जजपा) संकट में है। पार्टी के सामने बड़ी चुनौती यही है कि 90 विधानसभा सीटों में एकजुट होकर भाजपा-कांग्रेस का मुकाबला कैसे किया जाए। विधायक व कार्यकर्ता पार्टी छोड़कर जा रहे हैं। पार्टी के पास अब सिर्फ तीन ही विधायक बचे हैं। अजय चौटाला, दुष्यंत चौटाला, नैना चौटाला के अलावा कोई चेहरा भी नहीं बचा है। हालांकि पार्टी का दावा है कि वह मजबूत स्थिति में है और सभी सीटों पर चुनाव लड़ेगी।

2019 के विधानसभा चुनाव में जजपा ने करीब 14.80 फीसदी वोट हासिल किए थे और दस सीटों

पर जीत हासिल की थी। कई जगह ऐसा मुकाबला था, जहां पार्टी को जितने वोट मिले थे, उतने वोटों से भाजपा व कांग्रेस की हार हुई थी। जजपा के बेहतरीन प्रदर्शन के चलते राजनीतिक हलकों में माना जा रहा था कि चौधरी देवीलाल की विरासत को दुष्यंत आगे लेकर जाएंगे, लेकिन फिलहाल स्थितियां जजपा के हाथ से निकलती हुई नजर आ रही हैं।बीते लोकसभा चुनाव में पार्टी ने दसों लोकसभा सीटों पर उम्मीदवार उतारे मगर कहीं भी जीत हासिल नहीं हुई। सिर्फ 0.87 फीसदी वोट मिले। सभी उम्मीदवारों की जमानत जब्त हो गई। उसके बाद से पार्टी छोड़ने वालों का तांता लगा है। पार्टी के सात विधायक बगावत पर उतर आए। यहां तक कि पार्टी के अध्यक्ष निशान सिंह, जो पार्टी के शीर्ष नेताओं के वफादार माने जाते थे, वह भी पार्टी छोड़कर चले गए। इसी तरह से अनूप धानक भी अजय चौटाला के काफी करीबी हैं, वह भी इस्तीफा दे चुके हैं।लोकसभा चुनाव के बाद संगठन का पुनर्गठन किया

लोकसभा चुनाव में करारी हार के बाद पार्टी ने अपने संगठन का पुनर्गठन करने का काम शुरू किया। पिछले दिनों सभी 22 जिला अध्यक्षों को बदल दिया। इसके साथ ही एक दिन पहले संगठन को मजबूत करते हुए 50 पदाधिकारियों की सूची जारी की। मगर पार्टी के सामने दिक्कत यह है कि उनके पास परिवार के अलावा कोई बड़ा चेहरा बचा नहीं है, जो पार्टी को जमीनी स्तर पर मजबूत कर सके। हालांकि चुनाव की घोषणा के बाद दुष्यंत ने कहा कि जजपा विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए पूरी तरह से तैयार है। पार्टी के कार्यकर्ता चुनाव जीतने के लिए दिन-रात एक कर देंगे।

किसान आंदोलन की वजह से रही नाराजगी...जजपा को सबसे बड़ा नुकसान किसान आंदोलन की वजह से हुआ है। आंदोलन के दौरान जजपा भाजपा के साथ सरकार में शामिल थी। किसान आंदोलन के पक्ष में पार्टी का रुख स्पष्ट नहीं था। इस वजह से उसे भारी आलोचना झेलनी पड़ी। लोकसभा चुनाव में दुष्यंत को जगह-जगह इसका विरोध भी झेलना पड़ा था।

पंजाब में चली गोलियां: बस स्टैंड पर युवक को मारी सात गोलियां, मौत, मचा हड़कंप

मानसा। पंजाब के मानसा में रविवार सुबह एक युवक की कई गोलियां मारकर हत्या कर दी गई। मानसा के गांव कोटली कलां में बस स्टैंड पर बैठे युवक पर दो हमलावरों ने दनादन गोलियां बरसा दी। आरोपियों ने युवक पर सात गोलियां बरसाई, जो उसके कंधे, सिर व पीठ पर लगी और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान गांव कोटली कलां के 26 वर्षीय सुखविंदर सिंह छिंदा के तौर पर हुई है। बताया जा रहा है कि युवक की हत्या पुरानी रंजिश में की गई है। हमलावार मौके से फरार हो गए। फायरिंग की घटना के बाद वहां हड़कंप मच गया। पुलिस ने

हमलावरों के खिलाफ मामला दर्ज कर कर जांच शुरू कर दी है।

जानकारी अनुसार मृतक सुखविंदर सिंह छिंदा की गांव के ही नरायण सिंह व गुरप्रीत सिंह के साथ पुरानी रजिंश चल रही थी। मृतक छिंदा के मामा पूर्व पार्षद मनजीत सिंह मीता ने बताया कि कुछ वर्ष पहले हमलावरों व सुखविंदर सिंह के बीच आपसी झगड़ा हो गया था। उनके अनुसार हमलावर गांव की एक लड़की पर बुरी नजर रखते थे, जिस पर सुखविंदर सिंह एतराज जताता था। इस दौरान एक बार सुखविंदर सिंह ने नरायण सिंह के पारिवारिक सदस्यों के साथ मारपीट भी की थी। इस आरोप में सुखविंदर सिंह तीन माह जेल में भी रहा और मार्च 2023 में वह जमानत पर आया था।रविवार को जब सुबह सुखविंदर सिंह घर से निकला तो बस स्टैंड पर दो लोगों ने उस पर गोलियां चला दीं। इससे सुखविंदर सिंह की मौत हो गई।

सूडान के अर्द्धसैनिक बल के जवानों ने गांव वालों पर की अंधाधुंध फायरिंग, 85 लोगों की मौत की खबर

खार्तूम। सूडान के अर्द्धसैनिक बलों के हमले में 85 लोगों की मौत की खबर है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, सूडान की पैरामिलिट्री रैपिड सपोर्ट फोर्सेस ने सूडान के एक केंद्रीय गांव पर हमला कर 85 लोगों की हत्या कर दी। सूडान में बीते 18 महीने से चल रहे संघर्ष में यह हिंसा की ताजा घटना है। घटना बीते हफ्ते की है। इससे पहले जुलाई में भी रैपिड सपोर्ट फोर्स ने सेन्नार प्रांत के गलगनी इलाके में भी हमला किया था।

महिलाओं का अपहरण रोकने की वजह से हुआ हमला...मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, सूडान की पैरामिलिट्री फोर्स रैपिड सपोर्ट फोर्स के कुछ जवान गांव पहुंचे थे और उन्होंने यौन शोषण के उद्देश्य से कुछ महिलाओं और लड़कियों का अपहरण करने की कोशिश की। जिसका गांव के लोगों द्वारा विरोध किया गया। विरोध के चलते जवान मौके से भाग गए। हालांकि कुछ देर बाद ही बड़ी संख्या में पैरामिलिट्री के जवान कई वाहनों में सवार होकर गांव पहुंचे और उनके साथ बड़ी संख्या में स्वचालित हथियार भी थे। पैरामिलिट्री के जवानों ने आते ही गांव वालों पर फायरिंग शुरू कर दी। जिसमें महिलाओं, बच्चों समेत 85 लोगों की मौत होने का दावा किया जा रहा है।

सूडान में सेना और अर्द्धसैनिक बल आमने-सामने...सूडान के विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा है कि हमले में 150 गांव वाले घायल भी हुए हैं। बता दें कि सूडान में रैपिड सपोर्ट फोर्स पर अक्सर नरसंहार, दुष्कर्म और हिंसा के आरोप लगते रहते हैं। सूडान के विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा है कि हमले में 150 गांव वाले घायल भी हुए हैं। बता दें कि सूडान में रैपिड सपोर्ट फोर्स पर अक्सर नरसंहार, दुष्कर्म और हिंसा के आरोप लगते रहते हैं। सूडान की सेना और वहां के अर्द्धसैनिक बल रैपिड सपोर्ट फोर्स यानी आरएसएफ के बीच बीते साल अप्रैल से टकराव चल रहा है। इस दौरान हिंसा में बड़ी संख्या में लोगों की मौत हो चुकी है। दरअसल में सूडान में नागरिक सरकार को सत्ता हस्तांतरित करने की मांग को लेकर 2021 से ही संघर्ष चल रहा है। मुख्य विवाद सेना और अर्द्धसैनिक बल आरएसएफ के विलय को लेकर है।

अक्तूबर 2021 में सूडान में तख्ता पलट के बाद से ही सेना प्रमुख जनरल अब्देल फतेह अल बुरहान देश की कमान संभाल रहे हैं। वहीं अर्द्धसैनिक बल आरएसएफ के प्रमुख हमदान दगालो यानी हेमेदती देश के दूसरे नंबर के नेता हैं। सेना की कोशिश है कि आरएसएफ का सेना में विलय हो जाए।

हालांकि करीब एक लाख की तादाद वाली आरएसएफ के विलय के बाद सेना का नेतृत्व कौन करेगा, इस पर सहमति नहीं बन पा रही है। इसके बाद ही विवाद शुरू हुआ, जो हिंसा में बदल गया और बीते एक साल से हिंसा जारी है।

चीफ जस्टिस को चुनाव विवादों को सुलझाने वाली पीठ से अलग किया जाए, इमरान खान के सांसदों ने क्यों की ऐसी मांग?

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमत्री इमरान खान की पार्टी पीटीआई के नौ सांसदों ने चुनाव विवादों से संबंधित मामले के समाधान के लिए पंजाब में नियुक्त चुनाव न्यायाधिकरण के मामले की सुनवाई करने वाली पीठ से पाकिस्तान के मुख्य न्यायाधीश काजी फैज ईसा को अलग करने की मांग की है। दरअसल, देश में 8 फरवरी को आम चुनाव हुए थे। इसमें बड़े पैमाने पर धांधली के आरोप लगे थे। सीजेपी की अध्यक्षता वाली सुप्रीम कोर्ट की पांच सदस्यीय पीठ 8 फरवरी के आम चुनावों से संबंधित चुनावी विवादों को सुलझाने के लिए पंजाब में चुनाव न्यायाधिकरणों के गठन के संबंध में लाहौर हाई कोर्ट के फैसले के खिलाफ पाकिस्तान के चुनाव आयोग की अपील पर विचार करेगी।

जस्टिस काजी फैज ईसा के अलावा, पीठ के सदस्यों में अमीनुद्दीन खान, जमाल खान मंडोखैल, नईम अख्तर अफगान और जस्टिस अकील अहमद अब्बासी शामिल हैं। 4 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट ने पंजाब में आठ चुनाव न्यायाधिकरणों की नियुक्ति पर लाहौर हाई कोर्ट के फैसले और इसकी अधिसूचना को निलंबित कर दिया था। यह निलंबन तब तक प्रभावी रहा जब तक कि हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश और ईसीपी के बीच बातचीत पूरा नहीं हुई। पीटीआई के सांसदों ने रजिस्ट्रार सुप्रीम कोर्ट को प्रस्तुत अपने आवेदन में चुनाव न्यायाधिकरण के मुद्दे पर सुनवाई कर रही पीठ से जस्टिस ईसा को अलग करने के लिए आवेदन दायर करने की मांग की है।

कुवैत पहुंचे भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर, द्विपक्षीय संबंधों पर होगी चर्चा

नई दिल्ली। भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर एक दिवसीय दौरे पर रविवार को कुवैत पहुंचे। जहां एयरपोर्ट पर कुवैत के विदेश मंत्री अब्दुल्ला अली अल-याह्या ने उनका स्वागत किया। उन्होंने अपने इस दौरे को लेकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी दी।

उन्होंने एयरपोर्ट पर स्वागत करने के लिए कुवैती विदेश मंत्री अब्दुल्ला अली अल-याह्या को धन्यवाद करते हुए कहा कि वह आज कुवैती नेतृत्व के साथ होने वाली बैठकों का उत्सुकता से इंतजार कर रहे हैं।

जयशंकर ने एक्स पर लिखा, नमस्ते कुवैत! विदेश मंत्री अब्दुल्ला अली अल-याह्या को गर्मजोशी से स्वागत के लिए धन्यवाद। आज कुवैती नेतृत्व के साथ होने वाली बैठकों का उत्सुकता से इंतजार कर रहा हूं। जयशंकर की यह यात्रा भारत और कुवैत के बीच द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के लिए महत्वपूर्ण है। वह कुवैती नेतृत्व के साथ विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करेंगे और दोनों देशों के बीच सहयोग को बढ़ावा देने के लिए प्रयास करेंगे।

विदेश मंत्री की यात्रा से दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों के विभिन्न आयामों की समीक्षा होगी, जिनमें राजनीतिक, व्यापार, निवेश, ऊर्जा, सुरक्षा, सांस्कृतिक, कांसुलर और लोगों से लोगों के बीच संपर्क शामिल हैं। इसके अलावा, आपसी हित के क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान होगा, जिससे दोनों पक्षों को एक-दूसरे के दृष्टिकोण को समझने और सहयोग को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी।

पूर्व पीएम शेख हसीना पर सामूहिक हत्या का मामला दर्ज, 33 अन्य की बढ़ीं मुश्किलें

ढाका। बांग्लादेश की एक अदालत में पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना और 33 अन्य के खिलाफ रविवार को याचिका दायर की गई। याचिका में आरोप लगाया गया है कि उन्होंने 2013 में हिफाजत-ए-इस्लाम की ओर से आयोजित रैली पर गोलीबारी कर लोगों की सामूहिक हत्या की। ढाका ट्रिब्यून अखबार के मुताबिक, बांग्लादेश पीपुल्स पार्टी (बीपीपी) के अध्यक्ष बाबुल सरकार चाखरी ने ढाका मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट जकी-अल-फराबी की अदालत में याचिका दायर की। इस याचिका में आरोप लगाया गया है कि पांच मई 2013 को मोतिझील के शापला चट्टर में हुई रैली के दौरान लोगों की सामूहिक हत्या की गई। अदालत ने याचिकाकर्ता का बयान दर्ज किया और कहा कि वह इस मामले पर बाद में आदेश जारी करेगी। हसीना ने इसी महीने की पांच अगस्त को प्रधानमंत्री के पद से इस्तीफा दिया और देश छोड़कर भारत आ गईं। वह बांग्लादेश में अभी 11 मामलों का सामना कर रही हैं। जिसमें आठ हत्या, एक अपहरण और दो जातीय जनसंहार के मामले शामिल हैं।

हसीना की सरकार के पतन के बाद बांग्लादेश में हुई हिंसक घटनाओं में 230 से ज्यादा लोग मारे गए। जबकि सरकारी नौकरियों में विवादित आरक्षण प्रणाली के खिलाफ छात्रों के बड़े पैमाने पर प्रदर्शन हुए। जिसमें 600 से ज्यादा लोगों की मौत हुई। बांग्लादेश के अंतरराष्ट्रीय अपराध ट्रिब्यून ने बुधवार को पूर्व प्रधानमंत्री और नौ अन्य के खिलाफ 15 जुलाई से पांच अगस्त के बीच छात्र आंदोलन के दौरान कथित जातीय जनसंहार और मानवता के खिलाफ अपराधों के आरोपों की जांच शुरू की। हसीना के नेतृत्व वाली सरकार के पतन के बाद एक अंतरिम सरकार का गठन किया गया है। इस अंतरिम सरकार का प्रमुख नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस को नियुक्त किया गया है।

रूस में आया 7.2 तीव्रता का भूकंप, कामचटका क्षेत्र में फटा शिवलुच ज्वालामुखी

मॉस्को। यूरोपीय भूमध्यसागरीय भूकंप विज्ञान केंद्र (ईएमएससी) ने कहा कि रूस के कामचटका क्षेत्र के पूर्वी तट पर 51 किमी (32 मील) की गहराई पर 7.2 तीव्रता का भूकंप आया। स्थानीय मीडिया ने रविवार को बताया कि देश के पूर्वी तट पर आए सात तीव्रता के भूकंप के बाद कामचटका क्षेत्र में रूस का शिवलुच ज्वालामुखी फट गया। राज्य के स्वामित्व वाली टीएएसएस समाचार एजेंसी ने रूसी विज्ञान अकादमी की सुदूर पूर्वी शाखा के ज्वालामुखी और भूकंप विज्ञान संस्थान का हवाला देते हुए बताया कि ज्वालामुखी ने राख और लावा उगलना शुरू कर दिया है। रिपोर्ट में वैज्ञानिकों के हवाले से कहा गया है कि शिवलुच ज्वालामुखी का विस्फोट शुरू हो गया है, दृश्य मूल्यांकन के अनुसार, राख का गुबार समुद्र तल से आठ किलोमीटर ऊपर उठ रहा है इससे पहले, अमेरिकी राष्ट्रीय सुनामी चेतावनी केंद्र ने कहा था कि भूकंप से सुनामी का खतरा है। लेकिन रूस के आपातकालीन मंत्रालय की कामचटका शाखा ने बताया कि सुनामी का कोई खतरा नहीं है।

ड्रोन हमले से जापोरिज्जिया परमाणु संयंत्र पर पड़ा असर, बिगड़ रहे हालात : अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी

वियना। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) ने जापोरिज्जिया परमाणु संयंत्र को लेकर चेतावनी जारी की है। एजेंसी ने कहा है कि ड्रोन हमले के बाद जापोरिज्जिया परमाणु ऊर्जा संयंत्र में (जेडएनपीपी) में परमाणु सुरक्षा की स्थिति बिगड़ती जा रही है। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, जापोरिज्जिया परमाणु ऊर्जा संयंत्र में तैनात अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी के विशेषज्ञों ने तत्काल प्रभावित स्थल का दौरा किया है। बता दें कि इसी जगह पर ड्रोन से हमला किया गया था। बयान में कहा गया है कि संयंत्र के किसी भी उपकरण पर कोई प्रभाव नहीं हुआ है, लेकिन जेडएनपीपी के दो मुख्य द्वार के बीच सड़क पर प्रभाव पड़ा है।

अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी के महानिदेशक राफेल ग्रॉसी ने सभी पक्षों से संयम बरतने की अपनी अपील दोहराते हुए कहा, एक बार फिर हम जेएनपीपी के सामने परमाणु सुरक्षा और सुरक्षा खतरों में वृद्धि को देख रहे हैं।

अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी ने कहा कि साइट पर मौजूद उसके विशेषज्ञों ने इलाके में पिछले सप्ताह के दौरान तेज सैन्य गतिविधि की सूचना दी है, जिसमें संयंत्र के बहुत करीब का क्षेत्र भी शामिल है और वहां सैन्य गतिविधि कम होने का कोई संकेत नहीं है। संयुक्त राष्ट्र की परमाणु निगरानी संस्था ने कहा कि टीम ने संयंत्र से अलग-अलग दूरी पर लगातार विस्फोट, भारी मशीन गन और राइफल फायर और तोपखाने की आवाजें सुनी हैं। पिछले सप्ताह जेडएनपीपी के एक कूलिंग टॉवर में आग लग गई थी, जिसमें रूस और यूक्रेन ने एक दूसरे को इस घटना के लिए दोषी ठहराया था। आईएईए के अनुसार, आग से काफी नुकसान हुआ। हालांकि, परमाणु सुरक्षा के लिए तत्काल कोई खतरा नहीं था।

टेक्सास में बेटी को कॉलेज छोड़ने जा रहा था परिवार, सड़क दुर्घटना मे तीन सदस्यों की गई जान

टेक्सास। अमेरिका के टेक्सास में एक कार दुर्घटना में भारतीय मूल के एक परिवार के तीन सदस्यों की मौत हो गई। इस हादसे में एक 14 साल के बच्चे की जान बच गई। मृतकों की पहचान 45 वर्षीय अरविंद मणि, उनकी 40 वर्षीय पत्नी प्रदीपा अरविंद और 17 वर्षीय बेटी एंड्रिल अरविंद के तौर पर की गई है। ये सभी लिएंडर के रहने वाले थे और उनकी मौत बुधवार की सुबह 5:45 बजे लैम्पस काउंटी के पास हुई। उनका 14 वर्षीय बेटा एडिरयान उनके साथ वाहन में नहीं था, जिस वजह से उसकी जन बच गई। बच्चे की आर्थिक सहायता के लिए गोफंडमी पेज ने 700,000 अमेरिकी डॉलर (58713025 रुपये) से अधिक राशि जुटाई है।

हादसे में पांच लोगों की हुई मौत...अरविंद और उनकी पत्नी अपनी बेटी एंड्रिल को कॉलेज छोड़ने उत्तरी टेक्सास की तरफ जा रहे थे। एंड्रिल हाल ही में हाई स्कूल से ग्रेजुएट हुई थी और वह वह डलास यूनिवर्सिटी में कंप्यूटर साइंस की पढ़ाई के लिए जा रही थी। अधिकारियों ने बताया कि सड़क दुर्घटना में कुल पांच लोगों की मौत हुई है। मरने वालों में वाहन का चालक भी शामिल था। दुर्घटना के बाद वाहन में आग लग गई थी।

स्कूल के प्रिंसिपल ने जताया शोक...इस हादसे पर पुलिस ने मीडिया से बात की। उन्होंने कहा, "किसी के भी बचने की उम्मीद नहीं है। यह 26 वर्षों में देखी गई सबसे भीषण दुर्घटनाओं में से एक है। इस हादसे में कई लोगों की मौत हो गई।" पुलिस को संदेह है कि जिस कार ने भारतीय मूल के परिवार को टक्कर मारी, वह 160 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चल रही होगी। स्कूल के प्रिंसिपल ने इस हादसे पर शोक जताया। उन्होंने कहा, राउज हाई स्कूल परिवार 2024 की कक्षा के हमारे अपने ही रेडर्स में से एक, एंड्रिल अरविंद की हानि को साझा करते हुए बहुत दुखी है।

दक्षिण कोरिया, अमेरिका और जापान ने त्रिपक्षीय सुरक्षा सहयोग को बताया आवश्यक

सियोल। डेविड शिखर सम्मेलन की पहली वर्षगांठ पर रविवार को दक्षिण कोरिया, अमेरिका और जापान के नेताओं ने अपने त्रिपक्षीय सुरक्षा सहयोग की उपलब्धियों की सराहना की। साथ ही कई क्षेत्रों में अपने संबंधों को मजबूत करने पर जोर दिया। योनहाप समाचार एजेंसी ने रविवार को बताया कि दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति यूं सुक येओल, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन और जापानी प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा ने अपने त्रिपक्षीय सुरक्षा सहयोग में प्रगति का जश्न मनाते हुए एक संयुक्त बयान जारी किया है।

बयान में कहा गया है क्षेत्र और विश्व की सुरक्षा और समृद्धि के लिए हमने जो लक्ष्य साझा किए, उसके लिए हम मिलकर काम कर रहे हैं। साथ ही हम क्षेत्रीय चुनौतियों, सुरक्षा को प्रभावित करने वाले खतरों पर परामर्श करने की अपनी प्रतिबद्धता पर कायम हैं। बयान में आगे तीनों नेताओं ने सुरक्षा क्षेत्रों में प्रमुख उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। जिसमें जून में त्रिपक्षीय बहु-डोमेन अभ्यास फ्रीडम एज का शुभारंभ और पिछले महीने एक नए त्रिपक्षीय सुरक्षा सहयोग ढांचे पर हस्ताक्षर शामिल था। नेताओं ने उत्तर कोरिया द्वारा सामूहिक हथियारों के वित्तपोषण को रोकने के लिए त्रिपक्षीय कार्य समूह के प्रयासों की भी सराहना की।

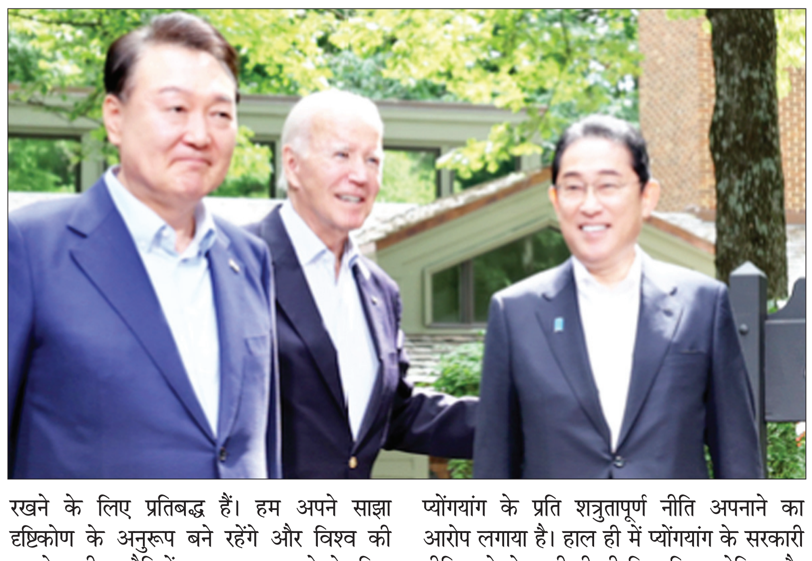

हम हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति और स्थिरता बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम अपने साझा दृष्टिकोण के अनुरूप बने रहेंगे और विश्व की सबसे बड़ी चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार रहेंगे। उत्तर कोरिया के बढ़ते परमाणु और मिसाइल कार्यक्रमों के विरुद्ध सोल ने क्षमता बढ़ाने के लिए वाशिंगटन और टोक्यो के साथ सुरक्षा सहयोग को बढ़ाया है। जून माह में रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर के बाद रूस के साथ सैन्य सहयोग भी बढ़ा है। उत्तर कोरिया ने बाइडेन प्रशासन पर प्योंगयांग के प्रति शत्रुतापूर्ण नीति अपनाने का आरोप लगाया है। हाल ही में प्योंगयांग के सरकारी मीडिया ने चेतावनी दी थी कि दक्षिण कोरिया और जापान द्वारा वाशिंगटन के साथ घनिष्ठ संबंध होंगे तो परमाणु हमले की स्थिति में उनके लोगों को तोप का चारा बनने का खतरा होगा। यह त्रिपक्षीय संयुक्त बयान दक्षिण कोरिया और अमेरिका के बीच वार्षिक उल्ची फ्रीडम शील्ड अभ्यास से पहले आया है। जो सोमवार से शुरू होने वाली है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स ब्राजील में संचालन बंद करेगा, कंपनी ने कहा- शीर्ष न्यायाधीश डरा, धमका रहे

कैलिफोर्निया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स ने शनिवार को कहा कि वह ब्राजील में अपना परिचालन तत्काल प्रभाव से बंद कर रहा है। इसके लिए कंपनी ने ब्राजील के शीर्ष न्यायाधीश एलेक्जेंडर डी मोरेस को दोषी ठहराया।

एक्स की ग्लोबल गवर्नमेंट अफेयर्स टीम ने अपने आधिकारिक हैंडल @GlobalAffairs से पोस्ट करते हुए अलेक्जेंड्रे डी मोरेस पर सेंसरशिप आदेशों का पालन न करने पर ब्राजील में उनके कानूनी प्रतिनिधि को गिरफ्तारी की धमकी देने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि कानून का पालन करने के बजाय, मोरेस ने ब्राजील में उनके कर्मचारियों को धमकाया, और उनके कार्यों को लोकतांत्रिक शासन के साथ असंगत बताया है।

इसके साथ ही कंपनी ने मोरेस द्वारा हस्ताक्षरित एक दस्तावेज की तस्वीर भी साझा की है। इस तस्तावेज में कहा गया है कि अगर मोरेस के आदेशों का पूरी तरह पालन नहीं किया गया तो एक्स प्रतिनिधि राचेल नोवा कॉन्सेइकाओ के खिलाफ 20,000 रियास का जुमार्ना और गिरफ्तारी का आदेश दिया जाएगा।

एक बयान में, एक्स की ग्लोबल गवर्नमेंट अफेयर्स टीम ने कहा, "पिछली रात, अलेक्जेंड्रे डी मोरेस ने ब्राजील में हमारे कानूनी प्रतिनिधि को धमकी दी कि अगर हम उनके सेंसरशिप आदेशों का पालन नहीं करेंगे तो उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा। उनके अनुचित आदेश को उजागर करने के लिए हम यहां साझा कर रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट में हमारी कई अपीलों पर सुनवाई नहीं होने, ब्राजील की जनता को इन आदेशों के बारे में सूचित नहीं किए जाने और हमारे ब्राजीलियाई कर्मचारियों के पास इस बात पर कोई जिम्मेदारी या नियंत्रण नहीं होने के बावजूद मोरेस ने हमारे कर्मचारियों को धमकी दी है। ब्राजील कानून या उचित प्रक्रिया का सम्मान करने के बजाय मनमाने ढंग से आदेश दिया है।"

ग्लोबल गवर्नमेंट अफेयर्स ने आगे लिखा, "परिणामस्वरूप, अपने कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए, हमने ब्राजील में अपना परिचालन बंद करने का निर्णय लिया है, जो तुरंत प्रभाव से लागू होगा। एक्स सेवा ब्राजील के लोगों के लिए उपलब्ध है। हमें गहरा दुख है कि हमें ऐसा करने के लिए मजबूर किया गया है। जिम्मेदारी पूरी तरह से एलेक्जेंडर डी मोरेस की है। उनके कार्य लोकतांत्रिक सरकार के साथ असंगत हैं, ब्राजील के लोगों के पास एक विकल्प है - लोकतंत्र, या एलेक्जेंडर डी मोरेस।"

दक्षिण कोरिया के सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट में मिला कोविड-19 वायरस, एक हफ्ते में दोगुने हुए मरीज,

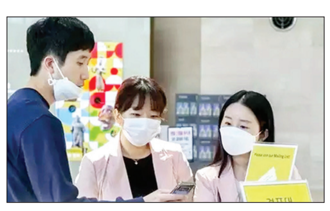

सोल। दक्षिण कोरिया की बीमारी नियंत्रण एजेंसी ने कहा है कि वेस्ट वॉटर यानि अपशिष्ट जल में कोविड-19 वायरस का स्तर केवल एक सप्ताह के भीतर दोगुना हो गया है। गर्मी की छुट्टी के मौसम के दौरान इस संक्रमण में तेजी से वृद्धि हुई है। समाचार एजेंसी योनहाप ने कहा कि कोरिया रोग नियंत्रण एवं रोकथाम एजेंसी (केडीसीए) द्वारा संचालित कोरिया अपशिष्ट जल निगरानी कार्यक्रम के अनुसार अगस्त के दूसरे सप्ताह में स्थानीय सीवेज उपचार संयंत्रों में वायरस की मात्रा प्रति मिलीलीटर में 47,640 तक पहुंच गई है।

यह पिछले सप्ताह सीवेज उपचार संयंत्रों में वायरस की मात्रा 24,602 प्रति मिलीलीटर थी।यह डेटा देशभर में 84 अपशिष्ट जल संयंत्रों द्वारा ट्रीट किए जा रहे पानी में कोविड वायरस के स्तर पर आधारित है। केडीसीए ने समुदायों के भीतर कोविड रोगियों की संख्या का आकलन करने के लिए पिछले साल अप्रैल से इस पद्धति का उपयोग किया है।

केडीसीए के एक अधिकारी ने कहा, 'इस परियोजना का उद्देश्य अपशिष्ट जल में कोविड-19 वायरस के स्तर की प्रवृत्ति को ट्रैक करना है जो हाल ही में बढ़ रहा है।'

इस बीच दक्षिण कोरिया में अस्पताल में भर्ती हुए मरीजों की संख्या में भी इजाफा हुआ है। एक सप्ताह पहले यह संख्या 878 थी, जो अब अगस्त के दूसरे सप्ताह के दौरान बढकर 1,359 तक पहुंच गई। ओमिक्रोन वेरिएंट के आने के बाद कोरोना वायरस बहुत तेजी से फैल रहा है, यह सिर्फ दक्षिण कोरिया में नहीं बल्कि पूरी दुनिया में अपने पैर पसार रहा है।

इसके अलावा संक्रमण के बूस्टर शॉट के बाद लोग इस संक्रमण का शिकार होने की अधिक संभावना रखते हैं। कोरोना वायरस लगातार बदल रहा है, जिससे यह हमारी सुरक्षा को पार कर हमें संक्रमित कर रहा है, और इससे व्यक्ति की प्रतिरक्षा शक्ति भी कमजोर होती जा रही है। वहीं जिन लोगों को बहुत हल्का संक्रमण होता है, उनका शरीर दोबारा संक्रमण से लड़ने के लिए अच्छी तरह से तैयार नहीं होगा।

पाक सरकार का पूर्व क्स्क्प्रमुख फैज पर आरोप, कहा- इमरान खान के कहने पर रची अशांति फैलाने की साजिश

इस्लामाबाद। पाकिस्तान सरकार ने पूर्व ISI प्रमुख फैज हमीद पर जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के साथ मिलकर देश में अशांति फैलाने का आरोप लगाया। पाकिस्तान के सूचना मंत्री अताउल्लाह तरार ने कहा कि पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के संस्थापक देशभर में अशांति फैला रहे थे। इस साजिश का हिस्सा पूर्व आईएसआई प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) फैज हमीद भी थे।

हमीद 2019 से 2021 तक इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) के महानिदेशक रहे थे। उन्हें आवासीय योजना घोटाले में गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद तीन सेवानिवृत्त सैन्य अधिकारियों सहित कई अन्य लोगों को भी गिरफ्तार किया गया। तरार ने कहा कि लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) हमीद और उनके अन्य साथियों के खिलाफ जांच का दायरा बढ़ाया जाएगा। हमीद की गिरफ्तारी की सेना ने पारदर्शी जांच की थी, क्योंकि उनके पास आंतरिक जवाबदेही का अपना तंत्र है। सूचना मंत्री ने दावा किया कि पूर्व पाक पीएम इमरान खान ने इन लोगों के साथ मिलकर देश में अराजकता फैलाने की साजिश रची थी। तरार ने आरोप लगाया कि सबूत मिले हैं कि इमरान खान और फैज संपर्क में थे। इन्होंने देश में अशांति फैलाने की साजिश रची थी। उन्होंने पूर्व मुख्य न्यायाधीश साकिब निसार का जिक्र करते हुए कहा कि कोई फर्क नहीं पड़ता कि कोई साकिब या निसार है, चीजें पारदर्शी रूप से आगे बढ़ेंगी। साकिब पर पीटीआई शासन को बढ़ावा देने और उनके राजनीतिक विरोधियों को निशाना बनाने का आरोप लगता रहा है।

लेफ्टिनेंट जनरल फैज हमीद ने 2019 से 2021 तक इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) के प्रमुख पद पर सेवाएं दी थीं, तब जेल में बंद इमरान खान प्रधानमंत्री थे। उन पर इमरान की शह पर राजनीतिक मामलों में दखल देने के आरोप लगे थे। सेना के मुताबिक, सैन्य अधिकारियों ने हमीद को सोमवार को गिरफ्तार कर लिया और पद के कथित दुरुपयोग को लेकर उनके खिलाफ पाकिस्तान सेना अधिनियम के प्रावधानों के तहत कोर्ट मार्शल की कार्यवाही शुरू की गई है। सेना के अनुसार, हमीद को टॉप सिटी हाउसिंग सोसाइटी के मालिक के घर पर कथित छापेमारी मामले में गिरफ्तार किया गया। सोसाइटी के मालिक ने पाकिस्तान के उच्चतम न्यायालय में दाखिल अपनी याचिका में आरोप लगाया था कि 12 मई 2017 को जनरल हमीद के आदेश पर आईएसआई अधिकारियों ने इस्लामाबाद में टॉप सिटी हाउसिंग सोसाइटी के दफ्तर और उनके आवास पर छापेमारी कर हीरे-जवाहरात एवं नगदी समेत अन्य कीमती सामान जब्त कर लिया था।

खबर एक्सप्रेस

रक्षाबंधन और त्योहारी सीजन के कारण सोने की मांग बढ़ी, कारोबारियों को उम्मीद- भाव होंगे मजबूत

मुंबई। सोमवार यानी 19 अगस्त को रक्षाबंधन है जिसके बाद से त्योहारों की शुरूआत हो जाएगी। इसको देखते हुए सोने की खरीदारी में तेजी है। मुंबई के झवेरी बाजार में रक्षाबंधन के लिए 400 से 500 ग्राम तक के गहनों की मांग में 25 प्रतिशत तक वृद्धि देखने को मिल रही है, निवेशकों की मांग 20 प्रतिशत तक बढ़ गई है। ज्वेलरी उद्योग से जुड़े लोगों का कहना है कि सोने की खरीदारी करने का यह सबसे सुनहरा मौका है, क्योंकि आने वाले महीनों में सोने की कीमतें 75,000 से 76,000 प्रति दस ग्राम तक (जीएसटी शुल्क के बिना) पहुंच सकती हैं। ज्वेलर्स भी आने वाले त्योहारी सीजन के लिए अपनी तैयारी पूरी कर चुके हैं। मुंबई सरार्फा बाजार में रक्षाबंधन को ध्यान में रखते हुए ज्वेलर्स हल्के गहनों की रेंज लेकर आए हैं। वहीं बड़े गोल्ड ज्वेलर्स रिटेलर तनिष्क, कैरेटलेन और मारबार गोल्ड ने भी नए कलेक्शन बाजार में उतारे हैं। फेड की ओर से ब्याज दरों में कटौती और भू-राजनीतिक संकट का सोने की कीमतों पर असर पड़ेगा। इंडियन बुलियन और ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के राष्ट्रीय सचिव सुरेंद्र मेहता ने अमर उजाला डॉट कॉम को बताया कि सोने की कीमतों में आने वाले दिनों में इजाफा दिख सकता है। बाजार के जानकारों के अनुसार सोने की कीमतें अमेरिका के केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व की ओर से ब्याज दरों में कटौती करने या नहीं करने से प्रभावित होंगी। फेडरल रिजर्व 17 और 18 सितंबर, 2024 को फिर से एक बैठक कर रहा है। अगर केंद्रीय बैंक इस बैठक में ब्याज दरों में कटौती की संभावना पर चर्चा कर कोई बड़ा फैसला लेता है तो इसका असर पूरी दुनिया के सरार्फा बाजार पड़ेगा। आगे त्योहारी सीजन भी है। इसलिए इस महीने और इसके बाद वाले महीने में सोने के भाव 75000 से 76000 रुपये प्रति दस ग्राम तक (जीएसटी शुल्क के बिना) तक पहुंच सकते हैं। कॉमोडिटी बाजार के विशेषज्ञ प्रथमेश कहते हैं कि आने वाले महीनों में सोने के दामों में बढ़ोतरी होगी क्योंकि भू-राजनीतिक परिस्थितियों खासकर, इस्राइल और ईरान युद्ध संकट के कारण क्रूड ऑयल की कीमतों में वृद्धि होगी। जिससे सुरक्षित निवेश के रूप में सोने पर निवेशकों का भरोसा बढ़ सकता है।

कोरोना ने अर्थव्यवस्था को किया था तबाह, सप्लाई चेन हुई थी ध्वस्त; मंकीपॉक्स क्या करेगा?

नई दिल्ली। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन ने मंकीपॉक्स या एमपॉक्स को हेल्थ इमरजेंसी घोषित कर दिया। मंकीपॉक्स से अफ्रीका महाद्वीप सबसे अधिक प्रभावित है। वहां 10 देशों में अब तक इसके 20 हजार मरीज सामने आ चुके हैं। मंकीपॉक्स भी कोरोना महामारी की तरह संक्रमण से फैलता है। यही वजह है कि दुनिया के कई देशों में मंकीपॉक्स के मामले मिले हैं। इनमें हमारा पड़ोसी पाकिस्तान भी शामिल है। आइए जानते हैं कि मंकीपॉक्स कितना खतरनाक है और इसका अर्थव्यवस्था, खासकर आयात और निर्यात, पर क्या असर पड़ सकता है। चीन के वुहान से निकले कोरोना वायरस ने दुनियाभर की अर्थव्यवस्थाओं का दम निकाल दिया था। चीन, अमेरिका, ब्रिटेन से लेकर भारत जैसे सभी देशों में सख्त लॉकडाउन था। इससे कारोबारी गतिविधियां ठप हो गई थीं। सप्लाई चेन भी ध्वस्त हो गई थी। बेरोजगारी अपने चरम पर थी। अब मंकीपॉक्स के हेल्थ इमरजेंसी घोषित होने के बाद इसी तरह की आशंका जताई जा रही है। हालांकि, राहत बात यह है कि मंकीपॉक्स फिलहाल कोरोना जितना संक्रामक नहीं है यानी यह उतनी तेजी से नहीं फैल रहा और इसमें मृत्युदर भी कम है। इससे खतरनाक वाले वेरिएंट से संक्रमित होने वाले 100 मरीजों में से सिर्फ 10 की मौत हो रही। वहीं, आम वेरिएंट से संक्रमित मरीजों में 99.9 फीसदी बच जाते हैं यानी मृत्यु दर तकरीबन न के बराबर है। अगर भारत की बात करें, तो अफ्रीका में निर्यात करने वाले कारोबारी ज्यादा चिंतित हैं। भारतीय निर्यातकों का कहना है कि अगर मंकीपॉक्स की समस्या अधिक विकराल होती है, तो उनके लिए समस्या बढ़ सकती है। फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गनाइजेशंस के डायरेक्टर जनरल अजय सहाय का कहना है कि अभी मंकीपॉक्स ज्यादा तेजी से नहीं फैल रहा, लेकिन संक्रमण को देखते हुए निर्यातक परेशान जरूर हैं।

भारत में हो सकती है रोजगार की भरमार, IMF की गीता गोपीनाथ ने सुझाया रास्ता

नई दिल्ली। भारत समेत दुनियाभर में बेरोजगारी एक बड़ी समस्या है। प्रतिष्ठित रेटिंग एजेंसियां और आर्थिक जानकार कई बार इस पर चिंता जता चुके हैं, जो भारत की दमदार जीडीपी ग्रोथ के मुरीद हैं। इनमें अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की डिप्टी मैनेजिंग डायरेक्टर गीता गोपीनाथ भी शामिल हैं। उनका कहना है कि भारत को अगर रोजगार बढ़ाना है, तो सिर्फ कुछ क्षेत्रों पर फोकस करने की रणनीति छोड़नी होगी। अब रोजगार सृजन के लिए बहुआयामी नजरिया अपनाने की जरूरत है। NDTV से बातचीत में गीता ने यह भी कहा कि भारत में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से ज्यादा नौकरियां प्रभावित नहीं होगी। उन्होंने दलील दी कि भारत का अधिकांश कार्यबल कृषि क्षेत्र है, जो कि श्रम-प्रधान है। व्हाइट-कॉलर जॉब पर एआई का अधिक असर दिख सकता है। गीता गोपीनाथ का कहना है कि सरकार रोजगार के अवसर बढ़ाने के लिए कुछ उपाय किए जा सकते हैं। उन्होंने कहा, 'अगर आप व्यापार करने को आसान बनाते हैं, तो इससे रोजागर के मौके बढ़ सकते हैं। गुजरात और तमिलनाडु इसकी मिसाल हैं। व्यापार प्रतिबंधों को हटाना भी काफी अहम भूमिका निभाता है। इन्फ्रास्ट्रक्चर पर खर्च बढ़ाना भी एक उपाय है, जिस पर सरकार पहले से ही अमल कर रही है।' लेकिन, ये रोजगार बढ़ाने के तात्कालिक उपाय हैं। मध्यम से लंबी अवधि में रोजगार पैदा करने के लिए सरकार को बहुआयामी नजरिया अपनाना पड़ेगा। गीता गोपीनाथ ने कहा, 'भारत को मानव पूंजी में निवेश अधिक निवेश करने के साथ वर्कफोर्स बढ़ाने की जरूरत है। साथ ही, श्रमिकों के हुनर को तराशने के लिए निवेश करना भी काफी महत्वपूर्ण होगा। भारत इस मामले में अभी अपने समकक्षों से काफी पीछे है।'

अमेरिका की Government Securities पर बढ़ रहा भारतीयों का भरोसा, नए उच्च स्तर पर पहुंचा निवेश

नई दिल्ली। अमेरिकी सरकार की सिक्योरिटीज में भारत का निवेश जून के अंत में 241.9 अरब डॉलर के नए उच्च स्तर पर पहुंच गया है। यह लगातार तीसरा महीना रहा है, जब अमेरिकी सरकार की सिक्योरिटीज में भारत ने अपनी हिस्सेदारी बढ़ाई है। इसी वर्ष मई में भारत का निवेश 237.8 अरब डॉलर था। पिछले वर्ष जून में अमेरिकी सिक्योरिटीज में भारत का निवेश 235.4 अरब डॉलर था। अमेरिका के राजकोषीय विभाग की ओर से जारी डाटा के अनुसार, जून के अंत में सरकारी शेयरों में 1.11 ट्रिलियन डॉलर की हिस्सेदारी के साथ जापान शीर्ष पर रहा है। अमेरिका के सरकारी शेयरों में चीन का निवेश 780.1 अरब डॉलर पहुंच गया है और यह दूसरे स्थान पर रहा है। 741.5 अरब डॉलर के साथ ब्रिटेन तीसरे और 384.2 अरब डॉलर के निवेश के साथ लक्जमबर्ग चौथे स्थान पर रहा है। अमेरिकी सरकार की सिक्योरिटीज में निवेश करने के मामले में भारत 12वें स्थान पर है। शीर्ष 10 में शामिल अन्य देशों में 274.8 अरब डॉलर के साथ कनाडा पांचवें, 319.4 अरब डॉलर के साथ केमैन आइलैंड छठे, 318 अरब डॉलर के साथ बेल्जियम सातवें, 308 अरब डॉलर के साथ आयरलैंड आठवें, 307.2 अरब डॉलर के साथ फ्रांस नौवें और 287.1 अरब डॉलर के साथ स्विट्जरलैंड 10वें स्थान पर रहा है। 265.9 अरब डॉलर के निवेश के साथ ताइवान 11वें स्थान पर रहा है। वैश्विक अर्थव्यवस्था महंगाई, भू-राजनीतिक तनाव और अन्य चुनौतियों के बीच घोर अनिश्चितता से जूझ रही है। साथ ही, दुनियाभर के देशों की विकास दर में भी काफी असमानता है। अमेरिका में जीडीपी ग्रोथ रेट जून तिमाही में 2.8 प्रतिशत सालाना रही, जो 2024 की पहली तिमाही में 1.4 प्रतिशत के मुकाबले अधिक है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने जुलाई में जारी अपने विश्व आर्थिक परिदृश्य के बारे में अपडेटेड रिपोर्ट में चालू वर्ष के लिए वृद्धि दर 3.2 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है।

नकदी के लेनदेन की जानकारी नहीं दे रहे होटल और अस्पताल, अब आयकर विभाग कसेगा शिकंजा

नई दिल्ली। देशभर में तमाम होटल, अस्पताल समेत कई बड़े लग्जरी ब्रांड पर आयकर विभाग शिकंजा कसने की तैयारी में है। यह संस्थान लगातार नकदी के लेनदेन को लेकर जानकारी साझा नहीं कर रहे हैं। अब केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने आयकर विभाग को ऐसे संस्थानों में नकदी के लेनदेन की जांच करने का निर्देश दिया है। इसके बाद आयकर विभाग ने सूची तैयार करनी शुरू कर दी है।

आयकर विभाग के नियमों के मुताबिक वित्तीय संस्थानों के दो लाख रुपये से अधिक के नकदी लेनदेन का विवरण देना जरूरी होता है। लेकिन देश में तमाम बड़े संस्थान ऐसा नहीं कर रहे हैं। इसे लेकर केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने जांच की। जांच करने पर पाया गया कि प्रावधानों का उल्लंघन किया जा रहा है। उच्च मूल्य वाले उपभोग व्यय को करदाता के बारे में जानकारी के साथ सत्यापित करना जरूरी है।

इस पर बोर्ड ने आयकर विभाग को जांच के निर्देश दिए हैं। बोर्ड ने हाल में केंद्रीय कार्य योजना (सीएपी) 2024-25 जारी की है। सीबीडीटी ने आयकर विभाग से यह भी कहा है कि जांच हस्तक्षेप के बिना होनी चाहिए। सीबीडीटी ने आयकर विभाग से बकाया मांगों की वसूली के लिए ठोस प्रयास करने को भी कहा है।

इसके बाद आयकर विभाग ने होटलों, बैंक्वेट हॉल, लक्जरी ब्रांड के खुदरा विक्रेताओं, आईवीएफ क्लीनिक, अस्पताल, डिजाइनर कपड़ों की दुकानों और एनआरआई कोटा मेडिकल कॉलेज सीटों की पहचान की है। इन व्यावसायिक संस्थानों में आयकर नियमों का पालन नहीं किया गया और बड़े पैमाने पर नकदी का लेनदेन किया गया।

फर्जी संदेश से करदाताओं को आयकर विभाग ने किया सावधान...कर अदा कर चुके करदाता जो इनकम टैक्स रिफंड का इंतजार कर रहे हैं उन्हें आयकर विभाग ने फर्जी संदेशों से सावधान किया है। आयकर विभाग ने मोबाइल फोन पर आने वाले कर रिफंड की स्वीकृति वाले संदेशों से करदाताओं को बचने की सलाह दी है। आयकर विभाग ने इसे एक घोटाला करार दिया है।

'कार्यबल का बड़ा हिस्सा वित्तीय तनाव से जूझ रहा', अधिकांश ब्लू कॉलर नौकरियों में 20,000 से कम वेतन

नई दिल्ली। भारत में ज्यादातर ब्लू-कॉलर नौकरियों में वेतन 20,000 रुपये प्रति माह या उससे भी कम है। एक रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। रिपोर्ट के आंकड़े दर्शाते हैं कि देश के कार्यबल का एक बड़ा हिस्सा वित्तीय तनाव से जूझ रहा है। यह तबका आवास, चिकित्सा और शिक्षा जैसी आवश्यक जरूरतों को पूरा करने के लिए संघर्ष कर रहा है। ब्लू कॉलर नौकरियों के तहत ऐसे कामगार आते हैं, जो दिहाड़ी पर काम करते हैं। ऐसे कामगार शारीरिक श्रम करते हैं; जैसे :- वेल्डर, मैकेनिक, इलेक्ट्रीशियन, माइनिंग, किसान, मिस्त्री, रसोइया, वाहन चालक आदि। सामान्य शिक्षा के साथ छोटी-छोटी नौकरियां करने वालों को भी ब्लू कॉलर श्रमिकों की श्रेणी में रखा जाता है। तकनीक-सक्षम ब्लू कॉलर भर्ती प्लेटफॉर्म वर्कइंडिया ने एक रिपोर्ट में कहा कि 57.63 प्रतिशत से अधिक ब्लू-कॉलर नौकरियां 20,000 रुपये प्रति माह या उससे कम वेतन सीमा में आती हैं। आंकड़े बताते हैं कि देश में अब भी अधिकांश लोग न्यूनतम वेतन के करीब ही कमा पाते हैं। इसके अलावा, रिपोर्ट से पता चला है कि लगभग 29.34 प्रतिशत ब्लू-कॉलर नौकरियां मध्यम आय वर्ग में हैं, जिनमें वेतन 20,000-40,000 रुपये प्रति माह है। इस सीमा में आय से जरूरतें तो पूरी हो सकती हैं, लेकिन बचत या निवेश के लिए बहुत कम जगह बचती है।

यह आंकड़ा ब्लू-कॉलर कार्यबल के एक बड़े हिस्से की आर्थिक कमजोरी को उजागर करता है। वर्कइंडिया के सीईओ और सह-संस्थापक नीलेश डूंगरवाल ने पीटीआई को बताया, "डेटा से पता चलता है कि ब्लू-कॉलर क्षेत्र में कम वेतन वाली नौकरियों की संख्या ज्यादा और उच्च आय के अवसर सीमित हैं।

यह असमानता न केवल कार्यबल के एक बड़े हिस्से के सामने आने वाली आर्थिक चुनौतियों को दर्शाती है, बल्कि सामाजिक स्थिरता और आर्थिक विकास के लिए व्यापक निहितार्थ भी रखती है। डूंगरवाल ने कहा कि इस असमानता को दूर करने के लिए कौशल विकास, वेतन सुधार और अधिक उच्च वेतन वाली नौकरी के अवसरों के सृजन जैसे लक्षित हस्तक्षेप की जरूरत है। रिपोर्ट में कहा गया है कि केवल 2.31 प्रतिशत ब्लू-कॉलर नौकरियां 60,000 रुपये से अधिक वेतन प्रदान करती हैं, जो कि एक बहुत ही छोटा प्रतिशत है यह आंकड़ा इस क्षेत्र में अच्छे भुगतान वाले अवसरों की कमी को दर्शाता है।

निर्यात बढ़ने के साथ भारतीय खिलौना उद्योग में दिखा जबरदस्त ग्रोथ

नई दिल्ली। भारतीय खिलौना उद्योग ने पिछले एक दशक में जबरदस्त तरक्की की है। सरकार की कई सकारात्मक पहलों के चलते, भारत ने खिलौनों के निर्यात में उल्लेखनीय प्रगति की है। भारतीय खिलौना उद्योग ने लगभग 523.24 मिलियन डॉलर के निर्यात के साथ 517.71 मिलियन डॉलर के आयात को पीछे छोड़ दिया है। कुछ साल पहले तक भारतीय बाजार में 'मेड इन चाइना' खिलौनों की भरमार थी, लेकिन अब स्थिति बदल गई है। वित्त वर्ष 2011-2012 में भारत ने 422.79 मिलियन डॉलर के खिलौने आयात किए थे, जबकि निर्यात उससे आधे से भी कम था।

आज भारतीय खिलौने 100 से ज्यादा देशों में पहुंच रहे हैं, जिनमें अमेरिका, ब्रिटेन, जर्मनी, नीदरलैंड्स, डेनमार्क और यहां तक कि चीन भी शामिल है। सरकार का मानना है कि अगला कदम ऑनलाइन माध्यमों का प्रभावी इस्तेमाल करके अंतरराष्ट्रीय ग्राहकों तक पहुंच बढ़ाना है। उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के वरिष्ठ अधिकारियों का कहना है कि बढ़ते निर्यात, मजबूत उत्पादन इकोसिस्टम और आयात पर निर्भरता कम होने से भारतीय खिलौना उद्योग की सफलता साफ दिखती है। खिलौना उद्योग को बढ़ावा देने के लिए

सरकार ने इसे प्रमुख क्षेत्रों में शामिल किया है। सरकार का लक्ष्य है, मेड इन इंडिया खिलौनों के लिए वैश्विक बाजार बनाना। सरकार ने इसके लिए कई पहल की है, जैसे गुणवत्ता मानकों को अनिवार्य करना, सीमा शुल्क बढ़ाना और राष्ट्रीय खिलौना कार्य योजना (एनएपीटी)। इनसे उच्च गुणवत्ता वाले उत्पाद बनने में मदद मिली है, जिन्हें दुनिया भर में सराहना मिल रही है। साल 2014-15 से 2022-23 के बीच भारतीय खिलौने, खेल सामग्री और खेल उपकरणों का निर्यात 239 प्रतिशत बढ़ा है, जबकि आयात 52 प्रतिशत घटा है। वर्तमान में भारतीय खिलौना बाजार का आकार 1.7 बिलियन डॉलर है और साल 2032 तक इसके 4 बिलियन डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है। जिसमें सालाना वृद्धि दर 10.5 प्रतिशत रहने का अनुमान है। देश के खिलौना निर्यातकों का कहना है कि अमेरिका, ब्रिटेन, दक्षिण अफ्रीका और जर्मनी जैसे देशों के खरीदारों ने उनके उत्पादों में दिलचस्पी दिखाई है।

देश में सुपर लग्जरी कारों की बिक्री बढ़ी, सोच में पीढ़ीगत अंतर है वजह

नई दिल्ली। युवा पीढ़ी के सोचने के तरीके में आये पीढ़ीगत अंतर के कारण देश में लग्जरी सामानों की खपत बढ़ रही है, और सुपर-लग्जरी कारें इसका अपवाद नहीं हैं। उद्योग के आंकड़ों के अनुसार, लेम्बोर्गिनी, फेरारी, मैकलारेन और एस्टन मार्टिन जैसे ब्रांडों की लग्जरी कारों की घरेलू बाजार में मजबूत मांग देखी जा रही है। उद्योग विशेषज्ञों का कहना है कि इस साल भारतीय बाजार में 1,200-1,300 लग्जरी कारें बिकने की संभावना है। पिछले साल टॉप-एंड कार सेगमेंट में बिक्री दोगुनी से अधिक होकर 1,000 इकाई पर पहुंच गई थी।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, इटली स्थित उसके मुख्यालय से भारतीय बाजार के लिए आवंटित लेम्बोर्गिनी की सभी कारें बिक चुकी हैं। हुराकैन, उरुस और रेवुएल्टो जैसी इसकी कारों की कीमत पांच करोड़ से 10 करोड़ रुपये के बीच है। फेरारी, मैकलारेन और एस्टन मार्टिन जैसे अन्य लग्जरी ब्रांडों की बिक्री में भी मजबूत वृद्धि देखी गई है। मर्सिडीज-बेंज और ऑडी के लग्जरी मॉडल पर अब एक साल का वेटिंग टाइम है। इन कारों की कीमत 2.5 करोड़ से 4.5 करोड़ रुपये तक है। एस्टन मार्टिन ने हाल ही में भारत में 3.99 करोड़ रुपये (एक्स-शोरूम) की नई स्पोर्ट्स कार ह्यवेंटेजह्न लॉन्च की है। कंपनी के अनुसार, इसका ढांचा काफी मस्क्यूलर है और इसकी ओर अनायस सबका ध्यान खिंच जाता है। इसका डिजाइन एस्टन मार्टिन की प्रसिद्ध वन-77 सुपरकार से प्रेरित है। बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया ने जनवरी-जून की

अवधि में मजबूत प्रदर्शन किया। स्पोर्ट्स एक्टिविटी वाहनों, लग्जरी क्लास और इलेक्ट्रिक कारों की उच्च मांग से भारतीय बाजार में कंपनी की बिक्री 21 प्रतिशत से ज्यादा बढ़ी। बीएमडब्लू लग्जरी क्लास कारों की बिक्री 17 प्रतिशत से अधिक बढ़ी और कुल बिक्री में इनका योगदान 18 प्रतिशत रहा। बीएमडब्ल्यू एक्स7 सबसे अधिक बिकने वाला लग्जरी क्लास मॉडल था। बीएमडब्लू ग्रुप इंडिया के अध्यक्ष विक्रम पावाह ने कहा, हमारे वाहनों की मजबूत मांग, हमारी विशेष गतिशीलता में प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त के साथ-साथ ड्राइविंग का बेजोड़ आनंद और अपनी श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ नवाचारों से प्रेरित है। जर्मन लग्जरी कार निमार्ता ऑडी ने हाल ही में भारत में अपने बोल्ड एडिशन के तहत दो नई कारें झ्र क्यू3 और क्यू3 स्पोर्टबैक लॉन्च की हैं। नाइट फ्रैंक की नवीनतम संपत्ति रिपोर्ट के अनुसार, भारत में तीन करोड़ डॉलर से ज्यादा संपत्ति वाले बेहद धनाढ्य लोगों की संख्या में बढ़ने की संभावना है। वर्ष 2023 में इनकी संख्या 13,263 थी जिसके 2028 तक 19,908 हो जाने की उम्मीद है।

पिछले 10 सालों में मेट्रो वाले शहरों की संख्या 5 से बढ़कर 21 हुई : मनोहर लाल

नई दिल्ली। केंद्रीय आवास एवं शहरी मामलों के मंत्री मनोहर लाल ने बताया कि पिछले 10 सालों में देश के 21 शहरों में मेट्रो रेल सेवाओं का विस्तार किया गया है। 2014 में यह संख्या सिर्फ पांच थी। उन्होंने बताया कि मोदी सरकार के सत्ता में आने के बाद से पिछले एक दशक में 700 किलोमीटर नई मेट्रो लाइन को शुरू किया गया है। इसी के साथ देश में मेट्रो के कुल ट्रैक की लंबाई 945 किलोमीटर हो गई है। इसके अलावा, मंत्रिमंडल ने शुक्रवार को तीन नए जन-परिवहन प्रस्तावों को मंजूरी दी। इनमें ठाणे की इंटीग्रल रिंग मेट्रो रेल परियोजना कॉरिडोर, पुणे और बेंगलुरु में मेट्रो नेटवर्क के विस्तार शामिल है। इसकी लंबाई 78 किलोमीटर है, जिसे 2029 में चालू किया जाना है। इन परियोजनाओं से देश के विस्?तारित मेट्रो नेटवर्क में इजाफा होगा, जो पहले से ही अमेरिका और चीन के बाद दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा मेट्रो रेल नेटवर्क है।

केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने कहा कि 'मेक इन इंडिया' पहल की सफलता से हम जल्द ही मेट्रो रेल नेटवर्क के मामले में अमेरिका को पीछे छोड़कर चीन के बाद दूसरे स्थान पर पहुंच जाएंगे। गुरुग्राम, मानेसर और धारूहेड़ा, सोनीपत और पानीपत को जोड़ने वाले शेष दो प्राथमिकता वाले कॉरिडोर को भी जल्द ही मंजूरी दी जाएगी। उन्होंने विकास के मुद्दे पर जोर देकर कहा, 2014 से पहले हर महीने मेट्रो लाइन के केवल 600 मीटर का निर्माण किया जा रहा था। लेकिन, पिछले 10 सालों के दौरान इस संख्या में हर महीने 10 गुना का इजाफा हुआ है और यह आंकड़ा बढ़कर 6 किलोमीटर हो गया है। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने कहा कि भारत ने मेट्रो कोचों के निर्माण के लिए चार अत्याधुनिक सुविधाओं का विकास किया है। पिछले पांच सालों में 1,000 से अधिक मेट्रो कोच का उत्पादन किया गया। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत द्वारा मेट्रो रेल प्रोजेक्ट में किए जा रहे सहयोग की सराहना करते हुए कहा, भारत मेट्रो रेल प्रोजेक्ट के निर्माण में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सहयोग कर रहा है। दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (डीएमआरसी) वर्तमान में बांग्लादेश में मेट्रो रेल प्रोजेक्ट पर काम कर रहा है और जकार्ता को भी अपनी सेवाएं दे रहा है।

इंटेल के बाद अब मास्टरकार्ड भी करेगा छंटनी, 1 हजार से अधिक कर्मचारियों की जाएगी नौकरी

नई दिल्ली। पिछले कुछ महीने में माइक्रोसॉफ्ट, गूगल और इंटेल जैसी कई दिग्गज टेक्नोलॉजी कंपनियों ने कामकाजी लागत घटाने के लिए हजारों कर्मचारियों की छंटनी की है। इस लिस्ट में अब डेबिट और क्रेडिट कार्ड ट्रांजैक्शन सुविधा देने वाली अमेरिकी कंपनी मास्टरकार्ड शामिल हो गई है। यह अपने करीब 1 हजार कर्मचारियों को निकालने वाली है, जो इसकी कुल वर्कफोर्स का 3 फीसदी हैं।

छंटनी क्यों कर रही है मास्टरकार्ड?

मास्टरकार्ड का कहना है कि छंटनी कंपनी की नई रिस्ट्रक्चरिंग प्रक्रिया का हिस्सा है। साथ ही, वह कुछ गैर-जरूरी पदों को भी खत्म कर रही है। मास्टरकार्ड के मुताबिक, इससे उसे मौजूदा बाजार में बेहतर तरीके से कामकाज करने में मदद मिलेगी। छंटनी को 30 सितंबर तक अंतिम रूप दे दिया जाएगा। इससे भारत समेत दुनियाभर में मास्टरकार्ड कर्मचारी प्रभावित होंगे।

ग्रोथ वाले सेगमेंट पर खर्च होंगे रिसोर्स

मास्टरकार्ड का कहना है कि छंटनी मुख्य उद्देश्य अपने रिसोर्सज का इस्तेमाल उन सेगमेंट में करना है, जहां अच्छी ग्रोथ की गुंजाइश है। इस साल Amazon, Google, Microsoft, और इंटेल जैसी कंपनियों ने भी हजारों नौकरियां खत्म की हैं। उन्होंने भी एआई जैसी तकनीक के साथ तालमेल बिठाने और कामकाजी खर्च घटाने का हवाला दिया है।

मास्टरकार्ड के पास कितने कर्मचारी

Mastercard के पास करीब 33,400 कर्मचारी हैं, जिसमें से 67 फीसदी अमेरिका के बाहर काम करते हैं। मास्टरकार्ड के तिमाही नतीजे उम्मीद से बेहतर रहे थे। लेकिन, ऑपरेटिंग एक्सपेंस में 12 फीसदी का उछाल दिखा था। यही वजह है कि कंपनी ने छंटनी का फैसला किया है। रिस्ट्रक्चरिंग की लागत 19 करोड़ डॉलर होने का अनुमान है।

इंटेल ने भी बड़ी संख्या में की छंटनी

इंटेल ने खराब तिमाही नतीजों के बाद करीब 18 हजार कर्मचारियों की छंटनी का फैसला किया। यह उसकी कुल वर्कफोर्स का तकरीबन 15 फीसदी है। इंटेल ने जून में इजराइल में एक प्रमुख फैक्ट्री प्रोजेक्ट के विस्तार को भी रोक दिया था। उसमें चिप प्लांट के लिए अतिरिक्त 15 अरब डॉलर का निवेश किया जाना था। उसका मकसद भी खर्च को कम करना था।

पौध नर्सरी महिलाओं की आय का स्त्रोत

पौध तैयार करने के लिए वैज्ञानिक सूझ-बूझ का ध्यान दें ताकि मेहनत, लागत, खर्च व समय की बचत हो सके।

स्थान एवं भूमि का चुनाव

- अच्छी नर्सरी के लिए उचित जल निकास वाली बलुई दोमट भूमि अच्छी होती है।
- क्यारी का चयन ऊंचे स्थान पर करें जहां पर पानी का जमाव बिल्कुल न हो। इसके साथ ही प्रत्येक वर्ष पौधशाला नई जगह पर उगायें।
- सूर्य के प्रकाश की पर्याप्त व्यवस्था हो तथा सिंचाई की पर्याप्त व्यवस्था हो।
- आवास से कम दूरी पर नहीं हो ताकि पौधशाला की देखरेख व निरीक्षण समय-समय पर हो सके।

नर्सरी में पौध तैयार करने की विधि

अ : पॉली बैग में पौध तैयार करना - इस विधि के लिए 200 गेज मोटी पालीथिन शीट के बने 20×10 सेमी आकार वाले पाली बैगों की आवश्यकता होती है। इन पालीबैगों में नीचे तथा बगल में छेद कर दें। जिससे वायु का संचार व उचित जल निकास बना रहता है। इन थैलियों में छनी हुई सड़ी गोबर की खाद तथा मोटी बालू का समानुपाती मिश्रण भरा जाता है मिश्रण भरने से पहले मिट्टी का निजर्मीकरण कर लिया जाता है। कद्दूवर्गीय (करेला, लौकी, स्कवाश, कद्दू, तरबूज आदि) बीजों का आवरण सख्त होने के कारण बोने से पहले रातभर पानी में भिगा दें। प्रत्येक बैग में आधा से एक सेमी की गहराई पर दो से तीन बीज बोकर हल्की सिंचाई कर दें मुख्यतः वर्षा ॠतु में पौध तैयार करने के लिए 3 से 5 मीटर चौड़ी तथा जमीन की सतह से 15 से 20 से.मी. ऊंची उठी हुई क्यारियों के बीच में 30 से.मी. स्थान अवश्य छोड़ें इससे वर्षा का पानी इस स्थान से होता हुआ बाहर निकल जाता है तथा क्यारी ऊंची करने के लिए मिट्टी इसी स्थान से मिल जाती है। इसके साथ-साथ खरपतवार निकालने और कीट व फफूंदनाशक दवा के प्रयोग करने में सुविधा होती है

ऊंची उठी हुई क्यारी विधि

मुख्यत: वर्षा ॠतु में पौध तैयार करने के लिए 3 से 5 मीटर चौड़ी तथा जमीन की सतह से 15 से 20 से.मी. ऊंची उठी हुई क्यारियों के बीच में 30 से.मी. स्थान अवश्य छोड़ें इससे वर्षा का पानी इस स्थान से होता हुआ बाहर निकल जाता है तथा क्यारी ऊंची करने के लिए मिट्टी इसी स्थान से मिल जाती है। पौधशाला का स्थान थोड़ा ऊंचाई व ढालू हो ताकि वहां पानी न भरे। सूर्य का प्रकाश पूरे दिन मिले। 1 वर्ग मी. में 2 किग्रा. पकी गोबर की खाद तथा भारी मिट्टी में 2-3 किग्रा. बालू मिला दें। मिट्टी में फफूंद नाशक जैसे कैप्टान 5-6 ग्राम प्रति लीटर पानी में घोल कर मिट्टी तर कर दें। इसी प्रकार कीटनाशक के रूप में फ्यूराडान की 5 ग्राम मात्रा प्रति वर्ग मीटर पौधशाला की क्यारी में मिलायें।

बीजोपचार – बीजों को 2 ग्राम थाइरम कैप्टान तथा 1 ग्राम बाविस्टीन प्रति किग्रा बीज की दर से उपचारित कर बोयें।

मृदा सौर्यन या आतपन द्वारा

यह निजर्मीकरण की सबसे सस्ती विधि है। इस विधि में क्यारियां बुवाई के 7.8 सप्ताह पूर्व तैयार की जाती है तथा इनको पानी से पूरी तरह तर करके नम करते हैं। इसके पश्चात 200 से 300 गेज मोटी पारदर्शी प्लास्टिक से क्यारियों को चारों तरफ भली-भांति ढककर गीली मिट्टी से दबाकर वायुरोधित कर देते हैं। इस प्लास्टिक आवरण को 7.8 सप्ताह पश्चात एवं बीज बोने से 2.3 दिन पूर्व ही हटायें। यह विधि उसी दशा मे पूर्णतया प्रभावकारी होती है। जब दिन का तापमान 35 से 40 डिग्री सैल्सियस या इससे अधिक हो तथा मौसम शुष्क एवं सूर्य चमकदार हो। पौधशाला में आर्द्रगलन बीमारी अधिक लगती है। इस बीमारी की रोकने के लिये ट्राईकोडर्मा 6-8 ग्राम 1 किग्रा बीज के लिये ओर 10-20 ग्राम 1 कि.ग्रा. कम्पोस्ट या गोबर की खाद मिलाकर एक वर्गमीटर मृदा के शोधन के लिए प्रयोग करें।

नर्सरी से उपज व आमदनी -पौध नर्सरी की 3×10 मीटर क्षेत्र में नर्सरी स्थापना (भूमि की तैयारी, समतलीकरण, क्यारियों का निर्माण, पौध संरक्षण दवायें, बीज, गोबर खाद हेतु) के प्रारम्भ में लगभग 3000 रुपये व्यय आता है जो बाद में 2000-3000 प्रति 30 वर्ग मीटर आता है जिससे 2,00,000 पौधे प्राप्त किये जा सकते है सब्जियों की पौध बिक्री 25 रू. प्रति सैकड़ा करने से 8000-10000 रुपये की आमदनी होती है।

लघुधान्य फसलों की उत्पादन तकनीक

भूमि की तैयारी

ये फसलें प्राय: हर प्रकार की भूमि में पैदा की जा सकती हैं। जहां कोई अन्य धान्य फसल उगाना संभव नहीं होता, वहां भी ये फसलें सफलतापूर्वक उगाई जा सकती हैं। उतार-चढ़ाव वाली, कम जलधारण क्षमता वाली, उथली सतह वाली आदि कमजोर किस्म की भूमि में यह फसलें अधिकतर उगाई जा रही हैं। हल्की भूमि में, जिसमें पानी का निकास अच्छा हो, इनकी खेती के लिए उपयुक्त होती हैं।

बीज का चुनाव एवं मात्रा

भूमि की किस्म के अनुसार उन्नत किस्म के बीज का चुनाव करें। हल्की पथरीली व कम उपजाऊ भूमि में जल्दी पकने वाली जातियों का तथा मध्यम गहरी व दोमट भूमि में एवं अधिक वर्षा वाले क्षेत्रों में देर से पकने वाली जातियों की बोनी करें। लघु धान्य फसलों की कतारों में बुवाई के लिए 8-10 किलोग्राम बीज तथा छिटकवां बोनी के लिए 12-15 किलोग्राम बीज प्रति हेक्टेयर पर्याप्त होता है।

बोने का समय, बीजोपचार एवं बोने का तरीका

वर्षा आरंभ होने के तुरंत बाद लघु धान्य फसलों की बोनी कर दें। शीघ्र बोनी करने से उपज अच्छी प्राप्त होती है। कोदों में सूखी बोनी मानसूनी वर्षा आने के दस दिन पूर्व करने पर उपज में अन्य विधियों से अधिक उपज प्राप्त होती है। बोनी के पूर्व बीज को मेंकोजेब या थायरम दवा 3 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज के हिसाब से बीजोपचार करें। ऐसा करने से बीज जनित रोगों एवं कुछ हद तक मिट्टी जनित रोगों से फसल की सुरक्षा होती है। कतारों में बोनी करने पर कतार से कतार की दूरी 20-25 सेमी तथा पौधों से पौधों की दूरी 7 सेमी उपयुक्त पाई गई है। इसकी बोनी 2-3 सेमी गहराई पर करें। प्रयोगों द्वारा पाया गया है कि कोदों में 6-8 लाख एवं कुटकी में 8-9 लाख पौधे प्रति हेक्टेयर अधिकाधिक उत्पादन वृद्धि हेतु आवश्यक होता है।

खाद एवं उर्वरक का उपयोग

प्रायः किसान इन लघु धान्य फसलों में उर्वरक का उपयोग नहीं करते हैं। किन्तु कुटकी, कंगनी, सांवा के लिए 40 किलो यूरिया, 125 किलो स्फुर/ हेक्टेयर तथा कोदो एवं रागी के लिए 87 किलो यूरिया व 125 किलो स्फुर प्रति हेक्टेयर का उपयोग करने से उपज में वृद्धि होती है। उपरोक्त नत्रजन की आधी मात्रा व स्फुर की पूरी मात्रा बुवाई के समय एवं नत्रजन की शेष आधी मात्रा बुवाई के तीन से पांच सप्ताह के अंदर निंदाई के बाद दें।

निंदाई गुड़ाई

बुवाई के 20-30 दिन के अंदर एक बार हाथ से निंदाई करें तथा जहां पौधे न उगे हो वहां पर अधिक घने उगे पौधों को उखाड़कर रोपाई करके पौधों की संख्या उपयुक्त करें। यह कार्य 20-25 दिनों के अंदर कर ही लें। यह कार्य पानी गिरते समय सर्वोत्तम होता है।

उन्नत जातियां

(अ) कोदों - जवाहर कोदों 48 (डिण्डौरी-48), जवाहर कोदों - 439, जवाहर कोदों - 41, जवाहर कोदों - 62, जवाहर कोदों - 76, जीपीयूके - 3

(ब) कुटकी - जवाहर कुटकी - 1(डिण्डौरी-1), जवाहर कुटकी-8, सीओ- 2, पीआरसी - 3

(स) रागी - एचआर-374, आरएयू-8, जेएनआर-2, जेएनआर-852, जेएनआर-1008

(द) कंगनी - अर्जुना, - एसआईए-326

(ई) सांवा - व्हीएल-29, के-1

(फ) चीना - जीपीयू-17, के-1

फसल की कटाई-गहाई एवं भण्डारण

फसल पकने पर कोदों व कुटकी को जमीन की सतह के ऊपर कटाई करें। खलिहान में रखकर सुखाकर बैलों से गहाई करें। उड़ावनी करके दाना अलग करें। रागी सांवा एवं कंगनी को खलिहान में सुखाकर तथा इसके बाद लकड़ी से पीटकर अथवा पैरों से गहाई करें। दानों को धूप में सुखाकर भण्डारण करें।

गुजरात का नल सरोवर है सैलानी परिंदों की जन्नत

गुजरात का नल सरोवर भारत में ताजे पानी के बाकी नम भूमि क्षेत्रों से कई मायनों में भिन्न है। सर्दियोंमें उपयुक्त मौसम, भोजन की पर्याप्तता और सुरक्षा ही इन सैलानी पक्षियों को यहां आकर्षित करती है। सर्दियों में सैकड़ों प्रकार के लाखों स्वदेशी पक्षियों का जमावड़ा रहता है। इतनी बड़ी तादाद में पक्षियों के डेरा जमाने के बाद नल में उनकी चहचाहट से रौनक बढ़ जाती है। नल में इन्हीं उड़ते सैलानियों की जलक्रीड़ाएं व स्वर लहरियों को देखने-सुनने के लिए बड़ी संख्या में पर्यटक यहां प्रतिदिन जुटते हैं। पर्यटकों के अतिरिक्त यहां पक्षी विशेषज्ञ, वैज्ञानिक, शोधार्थी व छात्रों का भी जमावड़ा लगा रहता है तो कभी-कभार यहां पर लंबे समय से भटकते ऐसे पक्षी प्रेमी भी आते हैं जो किसी खास पक्षी के छायाचित्र भी उतारने की तलाश में रहते हैं।

कल का सागर आज का सरोवर

गुजरात के अहमदाबाद व सुंदर नगर जिलों से सटा नल सरोवर अभयारण्य अहमदाबाद से लगभग 65 किमी की दूरी पर है। सरोवर क्षेत्र में छोटे-बड़े कुल 300 तक टापू हैं जिनमें से 36 ऐसे बड़े टापू है जिनके अपने स्थानीय नाम हैं। नल की संरचना के बारे में भूगर्भवेताओं का मानना है कि जहां पर आज नल सरोवर है वह कभी समुद्र का हिस्सा था जो खंभात की खाड़ी को कच्छ की खाड़ी से जोड़ता था। भूगर्भीय परिवर्तनों से जब समुद्र पीछे चला गया तो यह एक बन्द संरचना में बदल गया। वर्षाकाल में जब यह भर जाता है तो 120 वर्ग किमी क्षेत्रफल की विशाल उथली झील में बदल जाता है। आकार में तब भले ही यह विशाल लगता हो किंतु इस सरोवर की गहराई अपने सर्वाधिक विस्तार के समय भी 2.5 मीटर से अधिक नही होने पाती है। इसका कारण यह है कि इससे अधिक मात्रा में जल इस बेसिन से बाहर बह निकलता है। शीतकाल आते-आते यह स्तर घट कर 1 से 1.5 मीटर तक रह जाता है।

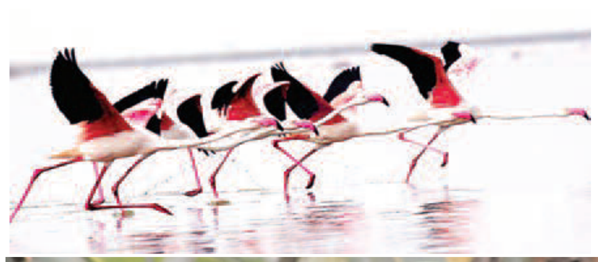

अनूठा है नल

नम भूमि क्षेत्र नल सरोवर अपने दुर्लभ जीवन चक्र के लिए जाना जाता है जिस कारण यह एक अनूठी जैवविविधता को बचाए हुए है। नल का वातावरण अनेक प्रकार के जीव जन्तुओं के लिए उपयुक्त है और एक भोजन श्रृंखला बनाता है। मूलतः यह वर्षा जल पर आश्रित एक नम क्षेत्र है। गर्मी में जब यह सरोवर सूखने के कगार पर होता है तो मानसूनी वर्षा इस सरोवर को नई जिंदगी देती है। इसके जलग्रहण क्षेत्र में वर्षा इसे लबालब कर देती है। बरसात की समाप्ति के बाद लगभग मृत प्रायः इस सरोवर में धीरे-धीरे जिंदगी पटरी पर लौटने लगती है। प्रारंभ में पहले इसमें सूक्ष्मजीव पैदा होते हैं उसके बाद छोटे कीट-पतंगे पैदा होते हैं या आस-पास से आकर यहां शरण लेते हैं। वातावरण की अनुकूलता के साथ आस-पास से व जमीन में बचे रह गए अंडों से कई प्रकार का जलीय जीवन तेजी से विकसित होता है। इनमें अनेक प्रकार की मछलियां उत्पन्न होने लगती हैं जिनकी संख्या तेजी से बढ़ने लगती है। मछलियों का लालच पक्षियों को यहां आकर्षित करता है। आरंभ में यहां छोटे पक्षी ही आते हैं किन्तु जब नवंबर में मछलियां बड़ी हो जाती हैं तो भोजन की प्रचुरता व उचित वातावरण पाकर प्रवासी जल पक्षी भी यहां आने लगते हैं। दिसंबर व जनवरी में इनकी संख्या अधिकतम होती है। फरवरी के अंत में नल में भोजन व जलस्तर में कमी व गर्मी के बढ़ने के चलते मेहमान पक्षी अपने मूल घरों को लौटने लगते हैं। मार्च में जब क्षेत्र में पारा 40 डिग्री तक पहुंच जाता है तो नल के जल स्तर तेजी से कम होने लगता है। मई का अंत आते सरोवर का क्षेत्रफल पानी के सूखने से काफी कम हो जाता है।

दक्षिण अफ्रीका ने वेस्टइंडीज को 40 रनों से हराया, सीरीज भी जीती

गुयाना, एजेंसी। कगिसो रबाडा और केशव महाराज (तीन-तीन विकेट) की शानदार गेंदबाजी की बदौलत दक्षिण अफ्रीका ने दूसरे टेस्ट मैच में वेस्टइंडीज को 40 रनों से हराकर दो मैचों की सीरीज 1-0 से जीत ली है। दूसरी पारी में 263 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी वेस्टइंडीज की टीम को दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाज केशव महाराज और कगिसो रबाडा ने 222 रनों पर ढेर कर अपनी टीम को जीत दिला दी। वेस्टइंडीज के लिए गुडाकेश मोटी ने टीम लिए सर्वाधिक 45 रन बनाये लेकिन वे अपनी टीम को हारने से नहीं बचा सके।

दूसरी पारी में भी वेस्टइंडीज की शुरूआत अच्छी नहीं रही और रबाडा ने मिकाइल लुईस (4) को जल्द ही पवेलियन भेज दिया। इसी तरह एक समय वेस्टइंडीज ने 104 के स्कोर पर अपने छह विकेट गवां दिये थे। कप्तान क्रेग ब्रैथवेट (25) कीसी कार्टी (17), कावेम हॉज (29), एलिक अथानाज (15) और जेसन होल्डर (0) पवेलियन लौट गए। इसके बाद जोशुआ दा सिल्वा (27) और गुडाकेश मोटी (45) ने सातवें विकेट के लिए 77 रनों की महत्वपूर्ण साझेदारी कर-के अपनी टीम को मैच में बनाए रखा। लेकिन 53वें ओवर में केशव महाराज ने गुडाकेश मोटी को पगबाधा आउट कर दक्षिण अफ्रीका की जीत की राह आसान कर दी। जोमेल वारिकन (25) रन बनाकर नाबाद रहे। दक्षिण अफ्रीका की ओर से कगिसो रबाडा और केशव महाराज ने तीन-तीन विकेट लिये। वियान मुल्डर और डेन पीट ने दो-दो बल्लेबाजों को आउट किया।

दक्षिण अफ्रीका ने तीसरे दिन अपनी दूसरी पारी में पांच विकेट पर 223 रन से आगे खेला शुरू किया। पहले ही ओवर में जोमेल वारिकन ने मुल्डर आउट कर पवेलियन भेज दिया। इसके बाद तो जेडन सील्स और वारिकन ने शानदार गेंदबाजी का मुजाहिरा करते हुए मेहमान टीम की बल्लेबाजो ढ़ेर कर दिया। दक्षिण अफ्रीका के लिये दूसरी पारी में काइल वेरेन ने (59), एडन मारक्रम (51), वियान मुल्डर (34), टोनी डीजॉर्जी (39) और ट्रिस्टन स्टब्स ने (24) रनों का योगदान दिया। छह बल्लेबाज दहाई आंकड़े तक भी नहीं पहुंच सके। जेडन सील्स ने 61 रन देकर छह विकेट लिये। दक्षिण अफ्रीका दूसरी पारी में 246 रन पर सिमट गई और वेस्टइंडीज को जीत के लिये 263 रनों का लक्ष्य मिला। गुडाकेश मोटी और जोमेल वारिकन ने दो-दो विकेट लिये।

इससे पहले वियान मुल्डर (चार विकेट) और नांद्रे बर्गर (तीन विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी के दम पर दक्षिण अफ्रीका ने दूसरे टेस्ट मैच में वेस्टइंडीज को पहली पारी में 144 के स्कोर पर समेट दिया था। वेस्टइंडीज की पारी की शुरूआत अच्छी नहीं रही और 56 के स्कोर तक अपने छह विकेट गवां दिये थे। मिकाइल लुईस (शून्य), कप्तान क्रेग ब्रैथवेट (3), ऐलेक ऐथनेज (1), केवम हॉज (4) केसी कार्टी (26), जॉशुआ डासिल्वा (4) रन बनाकर आउट हुये। जेसन होल्डर ने टीम के लिए सर्वाधिक नाबाद 54 रनों की पारी खेली। गुडाकेश मोटी (11) और शमार जोसेफ ने (25) रनों की जुझारू पारी खेली। जेसन होल्डर के अलावा कोई भी बल्लेबाज दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाजों के आगे नहीं टिक सका और वेस्टइंडीज की पूरी टीम 42.1 ओवर में 144 रन पर सिमट गई। इसी के साथ पहली पारी के आधार पर दक्षिण अफ्रीका को 16 रनों की बढ़त मिल गई। हालांकि पिच का मिजाज देखते हुए ऐसा लग रहा है कि यह बल्लेबाजों के लिए घातक और गेंदबाजों की मददगार होगी तथा जिस तरह से पिच व्यवहार कर रही है इस पर बड़ा स्कोर खड़ा करना मुश्किल है।

दक्षिण अफ्रीका की ओर से वियान मुल्डर ने 32 रन देकर (चार विकेट) और नांद्रे बर्गर 49 रन देकर (तीन विकेट) लिये। केशव महाराज ने दो बल्लेबाजों को आउट किया। कगिसो रबाडा को एक विकेट मिला। दक्षिण अफ्रीका की भी पहली पारी में शुरूआत खराब रही थी और उसने 57 रन पर अपने चार विकेट गवां दिये थे। एडन मारक्रम (14), टोनी डी जॉर्जी (01), ट्रिस्टन स्टब्स (26), बेडिंघम (28), वराने (21) और नांद्रे बर्गर ने (23) रन की पारी खेली। पीट 38 रन बनाकर नाबाद रहे। कप्तान तेम्बा बावुमा, वियान मुल्डर, केशव महाराज और कगिसो रबाडा खाता नहीं खोल पाए। वेस्टइंडीज की गेंदबाजी के आगे दक्षिण अफ्रीका की पहली पारी 54 ओवर में 160 रन पर सिमट गई थी। वेस्टइंडीज की ओर से शमार जोसेफ ने पांच विकेट लिए। जेडन सील्स को तीन विकेट मिले। जेसन होल्डर और गुडाकेश मोटी को एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

मैनचेस्टर यूनाइटेड ने फुलहम को 1-0 से हराया

मैनचेस्टर, एजेंसी। मैनचेस्टर यूनाइटेड ने शुक्रवार को ब्रिटेन के ओल्ड ट्रैफर्ड में फुलहम के खिलाफ 1-0 की रोमांचक जीत के साथ अपने प्रीमियर लीग अभियान की शुरूआत की। मैनचेस्टर यूनाइटेड ने उनकी टीम में पदार्पण करने वाले जोशुआ ज़िर्कजी के देर से किए गए गोल की बदौलत जीत हासिल हुई। लीग में विजयी अभियान की शुरूआत के बावजूद पूर्व यूनाइटेड डिफेंडर गैरी नेविल ने मुख्य कोच एरिक टेन हाग के नेतृत्व में टीम के प्रदर्शन और खेलने की शैली के बारे में चिंता व्यक्त की। स्काई स्पोर्ट्स फुटबॉल पर बात करते हुए नेविल ने कहा कि इस मैच में टीम में ठहराव और शानदार प्रदर्शन किया था।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यूनाइटेड मैच में अपनी लय हासिल करने के लिए संघर्ष करती हुई दिखाई दी। नेविल ने कहा उन्हें जीतना ही था पर ऐसा नहीं लग रहा था कि टीम मैच में बड़े अंतर से जीतेगी।

उन्होंने टिप्पणी करते हुए कहा कि मैच के दौरान मैदान में खिलाड़ी तनावपूर्ण माहौल में खेलते दिखाई दे रहे थे। डिफेंडर नेविल ने क्लीन शीट के महत्व को भी बताया। उन्होंने कहा कि टीम ने रक्षात्मक रूप से खेल की शुरूआत की जो पिछले सीजन की तुलना में टीम इस बार बेहतर दिख रही है। उन्होंने कहा कि यह जीत सीजन की आशाजनक शुरूआत है। नेविल की टिप्पणियों से लगता है कि मैनचेस्टर यूनाइटेड को टेन हाग के तहत खेल की एक सुसंगत और अपनी चिरपरिचित शैली विकसित करने के लिए अभी भी काम करना होगा।

ऑस्ट्रेलिया ए महिला टीम ने भारत को आठ विकेट से हराया

मकाय, एजेंसी। मैडी डार्क नाबाद (106) रनों की शतकीय और केटी मैक (68) की अर्धशतकीय पारियों के दम पर ऑस्ट्रेलिया ए महिला टीम ने शुक्रवार को भारत महिला ए महिला टीम को दूसरे एकदिवसीय मुकाबले में आठ विकेट से हरा दिया हैं।

219 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी केटी मैक और मैडी डार्क की ऑस्ट्रेलियाई सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरूआत करते हुए पहले विकेट के लिए 131 रन जोड़े। 23वें ओवर में सयाली सतघरे ने केटी मैक (68) को आउट कर भारत को पहली सफलता दिलाई। इसके बाद 31वें ओवर में चार्ली नॉट (9) रन बनाकर पवेलियन लौट गई। हालांकि इस दौरान मैडी डार्क एक छोर थामे रही। कप्तान तालिया मैक्ग्रा ने उनका बखूबी साथ निभाया। मैडी डार्क ने नाबाद (106) और तालिया मैक्ग्रा ने नाबाद (32) रनों की पारी खेली। ऑस्ट्रेलिया ए महिला टीम ने 40.2 ओवर में दो विकेट पर 221 रन बनाकर आठ विकेट से मुकाबला जीत लिया।

भारत की ओर सयाली सतघरे और तनुजा कंवर ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

इससे पहले आज यहां ऑस्ट्रेलिया ए टीम की कप्तान तालिया मैक्ग्रा ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी भारत ए महिला टीम शुरूआत अच्छी नहीं रही और उसने 26 के स्कोर पर अपने दो विकेट गवां दिये ।प्रिया पुनिया (1) और श्वेता सहरावत (11) रन बनाकर आउट हुई। इसके बाद सतीश शुभा और तेजल हसबनिस ने पारी को संभालने का प्रयास किया। 16वें ओवर में चार्ली नॉट ने सतीश शुभा (24) को आउट कर भारत को तीसरा झटका दिया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आयी राघवी बिष्ट ने तेजल हसबनिस के साथ पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच चौथे विकेट के लिए 124 रनों की साझेदारी हुई। 41वें ओवर में ग्रेस पार्सन ने तेजल हसबनिस (63) को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। राघवी बिष्ट (70) पर रनआउट हुई। इसके बाद भारत की टीम ताश के पत्तों की तरह ढह गई। शिप्रा गिरी (17) रन बनाये। भारतीय बल्लेबाज ऑस्ट्रेलिया गेंदबाजों का सामना पिच पर टिक नहीं सके। सात बल्लेबाज दहाई आंकड़े तक भी नहीं पहुंच सके। भारत ए महिला टीम ने 48 ओवर में 218 रन पर सिमट गई।

ऑस्ट्रेलिया की ओर से मेटलन ब्राउन, निकोला हैनकॉक, चार्ली नॉट ने दो-दो विकेट लिये। टाएला व्लेमिंक और ग्रेस पार्सन ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

वेस्टइंडीज पर द.अफ्रीका की टेस्ट सीरीज जीत के बाद बावुमा ने कहा

'हमें कड़ी मेहनत जारी रखनी होगी'

गयाना, एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका के टेस्ट कप्तान तेम्बा बावुमा ने वेस्टइंडीज पर दूसरे टेस्ट मैच में 40 रन की जीत और सीरीज पर 1-0 से कब्जा जमाने पर कहा कि हमें कड़ी मेहनत करनी पड़ी। यह जीत रेड-बॉल फॉर्मेट में वेस्टइंडीज पर प्रोटियाज की लगातार 10वीं सीरीज जीत है।

केशव महाराज और कगिसो रबाडा ने तीन-तीन विकेट लिए, जबकि वियान मुल्डर और डेन पीट ने दो-दो विकेट लिए, जिससे दक्षिण अफ्रीका ने दूसरी पारी में 263 रन के लक्ष्य का बचाव करते हुए वेस्टइंडीज को 222 रन पर आउट कर दिया।

इस बीच, बाएं हाथ के स्पिनर महाराज 171 विकेट लेकर दक्षिण अफ्रीका के सर्वाधिक टेस्ट विकेट लेने वाले स्पिन गेंदबाज बन गए, जिसमें इस मैच में पांच और कुल 13 विकेट शामिल हैं। उन्हें प्लेयर ऑफ द सीरीज का पुरस्कार दिया गया। बावुमा ने भरोसा जताया कि उनकी युवा टीम समय के साथ बेहतर होती जाएगी।

मैच खत्म होने के बाद उन्होंने कहा, "मैच के दौरान चीजें थोड़ी उथल-पुथल वाली रही। खुशी है कि मौसम ठीक रहा। दोनों टीमें मैच में थीं। हमने कड़ी मेहनत करता जारी रखा और मैच हमारे पक्ष में गया। युवा टीम के साथ ये आम बात है। हमने गेंदबाजों पर भरोसा किया। रबाडा ने तेज गेंदबाजों की अगुवाई की और स्पिन विभाग की अगुआई केशव ने की। हमें बस आगे बढ़ते रहना है। हम एक अनुभवहीन टीम हैं। खिलाड़ी जितना अधिक खेलेंगे, उनका आत्मविश्वास उतना ही बढ़ेगा। हम एक मजबूत टीम हो सकते हैं।

वेस्टइंडीज के खिलाफ 1-0 से सीरीज जीतने के का फायदा दक्षिण अफ्रीका को वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के प्वाइंट्स टेबल में हुआ है। दक्षिण अफ्रीका ने पाकिस्तान को पछाड़ते हुए पांचवें स्थान पर कब्जा जमा लिया है। वहीं, भारत अभी भी टॉप पर बरकरार है।

मेहमान टीम ने महज 3 दिन में वेस्टइंडीज को 40 रन से हराकर दूसरा टेस्ट अपने नाम किया। दूसरे टेस्ट मैच के तीसरे दिन 263 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए वेस्टइंडीज की पूरी टीम महज 222 रन पर सिमट गई। पहली पारी में दक्षिम अफ्रीका ने 160 और दूसरी पारी में 246 रन बनाए थे। गुणाकेश मोती (45) की जुझारू पारी भी उनकी टीम के काम नहीं आ पाई। वेस्टइंडीज ने पहली पारी में 144 रन बनाए थे।

महिला टी-20 विश्वकप 2024 की मेजबानी करना चाहता है जिम्बाब्वे

हरारे, एजेंसी। जिम्बाब्वे क्रिकेट ने महिला टी-20 विश्वकप की मेजबानी करने की इच्छा व्यक्त की है।

जिम्बाब्वे ने पिछले दो एकदिवसीय विश्वकप क्वालीफायर (2023 और 2018 में) की सफलतापूर्वक मेजबानी की है और उनके दो नए स्टेडियम निमार्णाधीन हैं। इसी कारण से जिम्बाब्वे इस टूनार्मेंट की मेजबानी में अधिक दिलचस्पी ल रहा है। हालांकि उनकी महिला टीम क्वालीफाइ नहीं होने कारण कभी भी विश्वकप में भाग नहीं ले पाई है। जिम्बाब्वे अन्य बड़े आयोजनों की तैयारी के लिए टूनार्मेंट के तटस्थ मेजबान बनने के इच्छुक है।

जिम्बाब्वे 2026 में नामीबिया के साथ पुरुष अंडर 19 विश्वकप और 2027 में दक्षिण अफ्रीका और नामीबिया के साथ एकदिवसीय विश्वकप की सह मेजबानी करेगा। तब तक देश में दो और अंतरराष्ट्रीय मैदान होंगे। जिम्बाब्वे क्रिकेट और स्थानीय सरकारी अधिकारी विक्टोरिया फॉल्स और मुतारे में बहुउद्देशीय सुविधाओं के निर्माण पर काम कर रहे हैं।

जिम्बाब्वे हरारे स्पोर्ट्स क्लब और बुलावायो में क्वींस स्पोर्ट्स क्लब को टी-20 विश्वकप के मेजबान के रूप में पेश कर सकता है। इन मैदानों ने 2023 विश्वकप क्वालीफायर के सभी मैचों की मेजबानी की थी।

जिम्बाब्वे में विश्वकप के आयोजन के लिए मौसम एक प्रमुख बिंदु साबित हो सकता है, क्योंकि देश में अक्तूबर में गर्मियों का मौसम रहेगा और तब कम बारिश की उम्मीद है। जिम्बाब्वे में अगर मैच होते है तो वहां दर्शकों की संख्या भी अच्छी होगा, जिसमें स्कूली बच्चों को भी शामिल किया जाएगा।

हमारी लड़ाई जारी रहेगी, सच्चाई की जीत होगी : विनेश फोगाट

नई दिल्ली, एजेंसी। पेरिस ओलंपिक से स्वदेश लौटने पर भव्य स्वागत से अभिभूत पहलवान विनेश फोगाट ने कहा है कि भारतीय कुश्ती की बेहतरी के लिए उनकी लड़ाई जारी रहेगी और सच्चाई की जीत होगी। ओलंपिक में 50 किग्रा फाइनल में पहुंचने के बाद अधिक वजन के कारण अयोग्य घोषित की गईं विनेश का शनिवार को यहां पहुंचने पर जोरदार स्वागत किया गया। विनेश ने अपनी अयोग्यता के खिलाफ खेल पंचाट में अपील की थी लेकिन उसके तदर्थ प्रभाग ने उसे खारिज कर दिया था।

विनेश ने अपने प्रशंसकों को संबोधित करते हुए कहा, हमारी लड़ाई खत्म नहीं हुई है। लड़ाई जारी रहेगी और मैं भगवान से प्रार्थना करती हूं कि सच्चाई की जीत होगी। विनेश और उनके साथी ओलंपियन बजरंग पूनिया और साक्षी मलिक महिला पहलवानों के कथित यौन उत्पीड़न को लेकर भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) और उसके पूर्व प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ एक साल से अधिक समय से विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं।

विनेश सहित छह पहलवान पिछले साल डब्ल्यूएफआई के पूर्व अध्यक्ष के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर जंतर-मंतर पर धरने पर बैठे थे। विनेश ने यह भी कहा कि उनका जिस तरह से शानदार स्वागत किया गया उससे उन्हें आगे बढ़ने की प्रेरणा मिली है।

भारत के खिलाफ श्रृंखला को देखते हुए कमिंस ने लिया आठ सप्ताह का ब्रेक

मेलबर्न, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के टेस्ट कप्तान पैट कमिंस ने इस साल के आखिर में भारत के खिलाफ प्रतिष्ठित बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के लिए होने वाली पांच टेस्ट मैच की श्रृंखला को ध्यान में रखते हुए आठ सप्ताह का ब्रेक लिया है।

कमिंस अमेरिका में मेजर लीग क्रिकेट में भाग लेने के बाद हाल में ऑस्ट्रेलिया लौटे हैं। ऑस्ट्रेलिया में गर्मियों के व्यस्त कार्यक्रम को देखते हुए उन्होंने खुद को तरोताजा रखने के लिए विश्राम करने का फैसला किया है। इस कारण उन्हें इंग्लैंड के सीमित ओवरों के दौरे के लिए टीम में नहीं चुना गया है।

फॉक्स स्पोर्ट्स ने कमिंस के हवाले से कहा, ब्रेक के बाद वापसी करने पर हर कोई तरोताजा महसूस करता है। आपको इसका कभी अफसोस नहीं होता। उन्होंने कहा, मैं लगभग 18 महीने पहले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल से लगातार गेंदबाजी कर रहा हूं। इस ब्रेक से मुझे सात या आठ सप्ताह तक आराम करने का समय मिल जाएगा। इसके बाद मैं तरोताजा होकर गर्मियों के लिए तैयारी शुरू कर सकता हूं।

ऑस्ट्रेलिया ने 2017 के बाद से बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी नहीं जीती है और कमिंस यह श्रृंखला जीतने के लिए बेताब हैं। उन्होंने कहा, मैंने अभी तक यहां ट्रॉफी नहीं जीती है। यह एक ऐसी ट्रॉफी है जिसे अभी तक हमारी टीम के कई खिलाड़ी नहीं जीत पाए हैं। गर्मियों में हमारा लक्ष्य इसे जीतना होगा। भारत की टीम वास्तव में बहुत अच्छी है। हम एक दूसरे के खिलाफ काफी क्रिकेट खेलते हैं और एक दूसरे को अच्छी तरह से समझते हैं लेकिन मुझे लगता है कि इस बार हम ट्रॉफी जीतने के लिए अच्छी स्थिति में हैं।

कमिंस फिलहाल टी20 क्रिकेट छोड़ने के मूड में नहीं हैं और उन्हें उम्मीद है कि वह 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक में ऑस्ट्रेलिया को स्वर्ण पदक जीतने में मदद करेंगे। क्रिकेट को ओलंपिक खेल 2028 में शामिल किया गया है। उन्होंने कहा, ओलंपिक को लेकर हर कोई उत्साहित है। मैं भी उसका हिस्सा बनना चाहता हूं।

एक नजर

इगा स्वियातेक और यानिक सिनर सिनसिनाटी ओपन के सेमीफाइनल में

मेसन (ओहियो), एजेंसी। महिला एवं पुरुष वर्ग में विश्व के नंबर एक खिलाड़ी क्रमशः इगा स्वियातेक और यानिक सिनर ने कड़ी मशक्कत करने के बाद सिनसिनाटी ओपन टेनिस टूनार्मेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। स्वियातेक ने 17 वर्षीय मीरा एंड्रीवा पर 6-4, 3-6, 7-5 से जीत के साथ अपना विजय अभियान 15 मैच तक पहुंचाया। उनका अगला मुकाबला आर्यना सबालेंका से होगा, जिन्होंने लुडमिला सैमसोनोवा को 6-3, 6-2 से हराया। सिनर ने आंद्रे रुबलेव को 4-6, 7-5, 6-4 से हरा कर पिछले सप्ताह मोंट्रियल के क्वार्टर फाइनल में मिली हार का बदला चुकता किया। वह ओपन युग में इस टूनार्मेंट के सेमीफाइनल में जगह बनाने वाले इटली के पहले खिलाड़ी बन गए हैं। सिनर का अगला मुकाबला अलेक्जेंडर ज्वेरेव से होगा। पूर्व चैंपियन ज्वेरेव ने बेन शेल्टन को 3-6, 7-6, 7-5 से हराया। ज्वेरेव ने सिनर के खिलाफ लगातार चार जीत हासिल की हैं। फ्रांसिस टियाफो ने ह्यूबर्ट हर्काज के पिंडली की चोट के कारण दूसरे सेट से हट जाने के बाद लगातार दूसरे वर्ष सेमीफाइनल में जगह बनाई। महिला वर्ग के अन्य मैचों में जेसिका पेगुला ने लेयला फर्नांडीज को 6-2, 6-7, 7-6 से हराया। सेमीफाइनल में उनका मुकाबला पाउला बडोसा से होगा। बडोसा ने अनास्तासिया पावलुचेनकोवा को 6-3, 6-2 से हराया।

बांग्लादेश को हराकर डब्लयूटीसी रैंकिंग में ऊपर आने का प्रयास करेगा पाक

लाहौर, एजेंसी। पाकिस्तान और बांग्लादेश क्रिकेट टीम के बीच 21 अगस्त से दो मैचों की टेस्ट सीरीज शुरू होगी। इसका पहला टेस्ट मैच 21-25 अगस्त के बीच होगा जबकि दूसरा 30 अगस्त से 3 सितंबर के बीच होगा। पाकिस्तान का लक्ष्य इस सीरीज में बांग्लादेश को हराकर विश्व टेस्ट चैंपियनशिप डब्लयूटीसी रैंकिंग में ऊपर आना रहेगा। अभी 9 टीमों में पाकिस्तान की टीम रैंकिंग में 5वें नंबर पर है जबकि बांग्लादेश की टीम 8वें नंबर पर है। वहीं भारतीय टीम सबसे ज्यादा अंक प्रतिशत के साथ शीर्ष पर है। पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच टेस्ट रिकॉर्ड की बात करें तो अब तक दोनों टीमों के बीच 13 बार मुकाबला हुआ है। इसमें से 13 मैचों में से पाकिस्तान 12 मैचों में जीत हासिल की हैं. जबकि बांग्लादेश एक बार भी नहीं जीती है। दोनों टीमों के बीच एक मैच ड्रॉ रहा है।

ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड टेस्ट के 150 वर्ष पूरा होने पर खेलेंगे टेस्ट मैच

मेलबर्न, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड टेस्ट के 150 वर्ष पूरा होने मेलबर्न के ऐतिहासिक क्रिकेट मैदान पर मार्च 2027 में टेस्ट मैच खेलेंगे। दोनों देशों के बीच 1877 में पहला टेस्ट मैच खेला गया था। इसे ऑस्ट्रेलिया ने 45 रनों से जीता था। टेस्ट क्रिकेट के 100 साल पूरा होने पर भी दोनों देशों के बीच 1977 में टेस्ट मैच खेला गया था इस मुकाबले को भी ऑस्ट्रेलिया ने 45 रन से जीता था। इसके साथ यह भी समझौता हुआ अगले सात वर्षो तक बॉक्सिंग डे टेस्ट मेलबर्न तो नए साल का टेस्ट सिडनी में ही आयोजित होगा। 2030-31 सत्र तक हुए इस समझौते के अनुसार क्रिसमस से तुरंत पहले का टेस्ट ऐडिलेड जबकि सत्र का पहला टेस्ट पर्थ में आयोजित होगा। हालांकि पर्थ ने केवल अगले तीन साल के लिए ही अनुबंध किया है। अगले वर्ष का ऐशेज श्रृंखला पारंपरिक गाबा, ब्रिस्बेन की मैदान की जगह पर्थ में होगी। उल्लेखनीय है कि 2032 के ओलंपिक को देखते हुए गाबा के स्टेडियम में निर्माण कार्य चल रहा है और इस दौरान वहां बहुत कम टेस्ट होंगे।

अकरम बोले, बाबर अच्छे बल्लेबाज पर अभी विश्व क्रिकेट के किंग हैं विराट

लाहौर, एजेंसी। पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज वसीम अकरम ने कहा है कि बाबर आजम काफी अच्छे बल्लेबाज हैं पर आज के समय में विश्व क्रिकेट के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज विराट कोहली ही हैं। अकरम ने कहा कि लोग चाहे कुछ भी कहें विश्व क्रिकेट का असली किंग विराट ही हैं। इस पूर्व तेज गेंदबाज ने कहा, देखिए कोहली किंग हैं। इसमें किसी को कोई संदेह नहीं होना चाहिये। वहीं जहां तक बाबर की बात की जाए तो उसे अभी काफी आगे जाना है। कोहली के बराबर आने के लिए बाबर को लगातार अच्छा खेलना होगा और सबसे बड़ी बात कि बड़ी टीमों के खिलाफ जमकर रन बनानें होंगे। उन्होंने साथ ही कहा, हमें इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया जैसी टीमों के खिलाफ बड़ी सीरीज खेलनी होगी। 5-5 मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी होगी जैसी भारत खेलता है। तभी बाबर विश्व क्रिकेट के शीर्ष पर पहुंचा सकते हैं। वहीं जिस प्रकार पाक टीम छोटी टीमों के खिलाफ ज्यादा खेल रहे हैं उससे बाबर शीर्ष पर नहीं जा सकते। उन्होंने कहा, देखिए बाबर शीर्ष पर जाने की राह पर है। इसमें कोई शक नहीं है पर विराट वहां पहुंच चुका है।वहीं जब अकरम से पूछा गया कि क्या बाबर कभी कोहली और सचिन तेंदुलकर के स्तर पर पहुंच सकते है।. इस पर वसीम ने कहा, हां जरूर पहुंच सकता है वह एक बेहतरीन बल्लेबाज हैं और काफी मेहनत कर रहा है पर पाक को सबसे पहले बड़ी टीमों के साथ मुकाबले करने होंगे। उसे ऑस्ट्रेलिया- इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड के दौरे पर जाना होगा और वहां बाबर को बेहतर पदर्शन कर अपने को साबित करना होगा। तभी वह किंग बन पायेंगे।

केशव महाराज दक्षिण अफ्रीका की ओर से सबसे अधिक विकेट लेने वाले स्पिनर बने

गयाना, एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका के स्पिनर केशव महाराज ने मेजबान वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज में अपनी टीम को जीत दिलाने के साथ ही एक अहम रिकार्ड भी अपने नाम किया है। केशव ने वेस्टइंडीज के खिलाफ 2 मैचों की इस सीरीज में कुल 13 विकेट लिए। इसी के साथ ही केशव अपने देश के लिए टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले स्पिनर बन गए हैं। केशव ने इसी के साथ ही दिग्गज ह्यूग टेफील्ड का 64 साल पुराना रिकार्ड भी तोड़ दिया। दक्षिण अफ्रीका के लिए टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले स्पिनरों में अब केशव 171 विकेट के साथ ही नंबर एक पर पहुंच गये हहैं। उन्होंने यह विकेट 52 मैचों में 30.78 के औसत और 58.9 के स्ट्राइक रेट के साथ लिए हैं। वहीं 1949 से 1960 तक दक्षिण अफ्रीका की ओर से खेलने वाले ह्यूग टेफील्ड ने अपने टेस्ट करियर में 170 विकेट लिए हैं। इस प्रकार छह दशक के बाद उनका रिकार्ड टूटा है। वहीं सबसे अधिक विकेट लेने वाले तीसरे गेंदबाज पॉल एडम्स हैं एडम्स के नाम 134 विकेट हैं।

मेहनत की तारीफ न मिलने पर प्रशंसकों से नाराज हुए कार्तिक

अभिनेता कार्तिक आर्यन फिलहाल चंदू चैंपियन को लेकर चर्चा में हैं। यह फिल्म सिनेमाघरों के बाद ओटीटी पर रिलीज हो चुकी है। कल यानी शुक्रवार 9 अगस्त को इसे प्राइम वीडियो पर रिलीज कर दिया गया। आज अभिनेता ने एक वीडियो सोशल मीडिया पर साझा किया है। इसमें वे प्रशंसकों से शिकायत करते नजर आ रहे हैं।

अभिनेता का कहना है कि उन्होंने इस फिल्म के लिए इतनी मेहनत की है और प्रशंसक तारीफ तक नहीं कर रहे। अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल से कार्तिक ने पोस्ट साझा की है। इसके साथ लिखा है, यहां आप लोगों के लिए एक मैसेज है। और साथ मे जुड़े रहिए। वीडियो में कार्तिक कुछ उदास नजर आ रहे हैं। इसके बाद उनसे कोई सवाल करता है, क्या हुआ कार्तिक? क्या परेशानी है? इसके बाद कार्तिक शुरू हो जाते हैं, प्रॉब्लम....मेरी प्रॉब्लम ये है कि....। फैंस को लगता है कि वो अपना प्यार का पंचनामा वाला मोनोलॉग सुनाएंगे, लेकिन कार्तिक बीच में ही रुक जाते हैं और फिर फैंस से शिकायत करते हैं। कार्तिक कहते हैं, ये तुम लोगों का हर बार का हो गया है। पिक्चर प्रमोट करनी है तो कार्तिक से मोनोलॉग बुलवा दो। अरे इतनी मेहनत की है मैंने। चार नहीं, छह नहीं पूरे आठ एब्स बनाए हैं। डेढ़ साल तक कुछ खाया नहीं। बॉक्सिंग सीखी। स्विमिंग सीखी। दंगल सीखा। तुम लोग बस लाइक करोगे, कमेंट करोगे और चले जाओगे। मेहनत के बारे में कुछ नहीं बोलोगे?

कार्तिक ने आगे कहा, बहुत हुआ हर जगह कि चंदू चैंपियन प्राइम वीडियो पर रिलीज हो रही है। यह कह-कहकर थक गया हूं मैं। अब मैं आप लोगों को बताऊंगा कि आपको यह पिक्चर क्यों नहीं देखनी चाहिए। इसके बाद वीडियो में लिखा आया है, कमिंग सून। अंदाजा लगाया जा रहा है कि कार्तिक जल्द ही एक और नया वीडियो जारी करने वाले हैं। देखना होगा उसमें एक्टर क्या कहेंगे।

राजकुमार राव के साथ पहली बार स्क्रीन स्पेस साझा करेंगी मानुषी छिल्लर

श्रीकांत की सफलता के बाद बॉलीवुड के गलियारों में बहती हवाओं ने कहा था कि राजकुमार राव निर्माता जय शेवक्रमाणी की अगली फिल्म करने जा रहे हैं, जिसके निर्देशन की जिम्मेदारी पुलकित को सौंपी गई, जिन्हें भक्षक के लिए जबरदस्त तारीफें मिली थीं। अब बहती हवाओं का कहना है कि निर्माताओं ने राजकुमार राव के अपोजिट मानुषी छिल्लर को साइन कर लिया है। इसमें पहली बार राजकुमार राव की पूर्व ब्यूटी क्वीन मानुषी छिल्लर के साथ ऑनस्क्रीन केमिस्ट्री देखने को मिलेगी। पिंकविला की रिपोर्ट में एक सूत्र के हवाले से कहा गया, निर्माता नई कास्टिंग की तलाश में थे और राजकुमार और मानुषी की जोड़ी कुछ नया लेकर आई है। फिल्म में दोनों की जोड़ी दिलचस्प होगी। इससे पहले पता चला था कि यह फिल्म एक गैंगस्टर ड्रामा है। जय के अनुसार, अभिनेता ने न केवल बिंदीदार रेखा पर हस्ताक्षर किए थे, बल्कि उन्होंने यह भी दावा किया था कि वे मई में प्री-प्रोडक्शन चरण में थे। हाल ही में सूत्र ने खुलासा किया कि फिल्म के अगले महीने भारत में फ्लोर पर जाने की उम्मीद है और निर्माता इसे अगले साल रिलीज़ करने के इच्छुक हैं। सूत्र ने कहा, कथानक के विवरण को अभी गुप्त रखा गया

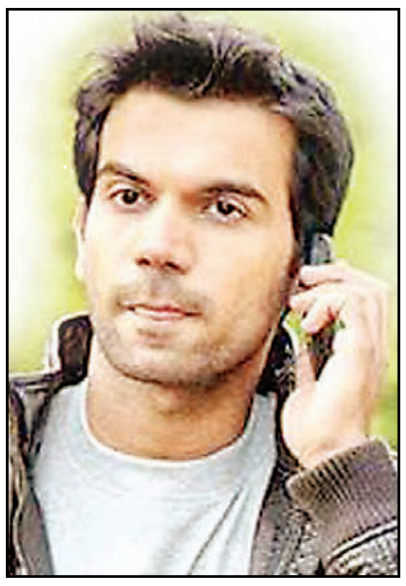

है, हालांकि, निर्माता सितंबर 2024 में मैराथन शेड्यूल के साथ फिल्म को फ्लोर पर ले जाने के लिए तैयार हैं। राजकुमार राव इस सहयोग को लेकर उत्साहित हैं और यह उनके लिए कॉमिक स्पेस से एक ब्रेक होगा।

इस बीच, राजकुमार राव अपनी बहुप्रतीक्षित हॉरर कॉमेडी स्त्री 2 के प्रमोशन में व्यस्त हैं, जिसमें उनके साथ श्रद्धा कपूर, पंकज त्रिपाठी, अपारशक्ति खुराना और अभिषेक बनर्जी मुख्य किरदार निभा रहे हैं। यह फिल्म 15 अगस्त को रिलीज होने वाली है।

वरुण धवन को कृति सेनन ने कहा धोखेबाज

मैडॉक फिल्म्स द्वारा निर्मित सुपरनैचुरल यूनिवर्स की अपकमिंग फिल्म स्त्री 2, स्वतंत्रता दिवस 2024 पर सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए पूरी तरह से तैयार है। वहीं इस फिल्म में भी एक नए किरदार का कैमियो देखने को मिलने वाला है। हाल ही में, स्त्री 2 का नया गाना खूबसूरत रिलीज़ हुआ है जो तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें श्रद्धा कपूर के साथ वरुण धवन रोमांटिक अंदाज में नजर आ रहे हैं। वहीं खूबसूरत गाने के रिलीज के बाद अब कृति सेनन ने रिएक्ट करेत हुए वरुण धवन को धोखेबाज कहा है। कृति सेनन और वरुण धवन भेड़िया में साथ में लीड रोल में दिखाई दिए थे। वहीं अब श्रद्धा कपूर के साथ वरुण को रोमांटिक डांस करता देख एक्ट्रेस ने अपना रिएक्शन शेयर किया है। कृति ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें कृति सेनन ने लिखा, धोखेबाज! तुम्हारी जिंदगी में स्त्री नंबर 2 है। बता दें कि वरुण धवन, श्रद्धा कपूर और राजकुमार राव की हॉरर कॉमेडी स्त्री 2 में कैमियो रोल में दिखाई देने वाले हैं। वरुण ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक मजेदार एडिट शेयर किया है, जिसमें उन्होंने कृति सेनन से बदला लेने वाली बात कही है। इस वीडियो में फिल्म स्त्री जो 2018 में रिलीज हुई थी उसका गाना आओ कभी हवेली पे दिख रहा है, जिसमें राजकुमार को कृति के साथ डांस करते देखा जा सकता है। वहीं उसके दूसरे पार्ट में वरुण धवन और श्रद्धा कपूर स्त्री 2 के खूबसूरत गाने पर रोमांस करते दिखाई दे रहे हैं। स्त्री 2 में पंकज त्रिपाठी, अभिषेक बनर्जी और अपारशक्ति खुराना भी लीड रोल में हैं। जियो स्टूडियो और दिनेश विजान द्वारा प्रस्तुत इस फिल्म का निर्देशन अमर कौशिक ने किया है। दिनेश विजान और ज्योति देशपांडे द्वारा निर्मित यह फिल्म 15 अगस्त, 2024 को सिनेमाघरों में आएगी।

अर्जुन रामपाल का एक्स अकाउंट हैक

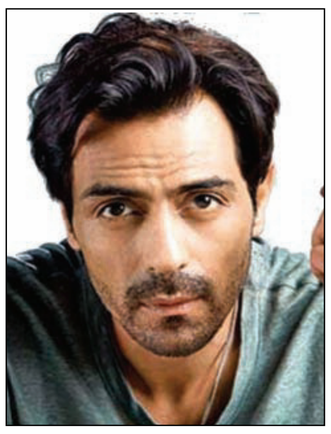

अभिनेता अर्जुन रामपाल का एक्स अकाउंट (पूर्व में ट्विटर) हैक हो गया है। उन्होंने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए यह जानकारी प्रशंसकों को दी है। साथ ही उन्होंने प्रशंसकों को आगाह भी किया है कि वे किसी भी ट्वीट और मैसेज पर प्रतिक्रिया न दें।

प्रशंसकों को किया सतर्क

अभिनेता ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट से पोस्ट साझा किया है। इसमें उन्होंने अपने प्रशंसकों को सतर्क करते हुए लिखा है, अच्छी खबर नहीं हैं। मेरा एक्स अकाउंट हैक हो गया है। आप किसी भी मैसेज या ट्वीट का जवाब न दें। पोस्ट पर एक्टर के फैंस भी उन्हें सावधानी बरतने का सुझाव दे रहे हैं।

पार्टनर गेब्रिएला ने जताई हैरानी

फिलहाल अर्जुन रामपाल ने अपने प्रशंसकों को सतर्क कर दिया है, जिससे कोई अभिनेता के नाम पर हैकर्स के झांसे में न आए। प्रशंसकों के साथ-साथ अभिनेता की पार्टनर गेब्रिएला डेमेट्रिड्स ने भी उनके पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए हैरानी वाला इमोजी पोस्ट किया है। वर्क फ्रंट की बात करें तो अर्जुन रामपाल को बीते दिनों क्रैक – जीतेगा तो जिएगा फिल्म में देखा गया था। यह फिल्म इस साल फरवरी में रिलीज हुई थी, जिसमें अर्जुन विद्युत जामवाल के साथ नजर आए थे।

घुड़चढ़ी में देविका का किरदार बिल्कुल मेरे जैसा

बिनॉय गांधी के डायरेक्शन में बनी फिल्म घुड़चढ़ी में 90 के दशक की मशहूर जोड़ी संजय दत्त और रवीना टंडन लंबे अरसे के बाद दर्शकों को साथ दिखाई देगी। वहीं, फिल्म में खुशाली कुमार और पार्थ समथान भी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। खुशाली कुमार ने इस फिल्म को अपने करियर की काफी अलग और मजेदार किरदार बताया। फिल्म में देविका की भूमिका निभा रही खुशाली कुमार ने कहा- मेरी पहले की फिल्मों से काफी अलग और मजेदार किरदार है। मैं हमेशा से कॉमेडी करना चाह रही थी। मुझे बताया गया था कि देविका का किरदार बिल्कुल मेरे जैसा ही है। डायरेक्टर ने बताया था कि इस फिल्म के लिए आप जैसे हो वैसे ही रहना है। मुझे यह फिल्म करने में बहुत मजा आया। सबसे बड़ी बात यह है कि इसमें संजय सर और रवीना मैम के साथ काम करने का मौका मिला है। उनके साथ काम करने का मतलब सपने सच होने जैसा है।

संजय सर को बस देखते ही रह गई

खुशाली कुमार ने संजय दत्त से पहली मुलाकात का किस्सा शेयर करते हुए कहा- मेरे लिए फैन मोमेंट्स था। पहली बार संजय सर जब फिल्म के सेट पर आए तो पिन ड्रॉप साइलेंट हो गया था। उनकी एनर्जी और औरा ही इस तरह से है कि बस आप उन्हें देखते रहें। उनका व्यक्तित्व ऐसा है कि उनको सिर्फ देखकर ही आप इन्जॉय करने लगते हो।

रवीना टंडन को मां कहना आसान नहीं था

इस फिल्म में रवीना टंडन ने खुशाली कुमार की मां का किरदार निभाया है। खुशाली कुमार ने कहा- रवीना मैम के साथ काम करने का बहुत ही मजेदार अनुभव रहा है। वो बहुत ही स्वीट और हॉट हैं। इसलिए उनको मां कहना आसान नहीं था। एक सीन में उन्होंने कहा भी कि खुशाली को ममता भरी निगाहों से देख रही हूं, लेकिन वो वैसे नहीं देख रही है। वो बहुत ही अच्छी कलाकार हैं। उनके साथ जो भी सीन्स किए, बहुत मजा आया।

‘द डायरी ऑफ वेस्ट बंगाल’ की रिलीज से पहले वसीम रिजवी को कोलकाता पुलिस ने किया तलब

ऋषि तिवारी

30 अगस्त 2024 को रिलीज होने वाली फिल्म ‘द डायरी ऑफ वेस्ट बंगाल’ ने तीव्र बहस छेड़ दी है, जिसमें कोलकाता पुलिस द्वारा वसीम रिजवी, जिन्हें जितेंद्र नारायण सिंह के नाम से भी जाना जाता है, को तलब किया जाना और भी आग में घी डालने जैसा साबित हो रहा है। यह जानकारी दिल्ली के पीवीआर प्लाजा में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में वसीम रिजवी उर्फ जितेंद्र सिंह ने बताया। उनके साथ इस कांफ्रेंस में आश्मिन मेहता और यजुर मारवाह भी मौजूद थे पहले से ही विवादों में घिरी यह फिल्म अपने बोल्ड कंटेंट और सामाजिक-राजनीतिक वास्तविकताओं के बेबाक चित्रण के लिए काफी ध्यान आकर्षित कर रही है। सच्ची घटनाओं पर आधारित इस फिल्म के बारे में वसीम रिजवी उर्फ जितेंद्र सिंह ने बताया कि कट्टरपंथियों

के सोच पर आधारित इस फिल्म में हमने एक सच्ची बलात्कार घटना को दिखाया है हमने पूरी शूटिंग कोलकाता में की है और उसी तरह के घटनाओं से इस समय कोलकाता फिर जल रहा है

निर्देशक सनोय मिश्रा द्वारा निर्देशित और आश्मिन मेहता और यजुर मारवाह अभिनीत, ‘द डायरी ऑफ वेस्ट बंगाल’ सिर्फ एक फिल्म नहीं है—यह क्षेत्र में गूंजने वाली सामाजिक-राजनीतिक ध्वनियों पर एक साहसिक टिप्पणी है। फिल्म के अनवरत संवाद और समाज के काले पक्षों का कच्चा चित्रण वर्तमान में बांग्लादेश और कोलकाता में हो रही अशांत परिस्थितियों के साथ गहराई से मेल खाता है, जिससे इसकी कहानी आज के समय में अत्यधिक प्रासंगिक हो जाती है।

फिल्म इन मुद्दों को उस यथार्थवाद के साथ चित्रित करती है जो भारतीय सिनेमा में दुर्लभ है, और उन कड़वी सच्चाइयों को सामने लाती है जिन्हें कई लोग नजरअंदाज करना चाहते हैं। स्वाभाविक रूप से, इससे आलोचनाओं की बाढ़ आ गई है, जिसमें फिल्म निमार्ताओं पर सांप्रदायिक तनाव बढ़ाने और सनसनीखेज बनाने के लिए ऐतिहासिक तथ्यों को विकृत करने का आरोप लगाया जा रहा है। सबसे हालिया कानूनी घटनाक्रम में कोलकाता पुलिस ने वसीम रिजवी को मई 2023 में दर्ज एक मामले के संबंध में, भारतीय दंड संहिता, सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम और सिनेमा अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत चल रही जांच में तलब किया है।

इन कानूनी और सामाजिक चुनौतियों का सामना करने के बावजूद, फिल्म निमार्ता दृढ़ बने हुए हैं। उनका कहना है कि ‘द डायरी ऑफ वेस्ट बंगाल’ उन कठोर वास्तविकताओं का प्रतिबिंब है जिनका सामना इस क्षेत्र में कई लोगों को करना पड़ता है, और इसका उद्देश्य विचारोत्तेजक और चर्चा को प्रोत्साहित करना है, न कि अशांति फैलाना। बांग्लादेश और कोलकाता दोनों में चल रहे अशांति और सामाजिक-राजनीतिक घटनाक्रम फिल्म के संदेश को और अधिक गहराई देते हैं, जिससे यह समकालीन मुद्दों का एक सटीक प्रतिबिंब बन जाती है। जैसे-जैसे रिलीज की तारीख नजदीक आ रही है, फिल्म पहले ही लोगों की नजरें खींचने और बातचीत शुरू करने में सफल हो चुकी है। चाहे इसे साहसी कलात्मक अभिव्यक्ति के रूप में सराहा जाए या इसके बोल्ड दृष्टिकोण के लिए निंदा की जाए, यह स्पष्ट है कि ‘द डायरी ऑफ वेस्ट बंगाल’ सिनेमा से कहीं आगे तक गूंजने वाला एक संदेश है।

करण जौहर को आज तक है इस बात का खेद

करण जौहर बॉलीवुड के मशहूर फिल्म निर्माता और निर्देशक हैं करण ने 1998 की फिल्म कुछ कुछ होता है से निर्देशन के क्षेत्र में कदम रखा था। उन्होंने 26 वर्षों में खुद को बॉलीवुड के सबसे प्रभावशाली फिल्म निर्माताओं में से एक के रूप में स्थापित किया है। जाकिर खान के साथ बातचीत में करण ने इंडस्ट्री में अपने पिता की यात्रा पर विचार किया करण ने कहा कि पिता की कई असफलताओं को देखकर एहसास हुआ कि कुछ भी आसान नहीं होता है। करण ने बताया कि उन्हें इस बात का खेद है कि उनके पिता धर्मा प्रोडक्शन का अच्छा फेज नहीं देख पाए।